भारत में भी शुरु हुई जापान की बुलेट ट्रेन जैसी सफाई तकनीक

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने 1 अक्टूबर से ट्रेनों की त्वरित सफाई के लिए '14 मिनट के चमत्कार' को मूर्त रुप ?दिया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अब भारत में भी जापान की बुलेट ट्रेन जैसी साफ-सफाई की तकनीक शुरु कर दी गई है। स्च्छता के मामले में यह एक बड़ा कदम बताया जा रहा है। इस काम की शुरुआत देश भर में उनके संबंधित गंतव्य स्टेशनों पर 32 वंदे भारत ट्रेनों से होगी। इसकी औपचारिक शुरुआत रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन में करने जा रहे हैं। जापान की बुलेट ट्रेनों में देखी गई तीव्र सफाई व्यवस्था का अनुकरण करते हुए भारतीय रेलवे ने भी इसी तर्ज पर तैयारी की है। बताया जा रहा है कि जापान में बुलेट ट्रेन को साफ करने में 7 मिनट का समय मिलता है। भारतीय रेलवे भी ट्रेन की सफाई के मानकों को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है।

देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

त्रिगुट

नासिरा प्रेस

मालवीयनगर-गोण्डा

मो0-9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

गोण्डा सोमवार 02 अक्टूबर 2023 वर्ष 39 अंक 46 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स-05262-230683 डाक पंजीयन संख्या-NP/GONDA-30/2003 पृष्ठ- 8 मूल्य 2.00 रुपये

देशभर में एक साथ चला स्वच्छता अभियान, लाखों लोगों ने किया श्रमदान

पीएम मोदी की अपील पर विभिन्न शहरों में महात्मा गांधी को देश के लोगो ने दी स्वच्छांजलि

नई दिल्ली (ईएमएस)। पीएम नरेन्द्र मोदी की अपील पर रविवार को एक साथ देशभर के लाखों लोगों ने स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। पीएम की राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान की अपील पर नेताओं, अभिनेताओं से लेकर छात्रों तक, सभी क्षेत्रों के लोगों ने रविवार को एक घंटे के श्रमदान में हिस्सा लिया। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के अनुसार, इस अभियान के तहत देशभर में 9.20 लाख से अधिक स्थानों पर स्वच्छता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गौरतलब है कि आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की पिछली कड़ी में पीएम मोदी ने सभी नागरिकों से एक अक्टूबर को 'स्वच्छता के लिए एक घंटे का श्रमदान' करने की अपील में कहा था कि महात्मा गांधी की जयंती की पूर्व संध्या पर यह 'स्वच्छांजलि' होगी। इस दौरान श्रमदान करने के ?लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने झाड़ू लेकर अहमदाबाद में स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा दिल्ली के झंडेवालान इलाके में इस अभियान में शामिल हुए। इस दौरान देशभर में केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा नेताओं ने झाड़ू उठाकर 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में हिस्सा लिया।गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने भी एक स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी भी स्वेच्छा से शामिल हुए। दिल्ली नगर निगम ने भी राजधानी में 500 स्थानों पर सफाई अभियान चलाया। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने लोगों से इस अभियान में शामिल होने का आग्रह करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'आइए, एक नया इतिहास बनाएं! आज सुबह 10 बजे। आइए एक घंटे के लिए स्वयंसेवक बनें, स्वच्छता के माध्यम से महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दें। शामिल होने के लिए स्थानीय स्वच्छता कार्यक्रमों

को स्कैन करें या देखें। वहीं क्रिकेट के दिग्गज विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे क्रिकेट खिलाड़ियों ने भी लोगों से 'एक तारीख, एक घंटा, एक साथ' के लिए साथ आने और स्वच्छता के प्रति संकल्प को मजबूत करने के लिए सबसे बड़े नागरिक नेतृत्व वाले आंदोलन में शामिल होने की अपील की।लखनऊ में 'स्वच्छता पखवाड़ा' में हिस्सा लेने वाले उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री की अपील पर देशभर में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी से इस अभियान में हिस्सा लेने की अपील की। मिली जानकारी के अनुसार गैर-सरकारी संगठनों, बाजार संघों, स्वयं सहायता समूहों, धार्मिक समूहों, व्यापार निकायों और निजी क्षेत्र की कंपनियों ने 22,000 से अधिक बाजार क्षेत्रों, 10,000 जल निकायों, 7,000 बस स्टैंड/टोल प्लाजा, 1,000 गौशालाओं, 300 चिड़ियाघरों और वन्यजीव क्षेत्रों तथा ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में विभिन्न स्थानों पर स्वेच्छा से 'श्रमदान' किया।

बधाई एवं अवकाश सूचना

गांधी जयन्ती के अवसर पर समस्त पाठकों, हाकरों एवं विज्ञापनदाताओं को हार्दिक बधाई। इस अवसर पर प्रेस व कार्यालय बन्द रहेगा। इसलिए आगामी अंक 4 अक्टूबर 23 बुधवार को प्रकाशित होगा।

-प्रकाशक

नोडल अधिकारी ने दिलाई स्वच्छता की शपथ

इंदौर की तर्ज पर हो गोण्डा की स्वच्छता-डीएम

निज संवाददाता

गोण्डा। जनपद की नोडल अधिकारी निबन्धक स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन कंचन वर्मा तथा जिलाधिकारी नेहा शर्मा की अध्यक्षता में स्वच्छता प्लाग रन / स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम की शुरुआत की गई। शहर के गुरु नानक चौराहा से स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने सभी लोगों को स्वच्छता ही सेवा की शपथ दिलाई। इसके बाद नोडल अधिकारी में हरी झंडी दिखाकर फ्लाग रन का शुभारंभ किया।

उन्होंने जिलाधिकारी व अधिकारियों के साथ गुरु नानक चौराहे से गांधी पार्क तक स्वच्छता ही सेवा की रैली निकाली। गांधी पार्क पहुंचकर गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण किया और श्रमदान किया। नोडल अधिकारी एवं जिलाधिकारी ने स्वच्छता सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी भी ली। टाउन हॉल में स्वच्छता पर आधारित एक कार्यक्रम का भी आयोजित किया गया जिसे नोडल अधिकारी ने देखा और उसकी प्रसंशा की।

नोडल अधिकारी ने कहा कि महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर मा0 प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर स्वच्छता ही

इंदौर की तर्ज पर हो गोण्डा की स्वच्छता

सेवा श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। आगामी दिनों में जिले के सभी अस्पतालों, सरकारी कार्यालयों एवं सभी ग्राम पंचायतों में साफ-सफाई की जायेगी। इस अभियान के माध्यम से विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता अपनाने हेतु जागरूक किया जायेगा। उन्होने सभी जनपद वासियों से अपील करते हुए कहा कि जिले को साफ-सुथरा रखने के लिए 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े से जुड़कर सभी जनपदवासी स्वयं को स्वच्छता के प्रति समर्पित करें और जनपद को स्वच्छ बनाने में अपनी महती भूमिका निभायें।

जिलाधिकारी ने कहा कि इंदौर शहर की स्वच्छता की तर्ज पर गोण्डा में भी स्वच्छता अभियान चलाने की जरुरत है। हम सभी को स्वच्छता में गोण्डा को देश के टॉप स्वच्छ शहरों में अपनी जगह बनानी है।

कार्यक्रम के दौरान माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष श्री घनश्याम मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी एम.अरुन्मोली, अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज, मुख्य राजस्व अधिकारी महेश प्रकाश, जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, परियोजना निदेशक डीआरडीए चंद्रशेखर, उप निदेशक कृषि प्रेम कुमार ठाकुर, जिला पंचायत राज अधिकारी लालजी दुबे, जिला कृषि अधिकारी जेपी यादव, प्राचार्य श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोंडा प्रोफेसर रविंद्र कुमार पांडेय, डॉ0 रेखा शर्मा, डॉ0 बघेल एलबीएस कालेज, डॉ0 ओमकार पाठक, अध्यक्ष प्रतिनिधि नगर पालिका परिषद गोंडा, जिला कार्यक्रम समन्वयक /बीपीएम स्वच्छ भारत मिशन शहरी जनपद गोंडा नितेश कुमार राठौर, तथा कलेज के एनसीसी छात्रायें, स्काउट एण्ड गाइड के छात्रायें, सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्वच्छता ही जीवन का है मूल आधार-आयुक्त

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार ''स्वच्छता ही सेवा-कचरा मुक्त अभियान 15 सितम्बर से पूरे देश में चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत दो अक्टूबर के अवसर पर स्वच्छता के लिए जन आन्दोलन उत्सव के तहत ''स्वच्छ भारत दिवस'' के रूप में मनाया जाना है, जो महात्मा गांधी को उनकी जयंती पर एक श्रृद्धांजलि है। इसके तहत श्रावस्ती जनपद के विकास खण्ड इकौना अन्तर्गत स्थित सीताद्वार मन्दिर परिसर में मा0 विधायक रामफेरन पाण्डेय, जनपद हेतु नामित नोडल अधिकारी/देवीपाटन मण्डल गोण्डा के आयुक्त योगेश्वर राम मिश्र, ने विधायक जिलाधिकारी व अन्य अधिकारियों ने स्वयं झाड़ू लगाकर ''स्वच्छता ही सेवा-2023 'कचरा मुक्त भारत'' 01 घण्टे श्रमदान कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस दौरान आयुक्त ने कहा कि स्वच्छता ही जीवन का मूल आधार है। किसी भी समाज के लिए स्वच्छता सामाजिक रूप से भी आवश्यक है और स्वास्थ्य के लिए भी आवाश्यक है। इसलिए साफ-सफाई अपनाकर ही बीमारियों से बचा जा सकता है। देश के मा0 प्रधानमंत्री जी के मंशानुसार महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर ''स्वच्छता ही सेवा-2023 कचरा मुक्त भारत'' कार्यक्रम को जनआन्दोलन के रूप में मनाया जा रहा है, जो बहुत ही सराहनीय है। इस इसका उद्देश्य सामूहिक स्वच्छता अभियान जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से देश भर में जन भागीदारी सुनिश्चित करना है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर मा0 प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर स्वच्छता ही सेवा श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। आगामी दिनों में जिले के सभी अस्पतालों, सरकारी कार्यालयों एवं सभी ग्राम पंचायतों में साफ-सफाई की जायेगी।

इस अभियान के माध्यम से विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता अपनाने हेतु जागरूक किया जायेगा। उन्होने सभी जनपद वासियों से अपील करते हुए कहा कि जिले को साफ-सुथरा रखने के लिए 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े से जुड़कर सभी जनपदवासी स्वयं को स्वच्छता के प्रति समर्पित करें और जनपद को स्वच्छ बनाने में अपनी महती भूमिका निभायें।

डीएम ने पोटरगंज जलभराव वाले स्थान का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान कराने के दिये निर्देश

निज संवाददाता

गोण्डा। रविवार को जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने पोर्टरगंज गोंडा-लखनऊ राज्य मार्ग पर हो रहे जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षा के दौरान पोटरगंज पंजाब नेशनल बैंक से लेकर गोल्डेनफेरी मैरिज गार्डन के बीच हो जलभराव के संबंध में क्षेत्रीय लेखपाल, तहसीलदार सदर, एक्सईएएन लोक निर्माण खंड-2, एई भूगर्भ जल विभाग सहित संबंधित अन्य अधिकारीगण मौके पर मौजूद रहे। साथ ही डीएम नेहा शर्मा ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि जलभराव वाले स्थान पर जल निकासी हेतु कार्य योजना तत्काल तैयार करके अवगत करायें।

इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि रोड के किनारे जितनी दूरी में जलभराव हो रहा है, वहां तक के लिए निकासी हेतु एक नाली का निर्माण कराया जाय, ताकि जलभराव वाले स्थानों को मुक्त किया जाय। और जनमानस के आवागमन में हो समस्याओं का समाधान हो सके। जिलाधिकारी ने सड़क के किनारे हो रहे जलभराव की स्थिति को पूरी गहनता से लेते हुए एक्सईएएन लोक निर्माण खंड-2 को निर्देश दिये हैं कि इसमें किसी प्रकार की कोई लापरवाही न की जाय।

निरीक्षण के दौरान नगर मजिस्ट्रेट चन्द्र शेखर, तहसीलदार सदर सत्यपाल सिंह, एई भूगर्भ जल विभाग, क्षेत्रीय लेखपाल तथा ग्राम प्रधान सहित सभी अधिकारीगण व लोग उपस्थित रहे।

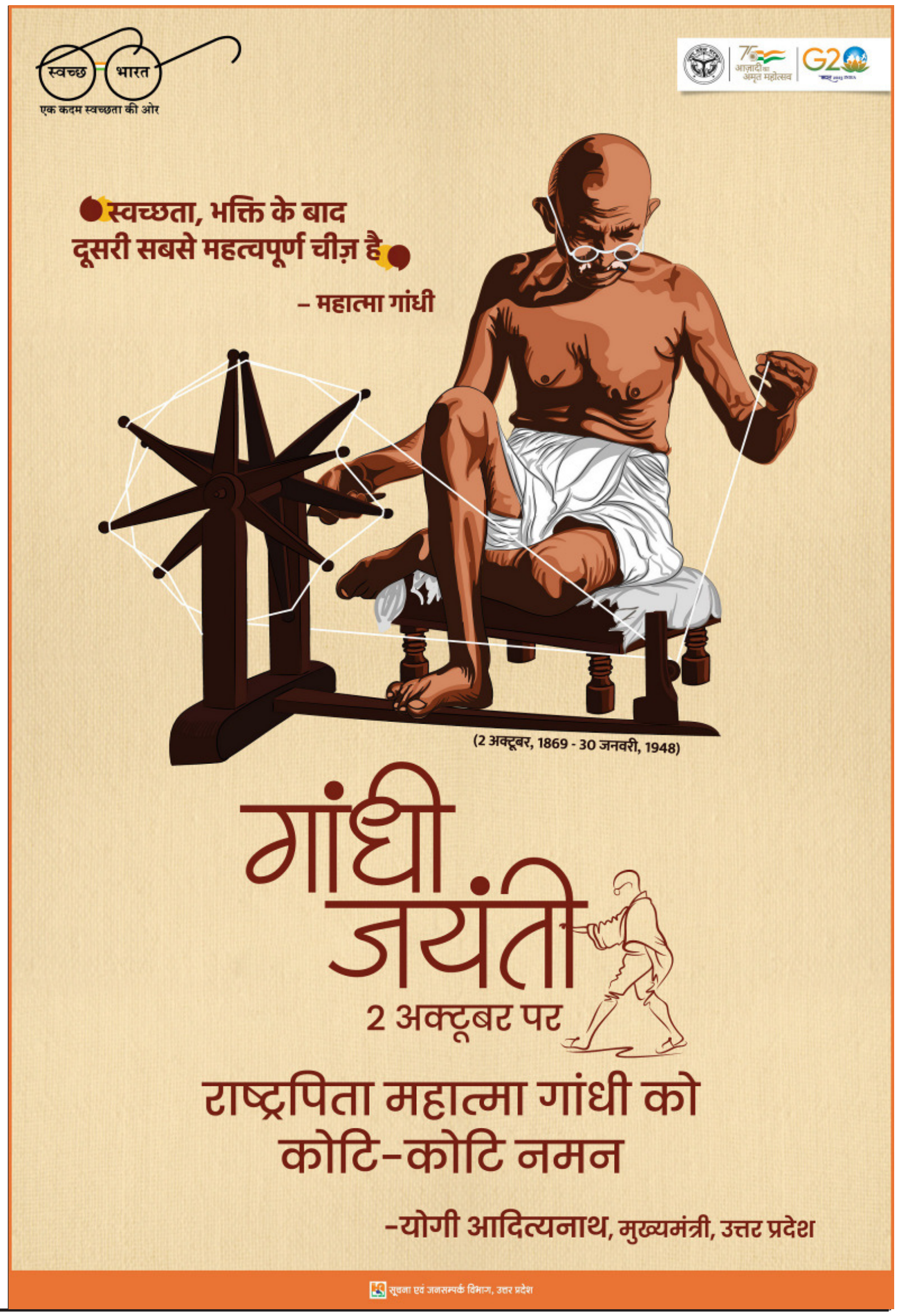

संक्षिप्त समाचार

दो दर्जन से अधिक पहलवानों ने आजमाये दांव

मिर्जापुर। क्षेत्र के भिलगौर शिवालयघाट गौरा परिसर में भादो पूर्णमासी दंगल समिति की ओर से शुक्रवार को कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। इस दौरान 51 हजार की कुश्ती अयोध्या के बजरंगी पहलवान व गोरखपुर के भीम के बीच हुई। कुश्ती दंगल में दो दर्जन से अधिक पहलवानों दांव आजमाये। करछना के जितेंद्र पहलवान ने मुगलसराय के अजय को पटखनी देकर इनाम अपने नाम किया। वाराणसी बीएलडब्ल्यू के पिंटू पहलवान ने चुनार के प्रदीप को चित किया। प्रयागराज के मुकेश ने प्रदीप को चित कर पांच हजार का इनाम जीता। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख सुमन सिंह, विशिष्ट एमएलसी श्याम नारायण सिंह व छानबे विधायक रिंकी कोल रहीं। संचालन प्रीतेश सिंह, साधु सिंह ने किया। निर्णायक राज बहादुर सिंह व प्रेम सिंह रहे। इस दौरान करमेश तिवारी, स्वामीनाथ सिंह, विरेंद्र तिवारी, प्रेम बहादुर सिंह, शिंपू सिंह, शुभम सिंह, रामू सिंह, कृष्ण कुमार, इंद्र कुमार सिंह, राजेंद्र पाठक, सुजीत मोदनवाल आदि मौजूद रहे।

बैठक से निकलने पर चक्कर आने पर गिरे डीपीआरओ हुए बेहोश

मिर्जापुर। शुक्रवार की शाम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक से बाहर निकलते ही अचानक चक्कर खाकर जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) बेहोश होकर गिर पड़े। डीपीआरओ के गिरते ही कलेक्ट्रेट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। बताया जाता है कि शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक चल रही थी। बैठक के दौरान ही जिला पंचायत राज अधिकारी कुर्रेद पाल चक्कर आ रहा था। बैठक समाप्त होने पर जैसे ही वे बाहर निकले, चक्कर खाकर गिर पड़े। डीपीआरओ के गिरते ही आसपास मौजूद अधिकारी, कर्मचारी दौड़ पड़े। डीपीआरओ का पूरा शरीर जल रहा था। तेज बुखार के बावजूद बैठक में शामिल रहे। मौके पर मौजूद अधिकारियों के सहयोग से उन्हें मंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जाता है कि जिला पंचायत राज अधिकारी पिछले तीन-चार दिनों से बुखार से पीड़ित ते। दो अक्तूबर की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में गए थे। जिला पंचायत राज अधिकारी का उपचार मंडलीय अस्पताल में चल रहा है।

कबड्डी प्रतियोगिता के लिए चयन ट्रायल दो को

मिर्जापुर। पंडित दीनदयाल जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला कबड्डी प्रतियोगिता चार से छह अक्तूबर तक जवाहर लाल नेहरू स्पोर्ट्स स्टेडियम देवीपाटन मंडल गोंडा में आयोजित होगा। यह जानकारी क्रीड़ा अधिकारी भानु प्रसाद ने दी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए स्पोर्ट्स स्टेडियम भिस्कुरी में जिला स्तरीय चयन ट्रायल दो अक्तूबर को सुबह नौ बजे और मंडल स्तरीय चयन ट्रायल दोपहर दो बजे होगा।

गैर इरादतन हत्या के मामले में दो गिरफ्तार

मिर्जापुर। संतनगर थाना क्षेत्र के तोलंगी गांव में बीते 24 सितंबर को विषाक्त के सेवन से विवाहिता की मौत के मामले में शुक्रवार को पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना क्षेत्र के तोलंगी निवासी अनुराधा की मौत 24 सितंबर को इलाज के दौरान प्रयागराज में हो गई थी। मृतका की मां मालती देवी निवासी खनवर मझारी की तहरीर पर सास चमेला देवी, पति रामधनी, जेठ रामलाल के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। थानाध्यक्ष समर बहादुर सरोज ने बताया कि सास चमेला देवी व पति रामधनी को शुक्रवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

पिंकी को नोटिस के खिलाफ सपा ने प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन

मिर्जापुर। ऑस्कर अवार्ड से बिच पटल पर छाने वाली स्माइल पिंकी के परिजनों को वन विभाग की तरफ से नोटिस जारी किए जाने के खिलाफ समाजवादी पार्टी ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिलाधिकारी कार्यालय में दो सूत्री मांग पत्र दिया। जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने आरोप लगाया कि वन विभाग नोटिस जारी कर स्माइल पिंकी का अपमान कर रहा है। इस्माइल पिंकी के गांव ढबही में दो दर्जन से अधिक लोगों का घर खाली करने का नोटिस जारी किया गया है। अहरौरा के सोनपुर गांव की एथलेटिक्स केएम चन्दा के पिता सत्यनारायण प्रजापति आवास के लिए अधिकारियों के यहां चक्कर लगा रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें आवास नहीं दिया गया तो पार्टी आंदोलन करेगी। उन्होंने अंतराष्ट्रीय एथलेटिक्स केएम चन्दा को आवास की सुविधा उपलब्ध कराने की भी मांग की। प्रदर्शन में अशोक यादव, रोहित शुक्ला, सुरेंद्र सिंह पटेल, संजय यादव, आदर्श यादव, सतीश मिश्रा, झल्लू यादव, अनीस खान, अंकुर सिंह, नागेन्द्र तिवारी, राहुल राय, विजय मौर्या आदि शामिल रहे।

सांड से टकराकर गिरे बाइक सवार की ट्रक से कुचलकर मौत

नोएडा। जीटी रोड पर हीरो मोटर्स कंपनी के सामने शुक्रवार को मुस्तफाबाद, दिल्ली निवासी राजमिस्त्री नसरुद्दीन की बाइक अचानक सामने आए सांड से टकरा गई। इससे वह सड़क पर गिर गया। तभी वहां से गुजर रहे ट्रक ने नसरुद्दीन को कुचल दिया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। हादसे के वक्त युवक ने हेलमेट लगा रखा था। पुलिस ने बताया कि नसरुद्दीन बुलंदशहर स्थित ससुराल से लौट रहा था। हीरो मोटर्स कंपनी के बाइक के सामने अचानक सांड आ गया। सांड से टकराकर वह बाइक समेत सड़क पर गिर गया। तभी वहां से गुजर रहे ट्रक ने उसे रौंद दिया। हादसे की सूचना परिजन को दे दी गई। पुलिस का कहना है कि परिजन की शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया जाएगा।

पांच सालों में तेजी से बढ़े हार्ट अटैक के मरीज, 21 साल के युवा भी हो रहे शिकार

नोएडा। विश्व हृदय दिवस पर शुक्रवार को शहर के अस्पतालों में कार्यक्रम के जरिए लोगों को जागरूक किया गया। इसमें ऐसे युवाओं को भी बुलाया गया, जिनको कम उम्र में हार्ट अटैक या ब्लॉकेज की परेशानी हुई। इन्होंने समय रहते संकेत को पहचाना और तुरंत डॉक्टर से संपर्क किया। चिकित्सकों का कहना है कि पांच सालों में हार्ट अटैक के मरीज तेजी से बढ़े हैं। फोर्टिस अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग के डायरेक्टर डॉ. संजीव गेरा ने कहा, हर महीने 15 से 20 युवा हृदय रोगियों का इलाज कर रहे हैं। हाल में ऐसे तीन युवाओं का इलाज किया गया, जिनकी उम्र 30 से 40 साल के बीच है। पहला मामला 21 साल के युवक का है। वह दो दिनों तक सीने में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल आए। जांच में धमनी में रुकावट मिली। एक अन्य मामला 42 वर्षीय मरीज का है। वह दो से तीन घंटों तक सीने में दर्द महसूस होने के बाद अस्पताल आए। तीसरा केस 43 वर्षीय मरीज का है, जिनके सीने में लगातार सात-आठ दिनों से दर्द था। उधर, सेक्टर-137 फेलिक्स अस्पताल में आयोजित वॉकथॉन में सोसाइटी के लोगों ने हिस्सा लेकर दिल को स्वस्थ रहने के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया। अस्पताल के चेयरमैन डॉ. डीके गुप्ता ने कहा, 30 से 40 साल के लोगों में हार्ट अटैक की शिकायत बढ़ रही है। कोविड-19 के बाद से ट्रेंड बदला है। अब 100 मरीजों में से आधे मरीज 30 से 50 वर्ष की आयु वाले पहुंच रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने चाइल्ड पीजीआई से मांगी बच्चे की रिपोर्ट

नोएडा। जिले में डेंगू से दूसरी मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने चाइल्ड पीजीआई से बच्चे की रिपोर्ट मांगी। वहीं, विभाग का कहना है कि बच्चा गाजियाबाद का रहने वाला था, इसलिए, गाजियाबाद के स्वास्थ्य विभाग को आसपास के क्षेत्र में एंटी लारवा दवा के छिड़काव के लिए कहा जाएगा। जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा ने बताया, जाइल्ड पीजीआई से बच्चे की रिपोर्ट मांगी गई है। जब बच्चा अस्पताल में भर्ती कराया गया, उस दौरान उसकी हालत गंभीर थी। इसी के साथ ही, 12 और मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई है। अब मरीजों की संख्या 558 हो गई है।

डेयरी संचालक ने टीम देख उखाड़ लिया मुख्य दरवाजा, टीम ने दोबारा लगा सील की

पानीपत। नगर निगम की टीम ने वार्ड तीन के सुधीर नगर में दो डेयरियों को शुक्रवार को दोपहर बाद सील कर दिया है। इन डेयरियों को सील करने के लिए निगम टीम दो दिन पहले बुधवार को भी मौके पर पहुंची थी। उस दौरान पशुओं को अंदर देख संचालक ने दो दिन का समय मांगा था। संचालक के लिखित आश्वासन पर निगम टीम ने दो दिन का अल्टीमेटम दिया था। शुक्रवार को निगम टीम फिर से डेयरी सील करने पहुंची। टीम की सूचना मिलते ही एक डेयरी संचालक ने अपनी डेयरी के मेन गेट को ही उखाड़ दिया। ऐसा इसलिए किया गया ताकि निगम टीम मेन गेट को सील ही न कर पाए। अब निगम टीम ने भी अपना जलवा दिखाते हुए पुन: उस गेट को दोबारा डेयरी पर लगवाया और डेयरी को सील कर इस पर ताला लगा दिया। हालांकि डेयरी को सील करने से पहले अधिकारियों ने डेयरी से सभी पशुओं को निकलवा दिया था।

बिजलीकर्मियों ने धरना देकर किया रोष प्रदर्शन

पानीपत। बिजली निगम के छाजपुर सब डिविजन कार्यालय पर बिजली कर्मचारियों ने मांगों को लेकर धरना देकर रोष प्रदर्शन किया है। बिजली यूनियन नेता कपूर चंद ने बताया कि केंद्रीय कमेटी के आदेशानुसार बिजली मंत्री के साथ बैठक की गई थी। जिसमें कर्मचारियों की मांगों को सरकार ने मानने से इंकार कर दिया है। इसके विरोध प्रदर्शन किया गया है। इसकी अध्यक्षता करते प्रधान कपूर चंद ने कहा कि सभी कर्मचारी मांगे न मानने पर आगे भी लगाता धरना जारी रखेंगे। मंच संचालन कर रहे संजय रावल ने कहा कि सरकार कर्मचारियों की मांगों को हल करने का कमेटी गठित करने की बात कह हल करने का झूठा आश्वासन देती आ रही है। कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इस दौरान यूनिट संगठनकर्ता रणदीप, सोमपाल, मदन व राजेश ने भी अपने विचार रखें।

रजबपुर हाईवे पर ई-रिक्शा और बाइक की भिड़ंत में दो की मौत, परिजनों पहुंचे तो मच गया कोहराम

अमरोहा। सीओ सिटी विजय कुमार राणा ने बताया कि तहरीर के आधार पर ई-रिक्शा चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उसकी तलाश की जा रही है। दोनों शवों का पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया गया है। रजबपुर हाईवे पर वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी के सामने ई-रिक्शा और बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत में पीलीभीत के रहने वाले मजदूर राजाराम (60) और राम सिंह की मौत हो गई।

दोनों हरियाणा से मजदूरी करके घर लौट रहे थे। पुलिस ने जांच के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ई-रिक्शा के चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। राजाराम और रामसिंह पीलीभीत जनपद के गांव मजराहीरपुर के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक मजदूर राजाराम के परिवार में पत्नी सोमवती के अलावा दो बेटे रामधार और गोरनलाल है। राम सिंह की पत्नी कमला देवी की मौत कई साल पहले हो चुकी है।

उनके परिवार में तीन बेटे परविंदर, वीरेंद्र और बलराम है। सभी लोग मेहनत मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करते हैं। राजाराम और राम सिंह दोनों हरियाणा में मजदूरी करते थे। शुक्रवार को दोनों बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे। उन्होंने हेलमेट भी लगा रखा था। शाम को करीब 8:30 बजे जैसे ही उनकी बाइक रजबपुर थानाक्षेत्र में वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी के सामने पहुंची। तभी गलत दिशा से आ रहे ई-रिक्शा से टक्कर हो गई। बाइक और ई-रिक्शा की भिड़ंत में राजाराम और रामसिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। थोड़ी देर में लोगों की भीड़ जमा हो गई।

पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने लोगों की मदद से दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। सीओ सिटी विजय कुमार राणा ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मामले में मृतक के बेटे की तहरीर पर ई-रिक्शा के अज्ञात चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

रोशनी से जगमग होगीं बरसत और ईदगाह रोड

पानीपत। रात के समय बरसत रोड और ईदगाह रोड को रोशन करने की निगम ने तैयारी कर ली है। इन दोनों रास्तों की खराब लाइटों की मरम्मत के लिए निगम ने अलग से टेंडर लगाया है। इस काम पर निगम करीब पौने तीन लाख रुपये खर्च करेगा। इस बजट से इन दोनों रास्तों पर स्ट्रीट लाइटों को चलाने वाली खस्ताहाल बिजली केबल को बदला जाएगा। जिसके बाद ही यहां की लाइटें दोबारा रोशन हो सकेंगी। बरसत रोड और ईदगाह रोड की केबल काफी खस्ताहाल हो चुकी थी। जो स्ट्रीट लाइटों की रिपेयरिंग के काम के दायरे में नहीं आती थी। दोनों रास्तों पर करीब 1200 से 1500 मीटर तक की केबल की जरूरत है। इसमें से 500 से 600 मीटर के करीब केबल ईदगाह रोड और 700 से 800 मीटर की केबल से बरसत रोड को कवर किया जाएगा। हम बता दें कि इससे अलग नगर निगम ने स्ट्रीट लाइटों की रिपेयरिंग के लिए टेंडर लगा रखा है। जिसमें करीब 72 लाख रुपये सालाना यानी करीब छह लाख रुपये प्रतिमाह की औसत से शहर की पुरानी और खराब लाइटों की मरम्मत की जानी है।

शहर में पुरानी और खराब स्ट्रीट लाइटों की बात की जाए तो अब तक करीब 30 प्रतिशत लाइटें खराब ही पड़ी हैं। जबकि स्ट्रीट लाइटों की रिपेयरिंग करने वाली हिसार की एजेंसी ने करीब सात माह पहले काम शुरू किया था। अब तक निगम की ओर से एजेंसी को सिर्फ एक माह का ही भुगतान किया गया है। इसलिए एजेंसी की ओर से काम में ढिलाई बरती जा रही है।

दुकान में युवक को काटने वाला कोबरा पकड़ा गया, युवक की हो गई थी मौत

प्रतापगढ़ । भूपियामऊ चौराहे पर अनुभव तिवारी की किराने की दुकान है। बृहस्पतिवार को डंगैता गांव निवासी नितिन सिंह (22) किराने की दुकान पर बैठा था। दुकान के अंदर बैठे जहरीले सर्प ने नितिन को काट लिया। हालत गंभीर होने पर परिजन उसे लेकर मेडिकल कॉलेज आने लगे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई थी। नगर कोतवाली के भूपियामऊ में दुकान में युवक को काटने वाले कोबरा को शुक्रवार को पकड़ लिया गया। कोबरा को देखने के लिए ग्रामीणों की काफी भीड़ जमा हो गई थी। दुकान के अंदर से सांप को जिंदा पकड़ा गया। काफी मशक्कत के बाद सांप को पकड़ा जा सका। भूपियामऊ चौराहे पर अनुभव तिवारी की किराने की दुकान है। बृहस्पतिवार को डंगैता गांव निवासी नितिन सिंह (22) किराने की दुकान पर बैठा था। दुकान के अंदर बैठे जहरीले सर्प ने नितिन को काट लिया।

भाजपा आईटी सेल के जिला संयोजक व उनके साथियों पर एफआईआर

अमरोहा। बीजेपी अमरोहा विधानसभा के मीडिया प्रभारी को धमकाने और गाली गलौज करने के मामले में पुलिस ने भाजपा आईटी सेल के जिला संयोजक मनीष दक्ष और उनके साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

मनीष दक्ष पर रास्ते में दीवार खड़ी करने का भी आरोप था। जिसे नगर पालिका की टीम ने ध्वस्त करा दिया है। अमरोहा के मोहल्ला मंडी चौब में रहने वाले धीरज खुराना भाजपा में विधानसभा अमरोहा के मीडिया प्रभारी हैं। जबकि मनीष दक्ष भाजपा आईटी सेल के जिला संयोजक हैं। धीरज खुराना अमरोहा नगर पालिका परिषद के ठेकेदार भी हैं। आरोप है कि नगर पालिका के द्वारा मोहल्ला किशनगढ़ में इमरत के मकान से राजू के मकान तक सीसी सड़क पर नाली निर्माण कार्य कराए जाने के लिए ठेका स्वीकृत हुआ था। आरोप है कि आईटी सेल के जिला संयोजक मनीष दक्ष व मोहल्ले के कुछ लोगों ने रातों-रात रास्ते में दीवार खड़ी कर दी। इसकी जानकारी नगर पालिका के अधिकारियों को हुई तो 26 सितंबर को जेसीबी से दीवार को गिरवा दिया गया। लेकिन जब सड़क का निर्माण करने के लिए धीरज खुराना कार्यस्थल पर पहुंचे तो मनीष दक्ष व गली के अन्य लोगों ने धमकाया। माहौल बिगड़ता देख धीरज खुराना वापस लौट आए।

आरोप है कि दोपहर 2 बजे मनीष दक्ष ने दीपक खुराना को फोन पर भी जान से मारने की धमकी दी थी। इस मामले में धीरज खुराना ने नगर कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में नगर पालिका की टीम ने रास्ते में खड़ी दीवार को ध्वस्त करा दिया। इस मामले में दोनों भाजपा नेताओं के बीच समझौते की चर्चा चल रही थी। सीओ सिटी विजय कुमार राणा ने बताया कि धीरज खुराना की तहरीर पर मनीष दक्ष और उनके साथियों के खिलाफ गाली गलौज और धमकी के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है।

बुखार में आयुर्वेद दवाएं दे रहीं लाभ

शाहजहांपुर। शरीर में होने वाले नुकसान को देखते हुए मरीज आयुर्वेदिक दवाओं का रुख करने लगे हैं। यही कारण है कि पुराने जिला अस्पताल स्थित आयुर्वेदिक अस्पताल में प्रतिदिन 50 से अधिक बुखार के मरीज पहुंच रहे हैं। दवा खाकर मरीजों को एक सप्ताह या उससे भी कम समय में स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है। वायरल बुखार के साथ मलेरिया के मरीज 320 से अधिक सामने आ चुके हैं। इसी तरह डेंगू के 42 मरीज सरकारी आंकड़ों में दर्ज हैं। लगातार बढ़ते मरीजों के चलते राजकीय मेडिकल कॉलेज से लेकर पीएचसी-सीएचसी में काफी भीड़ उमड़ने से दवा तक मिलना मुश्किल हो रहा। वहीं अंग्रेजी दवाओं के साइड इफेक्ट भी सामने आ रहे हैं। यही कारण है कि लोग आयुर्वेदिक दवाओं की ओर रुख कर रहे हैं। सीएमओ कार्यालय के सामने स्थित आयुर्वेदिक अस्पताल में पिछले दो माह से प्रतिदिन 150 से अधिक मरीज ओपीडी में आ रहे हैं।

पुल खुमरान से चिलकाना की तरफ दो किमी सड़क होगी चकाचक

सहारनपुर। वर्षों से जर्जर पड़ी पुल खुमरान से चिलकाना की तरफ दो किलोमीटर तक की सड़क जल्द ही स्मार्ट रोड में तब्दील होने जा रही है। करीब दो किलोमीटर की सड़क पर काम शुरू हो गया है। सड़क पर डिवाइडर के साथ ही फुटपाथ भी दिया जाएगा। कुछ जगहों पर विद्युत लाइन को भूमिगत किया जा रहा है। अगले दो महीने में कार्य पूर्ण हो जाएगा। स्मार्ट सिटी योजना के तहत महानगर में 23 किलोमीटर की सड़कों को स्मार्ट रोड के रूप में विकसित किया जाना है। इनमें से कुछ सड़कों पर काम पूर्ण हो चुका है, जिनमें रेलवे रोड, घंटाघर से कोर्ट रोड पुल तक की सड़क और जीपीओ रोड शामिल हैं। अन्य सड़कों पर काम चल रहा है। अब पुल खुमरान से चिलकाना की तरफ दो किलोमीटर तक की सड़क को स्मार्ट रोड के रूप में विकसित करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। यह सड़क करीब दो किलोमीटर की रहेगी। इसका कार्य शुरू हो चुका है, जिसमें सड़क को चौड़ा किया जा रहा है। हॉट मिक्स मशीन से सड़क तैयार की जा रही है। पुल खुमरान से मंडी समिति रोड तिराहे तक की सड़क को दूसरे चरण में बनाया जाएगा। सड़क बनने से स्थानीय लोग बेहद खुश हैं। क्योंकि पुल खुमरान से मंडी समिति रोड तिराहे तक सड़क पूरी तरह टूटी हुई है। कई साल से लोग सड़क के बनने का इंतजार कर रहे हैं। महानगर में 23 किलोमीटर की स्मार्ट सड़कों पर कुल 127 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सड़कों का निर्माण आरसीसी, पीडब्ल्यूडी सहित कई फर्म कर रही हैं। इनमें घंटाघर के आसपास की सड़कों को पूरी तरह स्मार्ट बनाया जा रहा है, जिनमें पूरी सड़क पर विद्युत लाइन को भूमिगत किया जा रहा है, जबकि अन्य स्मार्ट रोड पर तिराहों और चौराहों पर विद्युत लाइन को भूमिगत किया जा रहा है। खास बात यह है कि स्मार्ट रोड के लिए ट्रांसफार्मर भी नए जमाने के आए हैं, जो बॉक्स टाइप है।

जीटी रोड पर वाहनों के कुचलने से एक व्यक्ति की मौत

पानीपत। निरंकारी सत्संग भवन में काम करने के लिए बिहार से आए एक व्यक्ति की सड़क हादसे में मौत हो गई। जीटी रोड से गुजरते वाहनों ने शव को कुचल दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस को दी शिकायत में कौशल मांझी निवासी मरहर गांव, बिहार ने बताया कि उसके पिता राजेंद्र 27 सितंबर को निरंकारी सत्संग भोड़वाल माजरी में काम करने के लिए आए थे। उसके पिता स्वाद इंडिया ढाबा के पास जीटी रोड पार कर रहे थे। इसी दौरान दिल्ली की तरफ जा रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी और पीछे से आ रहे वाहनों ने भी उन्हें कुचल दिया। हादसे में उसके पिता की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को शवगृह में रखवा और शिनाख्त के बाद पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने बताया कि केस दर्ज कर लिया है।

हत्या के मामले में जेल में बंद आरोपी ने साथी से मंगवाया था फोन

पानीपत। जिला जेल में अगस्त 2022 में चेकिंग के दौरान मिले मोबाइल फोन मामले में पुलिस दूसरे आरोपी को भिवानी जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर आई है। पूछताछ में बताया कि वह सिवाह जेल में हत्या के मामले में बंद था। उसने अपने साथी आरोपी से मोबाइल फोन मंगवाया था। जबकि इस मामले में पहले ही गिरफ्तार हो चुके आरोपी ने सिम मंगवाया था। गहनता से पूछताछ करने के लिए पुलिस ने उसको दो दिन के पुलिस रिमांड पर हासिल किया।

सीआईए-3 प्रभारी इंस्पेक्टर अंकित ने बताया कि अगस्त 2022 में पानीपत जिला जेल की उप अधीक्षक गीता रानी ने जेल में चेकिंग के दौरान मोबाइल फोन मिलने के मामले में थाना सेक्टर 29 में शिकायत देकर मुकदमा दर्ज करवाया था। शिकायत में उन्होंने बताया था कि चार अगस्त 2022 को दोपहर बाद तीन बजे तलाशी के दौरान ब्लॉक नंबर एक के बाहर कचौदा कंपनी का एक फोन बैटरी व सिम कार्ड सहित मिला। फोन पर आईएमईआई नंबर भी अंकित था। जिसकी जांच करते हुए पुलिस ने 16 सितंबर को महफूज उर्फ फौजी निवासी बुढा खेड़ा सहारनपुर यूपी को कैराना यूपी से गिरफ्तार किया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने जेल में बंदी के दौरान बंदी सुनील उर्फ शास्त्री निवासी गोयला कलां झज्जर के साथ मिलकर उक्त मोबाइल फोन प्रयोग करने की वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा था। आरोपी महफूज उर्फ फोजी आईपीसी की धारा 363,366 के एक मामले में व आरोपी सुनील उर्फ शास्त्री हत्या के मामले में पानीपत जेल में बंद था। आरोपी महफूज वर्ष 2022 में बेल पर जेल से बाहर आया था। आरोपी सुनील उर्फ शास्त्री को अक्तूबर 2022 में पानीपत जेल से भिवानी जेल में शिफ्ट कर दिया गया था।

डीजी सेट -उद्योगों और सोसाइटियों को मामूली राहत

नोएडा। एक अक्तूबर से ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) लागू किया जा रहा है। इसमें 31 दिसंबर तक डीजी सेट पर लगने वाले प्रतिबंध में थोड़ी राहत दी गई है हालांकि यह उद्यमियों व सोसाइटी निवासियों के लिए नाकाफी है। उद्यमियों को डीजी सेट में डुअल तकनीकी से थोड़ी राहत देते हुए डीजी सेट चलाने की अनुमति तो मिली है। लेकिन यह राहत केवल एक श्रेणी में दी गई है। इसे 800 किलोवाट और उससे ऊपर के डीजी सेट पर लागू किया गया है। जबकि 125 से 800 किलोवाट के डीजी सेट के लिए डुअल फ्यूल मोड का होना जरूरी है। इसके अलावा पंजीकृत वेंडर के माध्यम से इसके विकल्प की भी सुविधा दी गई है। वहीं 19 किलोवाट से 125 किलोवाट तक के डीजी सेट में अनिवार्य रूप से अुअल फ्यूल मोड होना जरूरी है। नोएडा आंत्रप्रिन्योर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन मल्हन ने कहा कि उद्यमियों ने डीजी सेट में डुअल फ्यूल मोड की सुविधा के लिए संबंधित विभागों में आवेदन किया है। लेकिन कहीं किट मिलने में देरी हो रही है तो कहीं आईजीएल, बिजली विभाग का सहयोग नहीं मिलने से देरी हो रही है। इसी तरह से सोसाइटियों के निवासी भी लिफ्ट और एस्केलेटर आदि के लिए डीजी सेट चलाने पर मिली छूट से खुश हैं। लेकिन उनका कहना है कि कई सोसाइटियों में ऐसा कनेक्शन नहीं है कि डीजी सेट केवल लिफ्ट के लिए चलाया जाए। यही हाल वाणिज्यिक दुकानों का है। ऐसे में जब डीजी सेट चलेगा तो उससे पूरी सोसाइटी या फिर वाणिज्यिक संस्थान उसका उपयोग करेगा। इसके लिए अलग से कनेक्शन आदि कराना भी टेढ़ी खीर है। नेफोवा के अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि लिफ्ट के लिए सहूलियत मिलने पर लोग खुश हैं। लेकिन केवल इसके लिए कनेक्शन आदि में मुश्किल होगी। यही नहीं 31 दिसंबर तक अपनी व्यवस्था भी करनी होगी। लिहाजा इसमें भी आगे चलकर मुश्किलें आएंगी। एक अन्य सोसाइटी के निवासी अरुण मित्तल बताते हैं कि यह कवायद हर साल की जाती है।

शहर से लेकर गांव तक होगी फॉगिंग, छिड़काव

प्रतापगढ़। डेंगू, मलेरिया, वायरल बुखार का प्रकोप न बढ़े इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ अब ब्लॉक व नगर पंचायत के कर्मचारी फॉगिंग व एंटी लार्वा दवाओं का छिड़काव करेंगे। शुक्रवार को सीएमओ की ओर से बैठक के बाद जिला मलेरिया विभाग की टीम ने रोस्टर बना दिया है। जिला मलेरिया अधिकारी एके दुबे, निरीक्षक संतोष कुमार, सीएमओ डॉ जीएम शुक्ला ने लालगंज, पट्टी, कुंडा, रानीगंज सहित दस प्रमुख सीएचसी के अधीक्षकों के साथ जूम पर संवाद कर फॉगिंग व दवाओं के छिड़काव का रोस्टर बनाया। सप्ताह के पहले सोमवार व अंतिम शनिवार को टीम गठित कर शहर से गांव तक फॉगिंग होगी। घनी बस्ती में कूड़े के ढ़ेर, जलभराव वाले स्थानों पर एंटी लार्वा दवाओं का छिड़काव किया जाएगा। सभी कामकाज करेनी वाली टीम के सदस्य मौके पर ही अपने मोबाइल से फोटो जिला मलेरिया अधिकारी को प्रेषित करेंगे। इस कामकाज में नगर पंचायत, ब्लॉक के कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है।

वीआईपी नंबरों के शौकीन-वाहनों की नई सीरिज में जोड़े के अक्षरों और छोटे नंबरों को लेकर लगा रहे बड़ी बोली

पानीपत। पानीपत एसडीएम कार्यालय के अंतर्गत वाहनों की नई सीरीज एचआर06बीई शुक्रवार को शुरू हुई। इस कड़ी में बड़ी गाड़ी लेने के साथ छोटा व जोड़े के अक्षरों के नंबर में अलग पहचान दिखाने के लिए लोग लाखों रुपये खर्च कर रहे हैं। राघव ने बताया कि 7777 नंबर उसकी पहली पसंद है। वह कई दिन से इस नंबर को लेने का इंतजार कर रहा था। पानीपत में वाहनों की नई सीरिज में जोड़े के अक्षरों और छोटे नंबरों को लेकर बड़ी (ऊंची) बोली लगी। जोड़े में 7777 नंबर की सबसे ऊंची 2.50 लाख और 1111 नंबर की 2.15 लाख रुपये की दूसरे नंबर की बोली रही। इन नंबरों को लेकर एसडीएम कार्यालय में सुबह से शाम तक गहमा-गहमी रही। आम लोगों के साथ खास लाइन में लगे रहे। इन सबके बीच दलाल इन सब पर भारी रहे। दलाल वाहन चालकों के नाम पर कई नंबर लेने में कामयाब भी रहे।

करीब 20 नंबरों को लिस्ट में शामिल किया गया

पानीपत एसडीएम कार्यालय के अंतर्गत वाहनों की नई सीरीज एचआर06बीई शुक्रवार को शुरू हुई। इसमें विशेष मांग के नंबरों की खुली बोली एसडीएम मनदीप सिंह की देखरेख में की गई। करीब 20 नंबरों को इसमें शामिल किया गया। इसके बाद शाम तक इनके कागज पूरे किए गए। नई सीरीज के अनुसार 7777 नंबर राघव ने 2.50 लाख, 1111 नंबर राजकुमार ने 2.15 लाख और 9999 नंबर पंकज ने 1.75 लाख रुपये में लिया। 8888 नंबर की नीलामी 73 हजार, 1000 नंबर 1.90 लाख, 1008 नंबर 47 हजार, 3333 नंबर 90 हजार, 2222 नंबर 87 हजार, 4444 नंबर 90 हजार, 0777 नंबर 57 हजार, 0101 नंबर 35 हजार, 1313 नंबर 52 हजार, 5555 नंबर 86 हजार, 6666 नंबर 58 हजार, 8055 नंबर 22 हजार, 2200 नंबर 25 हजार, 9000 नंबर 70 हजार व 5005 नंबर की बोली 23 हजार में गई। इनका आधारित मूल्य 50 हजार रुपये था।

अलग पहचान को लेकर लाखों खर्च

बड़ी गाड़ी लेने के साथ छोटा व जोड़े के अक्षरों के नंबर में अलग पहचान दिखाने के लिए लोग लाखों रुपये खर्च कर रहे हैं। राघव ने बताया कि 7777 नंबर उसकी पहली पसंद है। वह कई दिन से इस नंबर को लेने का इंतजार कर रहा था। उसने 50 हजार रुपये की राशि जमा कराकर आवेदन किया। उसके सामने बोलीदाता आने पर उसको नंबर लेने के लिए ऊंची बोली लगाई। राजकुमार ने बताया कि 1111 नंबर दूर से ही वीआईपी लुक देता है और दूसरे लोगों में गाड़ी से ज्यादा उसका नंबर प्रभावित करता है। उसने इन सबके चलते नंबर के लिए ऊंची बोली लगाई। पंकज ने बताया कि 9999 नंबर के लिए 1.75 लाख की बोली लगाई है।

सौ दिन में 10 हजार वाहन रजिस्टर्ड

पानीपत में नए वाहनों का रजिस्ट्रेशन तेजी से हो रहा है। एक मई को एचआर06बीडी नंबर की सीरिज शुरू की थी। बीते दिनों में एसडीएम कार्यालय में 9725 वाहनों का रजिस्ट्रेशन किया गया।

चौपाल में हंगामे के बीच अधिकारियों ने सुनीं समस्याएं

मिर्जापुर। विभिन्न ग्राम पंचायतों में शुक्रवार को आयोजित ग्राम चौपाल हंगामे के बीच लोगों की समस्याओं की सुनवाई की गई। कहीं हैंडपंप के मरम्मत के भुगतान को लेकर तो कहीं पर मनरेगा के तहत कराए गए कार्य के बदले पारिश्रमिक का भुगतान नहीं किए जाने से नाराज ग्रामीणों और श्रमिकों ने हंगामा किकया। सिटी विकास खंड में मंडलायुक्त के प्राथमिकता वाले करनपुर गांव में संयुक्त विकास आयुक्त सुरेश चंद्र मिश्र ने ग्रामीणों की समस्याओं की सुनवाई की। चौपाल में हैंडपंप की मरम्मत का मुद्दा छाया रहा। हैंडपंप के मरम्मत के बावजूद भुगतान नहीं होने पर ग्रामीणों ने हंगामा किया। ग्रामीणों का कहना था कि चंदे के पैसे हैंडपंप की मरम्मत करानी पड़ रही है। इस पर संयुक्त विकास आयुक्त ने ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव से मामले में पूछताछ की।

उन्होंने आवास निर्माण के कार्य के बारे में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि व पंचायत सचिव को जानकारी नहीं होने पर संयुक्त विकास आयुक्त ने नाराजगी जताते हुई फटकार लगाई। चौपाल में आवास, शौचालय, आंगनबाड़ी केंद्र में मिलने वाले राशन का मुद्दा छाया रहा। चौपाल में खंड विकास अधिकारी शरद कुमार सिंह, एडीओ कोऑपरेटिव अवनीश यादव आदि मौजूद रहे।

इसी तरह नकहरा में आयोजित चौपाल में अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं की सुनवाई की। कछवां, केवटाबीर में आयोजित ग्राम चौपाल में मनरेगा के पारिश्रमिक का भुगतान नहीं होने से नाराज श्रमिकों ने नारेबाजी करते हुए चौपाल का बहिष्कार किया। सोनी, ज्योति, राजकुमारी, पार्वती देवी, निर्मला, संगीता, बिट्टन, शांति और मनोरमा आदि ने आरोप लगाया कि दो साल पहले मिट्टी का कार्य किए जाने के बावजूद आज तक भुगतान नहीं किया गया। इससे परिवार का गुजर-बसर मुश्किल हो गया है। उधर, हंगामे की सूचना पर पहुंचे ज्वाइंट बीडीओ अनिल कुमार राय एवं ब्लॉक प्रमुख दिलीप कुमार सिंह ने अगले चौपाल तक सभी के पारिश्रमिक के भुगतान का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। गांव निवासी अनिल कुमार ने पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र न मिलने व सिंकू सिंह, रामराज, जितेंद्र कुमार, आशीष कुमार अंशु आदि ने पंचायत भवन के सुदृढ़ीकरण का मुद्दा उठाया। ग्राम प्रधान इसरावती देवी, पंचायत सचिव अर्चना सिंह, भरत नाथ आदि मौजूद रहे। हलिया के गुर्गी व बसुहरा में भी चौपाल का आयोजन किया गया। गुर्गी में एडीओ सहकारिता धर्मेंद्र निषाद ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान पेंशन, रिबोर, राशनकार्ड, आवास व शौचालय आदि का मुद्दा उठाया गया। बसुहरा में एडीओ एसटी मनोहर लाल की मौजूदगी में आयोजित चौपाल में ग्रामीणों ने आवास, शौचालय, पेंशन, राशनकार्ड आदि की मांगें रखी। इस दौरान सचिव कौशलेंद्र राय, चंद्रप्रकाश श्रीवास्तव, ग्राम प्रधान रामाश्रय बिंद आदि मौजूद रहे। विकास खंड जमालपुर के ग्राम पंचायत विसौरा कला एवं डूही कला खुर्द स्थित पंचायत भवन में बीडीओ मुनीश सिंह ने ग्रामीणों की समस्याओं की सुनवाई की। संजू बियार, लखपति बियार, छोटई बियार ने गांव में जल निकासी का मामला उठाया। विनय कुमार ने गांव के डीह बाबा मंदिर पर लगे हैंडपंप को रीबोर कराने की मांग की।

डूही गांव में आयोजित चौपाल के दौरान रामजतन, छन्नू, बंशी, भग्गो देवी, रमेश ने मनरेगा के तहत काम नहीं मिलने और भुगतान समय से नहीं होने की शिकायत की। इस दौरान ग्राम प्रधान राजेंद्र यादव, बलिराम सिंह, सचिव आशुतोष यादव, योगेश कुमार सिंह पटेल आदि मौजूद रहे। लालगंज विकास खंड के तुलसी व धसड़ा में आयोजित चौपाल में खंड विकास अधिकारी संजय श्रीवास्तव ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। चौपाल में आए 10 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया। उन्होंने ग्रामीणों को आवास के नाम पर किसी बिचौलिए के चक्कर में न पड़ने की सलाह दी। ग्राम प्रधान शांति देवी ,अमरेश दुबे, रामबली गुप्ता आदि मौजूद रहे। सीखड़ के विट्ठलपुर ग्राम सभा में एडीओ पंचायत प्रदीप कुमार सिंह ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने छह यूनिट से ज्यादा पात्र गृहस्थी के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित किया। चौपाल में वृद्धा व विधवा पेंशन का मामला उठाया गया। ग्राम प्रधान मनोज त्रिपाठी, सचिव केके सिंह, उमाशंकर आदि मौजूद रहे। विकास खंड छानबे के ग्राम पंचायत बघरा तिवारी एवं देवरी में अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं की सुनवाई की। एडीओ समाज कल्याण प्रेमचंद पटेल ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी। एडीओ श्याम कुमार सिंह ने समूह गठन के बारे में महिलाओं को बताया। इस दौरान सचिव अखिलेश कुमार दुबे, बृजेश सिंह आदि मौजूद रहे।

नोएडा एयरपोर्ट परिसर में देश के सबसे बड़े कॉर्गो हब का भूमिपूजन

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एयरपोर्ट परिसर में शुक्रवार को 80 एकड़ में प्रस्तावित कार्गो हब का भूमिपूजन हुआ। एयर इंडिया और सैट्स के ज्वॉइंट वेंचर एयर इंडिया सैट्स (एआईएसएटीएस) अत्याधुनिक मल्टी-मॉडल कार्गो हब का निर्माण करेगी। कंपनी ने फरवरी में निवेश सम्मेलन में पांच हजार करोड़ रुपये का एमओयू किया था। कंपनी पहले चरण में 1200 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसमें से अभी तक 456 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके है। कार्गो हब से पश्चिमी यूपी समेत परे प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा हवाई अड्डा जेवर में निर्माणाधिन है। चार चरणों में 6200 हेक्टेयर में इसका निर्माण किया जाएगा। जिस पर 29650 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) और स्विस कंपनी ज्यूरिख इंटरनेशनल एयरपोर्ट एजी बना रही है। पीपीपी मॉडल पर बनाने वाली कंपनी को 40 साल तक संचालन की बागडोर दी गई है। एयरपोर्ट से सितंबर 2024 में उड़ान शुरू हो जाएंगी। पहले चरण में 1334 हेक्टेयर पर एक रनवे बनाकर संचालन किया जाएगा। इस पर करीब 4500 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसी चरण में 80 एकड़ पर सामान का आयात-निर्यात करने के लिए कार्गो हब बनाया जाना प्रस्तावित है। फरवरी में सरकार के साथ हुए करार के बाद एयर इंडिया और सैट्स के ज्वॉइंट वेंचर की ओर से शुक्रवार को नोएडा एयरपोर्ट परिसर में परियोजना का भूमि पूजन करते हुए काम शुरू करा दिया गया। कार्गो हब बनने से पश्चिमी यूपी से उगने वाला अनाज, सब्जी और अन्य सामान विदेशों तक पहुंचाना आसान हो सकेगा। इसी तरह यदि भारत में किसी वस्तु को आयात करना हो तो वह भी आसान हो जाएगी। भूमि पूजन में एआई सैट्स, वाईआईएपीएल और टाटा प्रोजेक्ट्स के शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया।

मल्टीमॉडल एयर कार्गो सेंटर बनेगा

एयरपोर्ट उत्तर भारत का मुख्य कार्गो द्वार बनेगा। परियोजना में 80 एकड़ में मल्टीमॉडल एयर कार्गो विकसित किया जाएगा। यहां परिवहन के विभिन्न सार्वजनिक और निजी माध्यमों के बीच सुगम कनेक्टिविटी मिलेगी। एयरपोर्ट के लिए इंटीग्रेटेड, रेल, बस, और मेट्रो कनेक्टिविटी के लिए प्रावधान है।

संक्षिप्त समाचार

ग्रामवासियों को सूची पढ़कर सुनाने के लिए 09 अक्टूबर को भरथापुर पहुंचेगी सर्वे टीम

बहराइच । उप जिलाधिकारी मिहींपुरवा (मोतीपुर) संजय कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी मोनिका रानी के निर्देश पर ग्राम भरथापुर के हितग्राहियों के स्वैच्छिक विस्थापन अन्तर्गत गठित सर्वे टीम द्वारा सर्वे कार्य पूर्ण कर लिया गया है। श्री कुमार ने बताया कि 09 अक्टूबर 2023 को पात्रता निर्धारण समिति व सर्वे दल की मौजूदगी में ग्राम भरथापुर में ग्रामवासियों व जनसामान्य के मध्य पढ़कर सुनाया जायेगा। श्री कुमार ने बताया कि हल्का लेखपाल व राजस्व निरीक्षक को निर्देश दिया गया है 01 अक्टूबर 2023 को ग्राम भरथापुर में जाकर 09 अक्टूबर की सूचना ग्रामवासियों/हिताधिकारियों को दी जायेगी। उप जिलाधिकारी ने बताया कि 09 अक्टूबर को ग्रामवासियों के मध्य सर्वे सूची पढ़े जाने के उपरान्त 01 सप्ताह में सूची के सन्दर्भ में आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी तथा प्राप्त हुई आपत्तियों का पात्रता निर्धारण समिति द्वारा निस्तारण किये जाने के उपरान्त अग्रेतर कार्यवाही हेतु रिपोर्ट जिला स्तरीय समिति के समक्ष प्रेषित कर दी जायेगी।

खो-खो प्रतियोगिता में बुढेड़ा कॉलेज की टीम बनी विजेता

बदायूं। श्री नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज बुढेड़ा में शनिवार को दो दिवसीय क्षेत्रीय खो-खो क्रीड़ा प्रतियोगिता हुई। प्रथम दिन बुढेड़ा इंटर कॉलेज के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। इस दौरान बुढेड़ा कॉलेज की टीम ने गांधी इंटर कॉलेज को तीन अंकों से हराया। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रधानाचार्य चौधरी कृष्णपाल सिंह व बली मेवला इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य नवाब सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य चौधरी कृष्णपाल सिंह ने कहा कि ग्रामीण अंचल की खेल प्रतिभाएं अपने खेल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करें। सीनियर बालिका वर्ग के उद्घाटन मुकाबला में बुढेड़ा कॉलेज की टीम ने गाधी इंटर कॉलेज की टीम को तीन अंकों से हराया। बालक वर्ग में बुढेड़ा कॉलेज की टीम ने बली मेवला कॉलेज की टीम को सात अंकों से हराया। जूनियर बालिका वर्ग में बुढेड़ा कॉलेज की टीम ने गाधी इंटर कॉलेज की टीम को चार अंकों से पराजित किया। बालक वर्ग में टटीरी इंटर कॉलेज की टीम ने गाधी इंटर कॉलेज की टीम को पांच अंकों से हराया। रेफरी आकाश चौधरी, अमित कुमार, संजीव शर्मा, मांगेराम, नरेश कुमार रहे। प्रतियोगिता में प्रवीन उर्फ कालू प्रधान, कृष्णपाल प्रधान, मनोज शर्मा, प्रदीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

बकायेदारों के कनेक्शन काटे, जांच को पहुंचे अधिशासी अभियंता

बड़ौत। ऊर्जा निगम की टीम ने शनिवार को नगर में ताबड़तोड छापेमारी कर 40 से अधिक बकायादारों के कनेक्शन काटे और 20 लाख रुपये की राजस्व वसूली की। ऊर्जा निगम द्वारा जिलेभर में बकायेदारों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। 10 हजार से अधिक के बकायेदारों के कनेक्शन विच्छेद किये जा रहे हैं। इससे उपभोक्ताओं में अफरा-तफरी मची हुई है। शनिवार को एक्सईएन द्वितीय केपी पुरी के निर्देशन में जगह-जगह अभियान चलाया गया। टीम ने अभियान चलाते हुए 40 बकाएदारों के कनेक्शन विच्छेद करते हुए 20 लाख रुपये की वसूली भी की। टीम द्वारा अपना कार्य ठीक से किया भी जा रहा है या नहीं, इस बात की जांच करने के लिए एक्सईएन द्वितीय केपी पुरी ने मुआयना भी किया। उन्होंने टीम द्वारा कनेक्शन विच्छेद की जानकारी ली। साथ ही मौके पर जाकर उन्होंने काटे गए एक-एक कनेक्शन की जांच की। साथ ही एसडीओ, अवर अभियंता को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ऊर्जा निगम द्वारा चलाये गए इस अभियान से उपभोक्ताओं में अफरा-तफरी मची रही।

शूटिंग बॉल प्रतियोगिता में डाबरा की टीम बनी विजेता

बदायूं। कंडेरा गांव में आयोजित शूटिंग बॉल प्रतियोगिता में कई गांवों की टीमों ने भाग लिया। फाइनल डाबरा व ढिकाना गांव की टीमों के बीच हुआ, जिसमें डाबरा की टीम विजेता बनी। विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कंडेरा गांव में स्वर्गीय सम्राट मेमोरियल शूटिंग बॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ समाजसेवी योगेन्द्र सिंह ने फीता काटकर किया। उन्होंने खिलाड़ियों को खेलों में कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में आसपास के 29 गांवों की टीमों ने प्रतिभाग किया। पहले सेमीफाइनल में डाबरा गांव की टीम ने गांगनौली गांव की टीम को हराकर फाइनल में प्रवेश किया तो दूसरे सेमीफाइनल में ढिकाना की टीम ने खरड गांव की टीम को हराया। फाइनल मुकाबले में शनिवार को ढिकाना और डाबरा गांव की टीमों के बीच भिड़ंत हुई। इसमें डाबरा गांव की टीम ने जीत दर्ज की। इस मौके पर सुधीर मास्टर, वीरपाल ठेकेदार, ओमप्रकाश, राजू, धर्मेन्द्र, सचिन, अंकुर, उज्ज्वल मौजूद रहे।

साढ़े पांच घंटे बाधित रहेगी कार्यशाला उपकेंद्र की बिजली

बदायूं। विद्युत निगम के अधिशासी अभियंता हरीश कुमार ने बताया कि एक अक्तूबर को शहर के कार्यशाला उपकेंद्र की बिजली साढ़े पांच घंटे बाधित रहेगी। रविवार को सुबह 10~30 बजे से कार्याशाला उपकेंद्र पर वीसीबी (वैक्यूम सर्किट ब्रेकर) बदले जाएंगे। इस दौरान 11 केवीए फीडर टाउन-3 आवास विकास, संतोष सिंह तिराहा, मधुवन कॉलोनी, आदर्श नगर और 11 केवीए फीडर मंडी से जुड़े नगला शर्की, नरऊ, महर्षि स्कूल के पास, बाबा कॉलोनी, सुंदरनगर और बुध विहार आदि क्षेत्रों में सुबह 10~30 बसे से 4~00 बजे तक बिजली ठप रहेगी।

घर के बाहर बंधी भैंसों को भाला मारा, पिता-पुत्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बदायूं। कोतवाली क्षेत्र के गांव सिलहरी में मामूली बात पर एक भैंस और पड़िया को भाला मारकर लहूलुहान कर दिया गया। बचाने आए परिवार वालों के साथ भी गाली-गलौज की और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। भैंस मालिक महिला ने आरोपी पिता-पुत्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। ग्राम सिलहरी निवासी सीमा पत्नी सत्यपाल के मुताबिक मामला 28 सितंबर सुबह करीब आठ बजे का है। उस दौरान उसकी एक भैंस और एक पड़िया (भैंस का बच्चा) घर के बाहर बंधे हुए थे। तभी उसके गांव के रक्षपाल की एक भैंस और एक पड़िया किसी तरह खूंटे से खुलकर आ गई और सीमा की भैंस से भिड़ गई। इसी दौरान रक्षपाल भी आ गया। उसका बेटा उदयवीर भाला ले आया। पिता-पुत्र ने उसकी भैंस और पड़िया पर भाले से हमला कर दिया। दोनों के शरीर पर कई जगह भाला मारा, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सीमा और उसके परिवार वालों ने भैंसों को बचाने की कोशिश की। इस पर आरोपियों ने उनके साथ भी गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। सीमा सहसवान कोतवाली पहुंची और दोनों आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी, पुलिस ने दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अतरौली के 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय में नहीं आपातकाल सेवाएं

अलीगढ़। अतरौली विधानसभा क्षेत्र से संदीप सिंह भाजपा के विधायक और राज्य मंत्री हैं। ये पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह की विधानसभा का प्रमुख सरकारी अस्पताल है। आपातकाल सेवाओं का बाकायदा रोस्टर जारी होने के बाद भी डॉक्टर यहां बहुत कम मिलते हैं। दोपहर 2 बजे के बाद केवल कुछ स्वास्थ्य कर्मी ही पूरा अस्पताल चलाते हैं। अस्पताल पहुंचकर मरीज और तीमारदार अच्छे होने की उम्मीद बांध लेते हैं, पर अलीगढ़ के अतरौली स्थित 100 शैय्या संयुक्त सरकारी चिकित्सालय 24 घंटे से मरीजों के लिए काल बना हुआ है। अस्पताल में आपातकालीन सेवाएं न होने से 24 घंटे में तीन की जान चली गई। अतरौली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की आपातकालीन सेवाएं लोगों की जिंदगी नहीं बचा पा रही हैं। यहां पहुंचने वाले गंभीर मरीजों को सिर्फ रेफर किया जा रहा है। अलीगढ़ पहुंचते-पहुंचते उनकी मौत हो रही है। बीते 24 घंटे में ऐसे तीन मामले सामने आ चुके हैं। अस्पताल में इलाज नहीं मिलने से मरीज काल के गाल में समा । अतरौली विधानसभा क्षेत्र से संदीप सिंह भाजपा के विधायक और राज्य मंत्री हैं। ये पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह की विधानसभा का प्रमुख सरकारी अस्पताल है। आपातकाल सेवाओं का बाकायदा रोस्टर जारी होने के बाद भी डॉक्टर यहां बहुत कम मिलते हैं।

ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए निकाली प्रभात फेरी

बदायूं। जीलोट पब्लिक स्कूल में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से मनाया गया। बच्चों ने गांव नरऊ खुर्द के लोगों को जागरूक करने के लिए प्रधान सुखवीर सिंह के नेतृत्व में रैली निकाली। प्रधानाचार्य ज्योति लता ने बताया कि कार्यक्रम बहुत सफल रहा है। प्रधानमंत्री के ध्येय का पूरा करना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। अध्यापिका नीलम जौहरी, अध्यापक शुभोदित, नितिन कुमार गौतम ने कार्यक्रम के बारे में बच्चों को विस्तार से जानकारी दी।

संकल्प सप्ताह का प्रधानमंत्री ने किया शुभारम्भ

ब्लाक हुजूरपुर में 03 से 09 अक्टूबर तक मनेगा संकल्प सप्ताह

बहराइच । आकांक्षात्मक ब्लाक प्रोग्राम अन्तर्गत चिन्हित किये गये विकास खण्डों में नीति आयोग द्वारा निर्धारित इंडीकेटर्स में उन्नयन हेतु किये जा रहे प्रयासों को एक सुनिश्चित दिशा देने के उद्देश्य से 03 से 09 अक्टूबर 2023 तक मनाये जाने वाले ''संकल्प सप्ताह'' का भारत मण्डप, नई दिल्ली से मा. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा शुभारम्भ किया गया। उल्लेखनीय है कि नीति आयोग द्वारा आकांक्षात्मक जनपद बहराइच के विकास खण्ड हुजूरपुर को आकांक्षात्मक ब्लाक प्रोग्राम अन्तर्गत चयनित किया गया है। आकांक्षात्मक ब्लाक में 03 से 09 अक्टूबर 2023 तक ''संकल्प सप्ताह'' मनाया जायेगा। नई दिल्ली में आयोजित उद्घाटन समारोह का कलेक्ट्रेट सभागार में सजीव प्रसारण किया गया। इस अवसर पर सीआरओ अवधेश कुमार मिश्रा, डीएफओ बहराइच संजय शर्मा, नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर, डीसी एनआरएलएम रामेन्द्र कुशवाहा, उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही, डीएसटीओ अर्चना सिंह, जिला कृषि अधिकारी सतीश कुमार पाण्डेय, आबकारी अधिकारी सुधांशु सिंह, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत डॉ वीरेन्द्र कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह, कृषि रक्षा अधिकारी प्रियानन्दा सहित कलेक्ट्रेट परिसर के कर्मचारी व अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

गोकशी की शिकायत पर दौड़ी पुलिस, सरीक के घर जाकर देखा तो मिला कुछ ओर

अलीगढ़। युवक ने पुलिस को बताया कि एक दूसरे समुदाय के युवक ने एक निराश्रित गाय को घर में बांध लिया है, गोकशी होने की संभावना है। थाने की पुलिस मौके पर पहुंची, तो पता चला कि सूचना झूठी थी। अलीगढ़ में थाना गंगीरी के गांव कनौवी निवासी सरीक पुत्र शरीफ खां बकरी चराता है। उसके यहां पहले ही दो गाय हैं, लेकिन दूध नहीं दे रही हैं। इसलिए सरीक ने शुक्रवार को एक दूध देने वाली निराश्रित गाय को पकड़ कर अपने घर बांध लिया, ताकि घर में दूध होने लगे। जिसकी सूचना गांव के ही अन्य युवक ने पुलिस को दे दी।

युवक ने पुलिस को बताया कि एक दूसरे समुदाय के युवक ने एक निराश्रित गाय को घर में बांध लिया है, गोकशी होने की संभावना है। थाने की पुलिस मौके पर पहुंची, तो पता चला कि सूचना झूठी थी। इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने बताया कि सरीक खां के पास पहले से ही दो गाय हैं, लेकिन दूध नहीं दे रही थीं। इसलिए सरीक ने एक दूध देने वाली गाय को बांध लिया। पूरे गांव ने भी यही बताया कि सरीक गाय कटवाने का काम नहीं करता है, बल्कि गायों को पालता है, जिससे उसे दूध मिलता है।

सांझ होते ही अंधेरे में डूब जाता है सिधारी ओवरब्रिज

आजमगढ़। नगर के सिधारी हाल्ट पर बना ओवरब्रिज शाम होते ही अंधेरे की आगोश में सिमट जाता है। इस पर लगाई गई लाइटें नहीं जलने से रात में आवागमन में लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

प्राय~लोग किसी अनहोनी को लेकर सशंकित रहते हैं। विभागीय अधिकारियों की उपेक्षा से लोगों में काफी नाराजगी है। नगर का सिधारी मुहल्ला ट्रेन के आने के दौरान अक्सर जाम की समस्या से जूझता था। सिधारी हाल्ट से लेकर हाइडिल चौराहे तक जाम लग जाता था। जिसे देखते हुए शासन स्तर से यहां ओवरब्रिज बनाने का निर्णय लिया गया। सेतु निगम द्वारा इस ओवरब्रिज का निर्माण किया गया। निर्माण पूरा होने के बाद लोगों के आवागमन की सहूलियत को देखते हुए इस पर लाइटें भी लगा दी गई, ताकि रात के समय इस ओवरब्रिज से आवागमन में यात्रियों को परेशानी न हो। उसने पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड को इसे हैंडओवर कर दिया। कुछ दिन तक यह लाइटें जलती रहीं लेकिन इसके बाद एक-एक कर सारी लाइटें बंद होती गई, लेकिन जिम्मेदारों ने इस तरफ ध्यान नहीं दिया। जिसके चलते इस समय सारी लाइटें पूरी तरह से बंद हो चुकी हैं। इस मार्ग से आवागमन करने वालों को रात के समय परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्हें हमेशा दुर्घटना का भय सताता रहता है। बावजूद इसके इस तरफ विभागीय अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसको लेकर लोगों में विभागीय अफसरों के प्रति बेहद नाराजगी है।

इस बाबत आसपास के लोगों का कहना है कि पहले ओवरब्रिज पर लाइटों की चकाचौंध से हर तरफ जगमग रहता था। आने जाने में भी किसी प्रकार का भय नहीं लगता था लेकिन पिछले दो माह से रात होते ही यह ओवरब्रिज अंधेरे में डूब जा रहा है। जिससे रात के समय आवागमन में अप्रिय घटना को लेकर भय बना रहता है। क्षेत्र के रमेश सिंह, राकेश प्रताप सिंह और शीतला ने जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए दो माह से खराब पड़ीं लाइटों को जनहित में दुरूस्त कराने की मांग की है।

इस संबंध में पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड के अधिशासी अभियंता विमल श्रीवास्तव ने कहा कि मुझे इसकी जानकारी नहीं है। लेकिन अगर ऐसा है तो इसे दुरुस्त कराया जाएगा।

बुखार से शिक्षक की पत्नी व युवती की मौत

अमरोहा। खादगुर्जर गांव में बुखार से मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बृहस्पतिवार की रात जूनियर हाई स्कूल के शिक्षक संतपाल सिंह की पत्नी उर्मिला देवी (57) की बुखार से मौत हो गई। उनकी पुत्रवधू, बेटा और पौत्र बुखार से बेहाल हैं। वहीं, गांव में घर-घर में कोई न कोई बुखार से पीड़ित है। उधर, आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव दढ़ियाल में यासीन के बेटी आशिया (25) की मौत हो गई। खाद गुर्जर निवासी निवासी शिक्षक संतपाल सिंह प्रजापति मोहरका पट्टी में पढ़ाते हैं। चार दिन पहले उनकी पत्नी उर्मिला देवी, बेटे योगेंद्र और पुत्रवधू लवली व 11 वर्षीय पौत्र आयुष को बुखार आया। जिसके चलते सभी को धनौरा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बृहस्पतिवार की सुबह हालत बिगड़ जाने के कारण मेरठ ले जाया गया। निजी अस्पताल में भर्ती कराई गई। जहां पर रात 11 बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उधर, खाद गुर्जर में बुखार से मौत का आंकड़ा छह तक पहुंच गया है। 21 सितंबर की रात चंद्रपाल की पत्नी बाला देवी (50), दो दिन बाद 23 सितंबर की सुबह गांव निवासी सिपाही नरेंद्र सिंह प्रजापति की पत्नी अंशु देवी (28), उसी रात राजवती (65) की बुखार से मौत हो गई। दोनों को कई दिन से बुखार आ रहा था। बीते शुक्रवार को गांव की मेशर जहां (55) की बुखार से मौत हो गई।

दोस्त ने चाचा संग मिलकर की मारपीट, फिर गला दबाकर मारा किशोर को दी दर्दनाक मौत

बागपत। उत्तर प्रदेश के बड़ौत में मात्र 50 रुपये के विवाद में कक्षा 11 के छात्र की गला दबाकर हत्या कर दी गई। आरोपी चाचा ने दो अन्य लोगों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। वहीं मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। बड़ौत के खामपुर गांव में मात्र 50 रुपये के लेनदेन को लेकर चार युवकों ने कक्षा 11 के छात्र की मारपीट और गला दबाकर हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद परिवार गमगीन है। उधर पुलिस ने दो आरोपियो को हिरासत में ले लिया है। घटना के बाद छात्र के घर में कोहराम मच गया।

राजपुर खामपुर के रहने वाले सोहनवीर कश्यप का बेटा रितिक(16) गांव के ही केएचआर इंटर कालेज में कक्षा 11 में पढ़ता था। उसके गांव के ही एक आकाश पर लगभग 50 रुपये उधार थे। शुक्रवार की रात लगभग साढे आठ बजे रितिक आकाश के चाचा की दुकान पर अपने 50 रुपये लेने गया था। दुकान पर आकाश भी मौजूद था। इसी बात को लेकर रितिक और आकाश के बीच झगड़ा हो गया। आकाश ने अपने चाचा समेत कई लोगों के साथ मिलकर रितिक के साथ मारपीट कर दी और उसका गला दबा दिया, जिसके बाद रितिक सड़क पर गिर गया। उधर, इस घटना की सूचना रितिक के परिजनों तक पहुंची तो वह मौके पर पहुंचे। रितिक के चाचा राधेश्याम ने बताया कि वह रितिक को गंभीर हालत में लेकर सीएचसी पर पहुंचे और भर्ती कराया। चिकित्सक ने उसके भतीजे रितिक को मृत घोषित कर दिया। उधर, घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस भी राजपुर खामपुर गांव के अलावा सीएससी पर पहुंची। इंस्पेक्टर देवेश कुमार सिंह ने बताया कि रितिक के शव को कब्जे में ले लिया गया है और दो आरोपियो को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में मामला 50 के विवाद का निकाल कर आ रहा है। रितिक के अपने साथी आकाश पर 50 रुपये उधार थे, जिन्हें वह लेने आकाश के चाचा की दुकान पर गया था। आकाश भी वहीं मौजूद था।

इसी बात को लेकर आकाश, उसके चाचा समेत तीन लोगो ने रितिक के साथ मारपीट कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। उधर, घटना के बाद रितिक के परिजन में कोहराम मचा हुआ है। रितिक पांच भाइयों में चौथे नंबर का था।

पैसे नहीं लिए मैंनेज्रंगे हाथ पकड़े गए घूसखोर लेखपाल तो लगे गिड़गिड़ाने, मांगे थे पांच हजार रुपये

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के सगड़ी तहसील परिसर में भूमि पैमाइश के नाम पर पांच हजार बतौर घूस लेते दो लेखपालों को एंटी करप्शन टीम ने पकड़ा तो हड़कंप मच गया। कार्रवाई के विरोध में थाने पहुंचे लेखपालों ने विरोध- प्रदर्शन किया। यूपी के आजमगढ़ जिले के सगड़ी तहसील परिसर उस समय हड़कंप गया जब एंटी करप्शन की टीम ने दो लेखपालों को घूस लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। आरोप है कि भूमि की पैमाइश के नाम पर पांच हजार रुपये मांगे गए थे। आरोपियों ने अपने आप को छुड़ाने के लिए हाथ पांव चलाए, लेकिन उनकी एक न चली। बार-बार कहते रहे कि पैसे नहीं लिए। टीम दोनों को लेकर जीयनपुर कोतवाली गई। जहां काफी संख्या में लेखपाल भी पहुंचे और विरोध-प्रदर्शन किया। महराजगंज थाना अंतर्गत देवारा जदीद गांव निवासी चंदा पत्नी प्रमोद ने अपनी जमीन की पैमाइश के लिए तहसील पर आवेदन दिया था। पैमाइश करने के नाम पर लेखपाल यादवेंद्र यादव ने उससे पांच हजार रुपये की मांग की। चंदा ने एंटी करप्शन टीम वाराणसी से इसकी शिकायत की। शुक्रवार को जिले में पहुंची एंटी करप्शन टीम ने स्थानीय टीम के साथ संपर्क कर रणनीति को अंतिम रूप देते हुए सगड़ी तहसील पहुंच गई। जहां शिकायतकर्ता चंदा ने लेखपाल यादवेंद्र यादव को पैसे दिए। इसी दौरान पैसा जमीन पर गिर गया। जिसे यादवेंद्र के साथ मौजूद लेखपाल रामायन भारद्वाज ने उठा लिया। इसी दौरान एंटी करप्शन टीम मौके पर पहुंच गई और दोनों को रंगेहाथ पकड़ लिया। लेखपालों को रिश्वत लेते पकड़े जाने की जानकारी होते ही पूरे तहसील परिसर में हड़कंप मच गया। आनन-फानन टीम दोनों लेखपालों को अपने वाहनों में बैठा कर जीयनपुर कोतवाली लेकर चली गई। पीछे-पीछे साथी लेखपाल भी कोतवाली पहुंच गए और लेखपाल रामायन भारद्वाज को निर्दोष बताते हुए छोड़े जाने की मांग करने लगे। वहीं एंटी करप्शन टीम जीयनपुर कोतवाली में जरूरी लिखापढ़ी करने के बाद दोनों को लेकर गोरखपुर के लिए रवाना हो गई।

खूंखार हो रहे कुत्ते, प्रतिदिन बना रहे निशाना

आजमगढ़। इन दिनों कुत्तों के हमले में प्रतिदिन औसतन 100 से अधिक लोग घायल हो रहे हैं। मंडलीय अस्पताल की ओपीडी में दर्ज आंकड़ों के अनुसार, कुत्तों के हमले में घायल होने वालों की संख्या बढ़ी है। शहर से लेकर गांव तक कुत्तों के हमले में घायल होने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। डॉक्टर, खूंखार हो रहे कुत्तों से बचकर रहने का सुझाव दे रहे हैं। मंडलीय अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, अगर हम सितंबर को आंकड़ों पर गौर करें तो जनवरी से लेकर अब तक 2993 लोगों को कुत्ते काट चुके हैं। एक सितंबर को 155, दो सितंबर को 107, चार को 186, पांच को 112 और 28 सितंबर को 102 लोगों को कुत्ते काटने के कारण इंजेक्शन लगाया गया। यह तो बानगी भर है। सड़क और गलियों में कुत्तों के काटने की घटना में इजाफा होने से लोग भयभीत है। इनमें वह लोग भी शामिल हैं जिन्हें दूसरी या तीसरी डोज लगाई गई। वहीं अगर आंकड़ों को देखें तो इनमें से 1975 लोगों को कुत्ते ने काटा तो 688 लोगों को बिल्ली ने, 90 को बंदरों ने काटा तो 240 लोगों को अन्य जानवरों के काटने पर एंटी डोज लगाई गई।

डॉक्टरों के अनुसार, बच्चे एवं अधिक उम्र के लोग कुत्तों के काटने के ज्यादा शिकार हो रहे हैं। उनको समय से दवा लेने एवं इंजेक्शन लगवाने का सुझाव दिया जा रहा है।

घूस लेते रंगेहाथ पकड़े गए दो लेखपाल

आजमगढ़। स्थानीय तहसील परिसर में एंटी करप्शन की टीम ने दो लेखपालों को भूमि पैमाइश के नाम पर पांच हजार रुपये घूस लेते रंगेहाथ पकड़ लिया। एक साथ दो लेखपालों के पकड़े जाने से तहसील परिसर में हड़कंप मच गया। टीम दोनों को लेकर तत्काल जीयनपुर कोतवाली पहुंच गई। जहां काफी संख्या में लेखपाल भी पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया। महराजगंज थाना अंतर्गत देवारा जदीद गांव निवासिनी चंदा पत्नी प्रमोद ने अपनी जमीन की पैमाइश के लिए तहसील पर आवेदन किया था। पैमाइश करने के नाम पर लेखपाल यादवेंद्र यादव द्वारा उससे पैसों की मांग की जा रही थी। पांच हजार रुपये लेखपाल मांग रहे थे। जिस पर चंदा ने एंटी करप्शन टीम वाराणसी से संपर्क किया। टीम ने प्लानिंग की और फिर शुक्रवार को जिले में पहुंच कर स्थानीय टीम के साथ संपर्क कर रणनीति को अंतिम रूप देते हुए सगड़ी तहसील पहुंच गई। जहां शिकायतकर्ता चंदा ने लेखपाल यादवेंद्र यादव को पैसा दिया। इसी दौरान पैसा जमीन पर गिर गया। जिसे यादवेंद्र के साथ मौजूद लेखपाल रमायन भारद्वाज ने उठा लिया। इसी दौरान एंटी करप्शन टीम मौके पर पहुंच गई और दोनों को रंगेहाथ पकड़ लिया। लेखपालों को घूस लेते पकड़े जाने की जानकारी होते ही पूरे तहसील परिसर में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में टीम दोनों लेखपालों को अपने वाहनों में बैठाकर जीयनपुर कोतवाली लेकर चली गई। जिस पर साथी लेखपाल भी कोतवाली पहुंच गए और लेखपाल रमायन भारद्वाज को निर्दोष बताते हुए छोड़े जाने की मांग करने लगे। वहीं एंटी करप्शन टीम जीयनपुर कोतवाली में जरूरी लिखापढ़ी करने के बाद दोनों को लेकर गोरखपुर के लिए रवाना हो गई।

सोत नदी में पड़ा मिला महिला का शव, अभी नहीं हो पाई पहचान

बदायूं। उसहैत थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह ग्रामीण नदी की ओर गए। उन्होंने नदी में महिला का शव उतराता देखा। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। बदायूं के उसहैत थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह कच्चा पुल के नजदीक सोत नदी में महिला का शव पड़ा मिला। अभी उसकी पहचान नहीं हो पाई है। थाना पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। शनिवार सुबह कुछ लोग कच्चा पुल की ओर गए थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने सोत नदी में महिला का शव पड़ा मिला। ग्रामीणों की सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मामले की छानबीन करते हुए महिला की शिनाख्त करने की कोशिश, लेकिन स्थानीय लोग उसे पहचान नहीं पाए। महिला का शव चार पांच दिन पुराना बताया जा रहा है। हत्या की आशंका जताई जा रही है।

लड़कों को साड़ी पहनाकर उगाही...हाईवे पर किन्नरों का उत्पात, थाने में भी चला हाईवोल्टेज ड्रामा

आजमगढ़। फर्जी किन्नर और क्षेत्र में वर्चस्व लेकर आजमगढ़ के बरदह थाना के सामने हाईवे पर किन्नरों ने उत्पात मचाया। थाने में भी हाईवोल्टेज ड्रामा चला। पुलिस ने किसी तरह समझा-बुझा कर दोनों गुटों को शांत कराया। फर्जी किन्नर और क्षेत्र में वर्चस्व लेकर किन्नरों के बीच विवाद अक्सर ही सामने आता रहता है। यूपी के आजमगढ़ में ऐसे ही मामलों को लेकर किन्नरों के दो गुट आमने-सामने है। शुक्रवार को बरदह थाना के सामने हाईवे पर किन्नरों ने उत्पात मचाया। थाने में भी हाईवोल्टेज ड्रामा चला। पुलिस ने किसी तरह समझा-बुझा कर दोनों गुटों को शांत कराया। प्रार्थना पत्र लेकर कार्रवाई का आश्वासन दिया। बरदह थाना के ज्यूली क्षेत्र में किन्नर रानी उर्फ पल्लवी अपने चार अन्य साथी किन्नरों के साथ मांग कर जीवन यापन करते हैं। आरोप है कि किन्नरों का दूसरा गुट कुछ दिनों से उनके क्षेत्र में घुसपैठ कर रहा है। दोनों पक्ष आमने-सामने भी आ चुके हैं और मारपीट तक हो चुकी है। रानी किन्नर का आरोप है कि बीते 15 दिनों से रेखा उर्फ इजहार, राधेश्याम उर्फ राधा, रूबी किन्नर उसे मांगने नहीं दे रही हैं।

युवकों का कराया जा रहा लिंग परिवर्तन

मारपीट कर घायल भी कर दिया है। मारपीट करने वालों में कमलेश उर्फ निशा, सुनील उर्फ बबलू व धीरज किन्नर शामिल हैं। उसने यह भी आरोप लगाया कि इलाका देने के लालच में युवकों का लिंग परिवर्तन भी करा दिया जा रहा है। इतना ही नहीं लड़कों को साड़ी पहनाकर उनसे क्षेत्र में उगाही कराई जा रही है। शुक्रवार दोपहर 12 बजे रानी किन्नर बरदह थाने पर पहुंची और गेट के सामने हाईवे पर हंगामा करना शुरू कर दिया। इस दौरान किन्नरों ने बीच सड़क पर ही कपड़े तक खोलना शुरू कर दिया तो पुलिस कर्मियों में हड़कंप मच गया। इसी दौरान दूसरा पक्ष भी थाने पर पहुंच गया।

दोनों पक्षों को शांत कराने में पुलिस को घंटो मशक्कत झेलनी पड़ी। तीन बजे के आसपास पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर ले लिया और जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद दोनों पक्ष शांत हुए और हाईवे से हटे।

पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से बदमाश घायल, तीन सिपाहियों के सूजा घोंपा

बदायूं। बदायूं के उझानी कोतवाली इलाके में शनिवार दोपहर हुई मुठभेड़ में एक बदमाश को पैर में गोली लग गई। घायल बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने मुठभेड़ के दौरान तीन सिपाहियों को सूजा घोंपकर घायल कर दिया था। बदायूं के उझानी थाना क्षेत्र में कादरचौक-कछला रोड के पास कटरी में पुलिस और बाइक चोर गिरोह के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने दो बदमाशों को दबोच लिया, लेकिन तीसरे ने जेब से सूजा निकाल कर हमला कर दिया। सूजा के प्रहार से तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। इसके बाद फायरिंग में एक बदमाश को पैर में गोली लग गई। मुठभेड़ शनिवार दोपहर करीब एक बजे हुई। पुलिस के मुताबिक बाइक चोर गिरोह की जानकारी होने पर कछला चौकी इंचार्ज दिनेश तिवारी समेत चार पुलिस कर्मियों ने कादरचौक रोड पर घेराबंदी की तो बाइक सवार बदमाश भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर दो बदमाशों को दबोच लिया। तीसरे बदमाश ने जेब से सूजा निकाल कर पुलिस कर्मियों पर हमला कर दिया। इसमें सिपाही ओमकार सिंह, आकाश और सत्येंद्र कुमार मामूली रूप से घायल हो गए। उसी दौरान बदमाशों की ओर से फायरिंग की गई। बताते हैं कि जवाबी फायरिंग में गोली लगने से सूजा से हमला करने वाला बदमाश एटा जिले में सहावर थाना क्षेत्र के गांव बडारी कलां निवासी गौरव सिंह (36) पुत्र विजय सिंह घायल हो गया। तीन बदमाश अपनी बाइकों से भाग जाने में सफल हो गए। घायल बदमाश गौरव और सिपाही ओमकार, आकाश और सत्येंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लाकर प्राथमिक उपचार कराया गया। बदमाश गौरव का कासगंज जिले में आपराधिक रिकार्ड भी बताया गया है। उसके खिलाफ हत्या के अलावा चोरी के आधा दर्जन मामले दर्ज हैं। मुठभेड़ के दौरान पकड़े गौरव और जगवीर के अलावा एक और बदमाश है।

क्राइम सीन पर सस्पेंस

पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से घायल एटा जिले के निवासी बदमाश गौरव सिंह और उसके साथियों की गिरफ्तारी के मामले में छह घंटे तक क्राइम सीन पर सस्पेंस कायम रहा। पुलिसकर्मी हकीकत बयां करने की बजाय एक-दूसरे से बात कर लेने की कहकर मामले को टालते नजर आए। आखिर में यही कहा गया कि कुछ देर इंतजार कर लीजिए। बदमाशों और पुलिस के बीच मुठभेड़ दोपहर करीब एक बजे हुई। मुठभेड़ के बाद घायल बदमाश गौरव को लेकर जो सिपाही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचे, उन्होंने पहले तो चुप्पी साध ली। काफी देर बाद कछला चौकी इंचार्ज दिनेश तिवारी आए और घायल बदमाश से घटनाक्रम पूछने लग गए। प्राथमिक उपचार के बाद पुलिस गौरव और घायल सिपाहियों में ओमकार को लेकर राजकीय मेडिकल कॉलेज निकल गई। इसके बाद चौकी इंचार्ज से लेकर जिससे भी घटनाक्रम और गिरफ्तार बदमाशों के बारे में पूछा गया, वह कुछ भी नहीं बता पाए। दरअसल, मुठभेड़ योजनाबद्ध तरीके से नहीं हुई थी। वह तो गनीमत रही उन पुलिस कर्मियों के कोई खास चोट नहीं आई।

मुझे पकड़कर गोली मार दी

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर इलाज के लिए लाए गए घायल बदमाश गौरव सिंह ने पुलिस मुठभेड़ पर सवाल खड़े कर दिए। वह मरहम-पट्टी के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों से भी झल्लाता रहा। जब उसे पत्रकारों के बारे में पता लगा तो अपने पिता का नंबर बताकर फोन कराने पर जोर दिया। कहने लगा कि फोन करके पिता विजय को बता देना कि तुम्हारे बेटे को पुलिस ने पकड़ कर पैर में गोली मार दी है। उसने साथी बदमाश जगवीर की भूमिका पर भी सवाल उठाया। इलाज के दौरान ही पहले पानी मांगा, फिर चाय मंगा देने को कहा। अनसुना किए जाने पर वह एक दरोगा से भी उलझ गया।

जमीन बेचकर जुटाए रुपये, ठगों ने एटीएम बदलकर 1.14 लाख निकाले

अमरोहा। आपकी मेहनत की कमाई को कब और कैसे ठग लिया जाएगा कुछ पता नहीं। धोखाधड़ी का एक ऐसा ही मामला सामने आया है। किसान ने जमीन बेचकर जुटाए 1.14 लाख रुपये ठगों ने एटीएम कार्ड बदलकर निकाल लिए। अलग-अलग जगहों से एटीएम से धनराशि निकली गई। पीड़ित को जब इसकी जानकारी हुई तो उसके होश उड़ गए। मामले में अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया गया है। अमरोहा देहात थानाक्षेत्र के निजामपुर सेंधरी गांव में किसान उमेश गौतम का परिवार रहता है। वह खेती-बाड़ी कर परिवार का पालन पोषण करते हैं। उनका खाता स्टेट बैंक की शाखा में है। आरोप है कि 6 सितंबर को उमेश गौतम कैलसा बॉर्डर के स्टेट बैंक के एटीएम पर रुपये निकालने गए थे। यहां उन्होंने एटीएम से 500 रुपये निकले। तभी एक अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंचा और झांसे में लेकर उनका एटीएम कार्ड बदल दिया। इसके बाद उमेश गौतम अपने घर आ गए। 8 सितंबर को उमेश गौतम दोबारा रुपये निकालने पहुंचे तो उन्हें धोखाधड़ी का पता चला। उनके खाते से रुपये गायब थे। तुरंत उमेश गौतम बैंक पहुंचे और खाते का स्टेटमेंट निकलवाया। इस दौरान पता चला कि किसी ने अलग-अलग एटीएम मशीन से 1.14 लाख रुपये निकाल लिए हैं।

जुलूस में युवाओं ने लगाए भड़काऊ नारे, मूकदर्शक बनी रही पुलिस

बदायूं। शेखूपुर में बृहस्पतिवार को जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया था। जुलूस में शामिल कुछ खुराफाती युवकों ने धार्मिक भावनाओं को भड़काने की कोशिश की। खुराफातियों ने एक धार्मिक स्थल के पास भड़काऊ नारेबाजी की। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। विस्तार बदायूं के शेखूपुर कस्बे में बृहस्पतिवार को निकाले गए जुलूस-ए-मोहम्मदी में भड़काऊ नारेबाजी की गई। इसका वीडियो शुक्रवार को वायरल हुआ, जिसमें जुलूस में शामिल कुछ युवा %सर तन से जुदा...% नारे लगाते सुनाई दे रहे हैं। वीडियो वायरल होने पर हरकत में आई सिविल लाइंस थाना पुलिस ने शुक्रवार को तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। जुलूस-ए-मोहम्मदी के दौरान लगभग पूरे जिले में शांति रही, लेकिन शेखूपुर में कुछ खुराफाती युवक बाज नहीं आए। उन्होंने धार्मिक भावनाओं को भड़काने की कोशिश की। जब जुलूस दूसरे समुदाय के धार्मिक स्थल के नजदीक पहुंचा तो जुलूस में शामिल कुछ युवकों ने भड़काऊ नारे लगाना शुरू कर दिए थे। इस दौरान पुलिस भी मौजूद रही, मगर कोई हस्तक्षेप नहीं किया। मामला तब सुर्खियों में आया, जब शुक्रवार को इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसके बाद पुलिस और अधिकारी हरकत में आए। एसएसपी डॉ. ओपी सिंह के आदेश पर वीडियो के आधार पर शेखूपुर कस्बा निवासी शालू और ताजदार समेत 10-15 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई। सिविल लाइंस थाना पुलिस ने देर शाम दबिश देकर मुख्य आरोपी ताजदार पुत्र इंतजार, अजहर पुत्र माजिद और फैसल पुत्र मशरूर को गिरफ्तार कर लिया।

मूकदर्शक बनी रही पुलिस

बृहस्पतिवार को शेखूपुर कस्बे में निकाले गए जुलूस के दौरान काफी लोग मौजूद थे।

इस दौरान कस्बे में शेखूपुर चौकी के पुलिसकर्मी भी तैनात थे। युवक पुलिस के सामने ही नारेबाजी करते रहे लेकिन पुलिस मूकदर्शक बनी रही। उन्हें रोकने की कोशिश नहीं की गई। हालांकि पुलिस ने उनकी वीडियोग्राफी जरूर करा ली। बाद में उसी के आधार पर आरोपियों पर एफआईआर दर्ज कराई गई। अब वीडियो के आधार पर ही आरोपियों की पहचान कराई जा रही है।

एसपी सिटी अमित किशोर श्रीवास्तव ने बताया कि शेखूपुर कस्बे में बृहस्पतिवार को जुलूस निकाला गया था। इसी दौरान भड़काऊ नारेबाजी का मामला सामने आया है। इसका वीडियो भी वायरल हुआ है।

त्रिगुट
सोमवार 02 अक्टूबर 2023

क्यों पानी के लिए आपस में फिर लड़ रहे तमिलनाडु और कर्नाटक राज्य

कावेरी नदी के जल बंटवारे का मुद्दा लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। तमिलनाडु और कर्नाटक में लोग पानी के लिए धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। कावेरी जल विवाद के चलते मंगलवार को बेंगलुरु में बंद रहा। इसके साथ ही प्रदर्शनकारियों ने आज 29 सितंबर 2023 से पूरे राज्य में बंद करने का आह्वान किया है जिसकों वहां के मुख्य विरोधी दल भाजपा व जे डी एस भी समर्थन कर रहे हैं । दरअसल दोनों राज्यों के बीच यह जंग लगभग 140 साल पुरानी है। मामला निचली अदालतों से लेकर देश की उच्चतम न्यायालय तक पहुंचा लेकिन विवाद खत्म नहीं हो सका। कावेरी नदी कर्नाटक के कोडागू जिले से निकलती है और तमिलनाडु व पुडुचेरी से होती हुई बंगाल की खाड़ी में गिरती है। कावेरी नदी की लंबाई तकरीबन 750 किलोमीटर है। ये नदी कुशालनगर, मैसूर, श्रीरंगापटना, त्रिरुचिरापल्ली, तंजावुर और मइलादुथुरई जैसे शहरों से गुजरती हुई तमिलनाडु से बंगाल की खाड़ी में गिरती है। कावेरी बेसिन का कुल जलसंभरण (वाटरशेड) 81,155 वर्ग किलोमीटर है जिनमें से कर्नाटक में नदी का जल संभरण क्षेत्र सबसे ज्यादा लगभग 34,273 वर्ग किलोमीटर है।

केरल में कुल जल संभरण क्षेत्र 2,866 वर्ग किलोमीटर है। तमिलनाडु और पांडिचेरी में शेष 44,016 वर्ग किलोमीटर जल संभरण क्षेत्र है। जब कावेरी तमिलनाडु की ओर आती है तो यहां नदी की मुख्यधारा में मेटुर बांध बनाया गया है। कावेरी के साथ कबिनी और मेटूर बांध के संगम के बीच केन्द्रीय जल आयोग ने मुख्य कावेरी नदी पर दो जीएंडडी स्थलों यानी कोलेगल और बिलीगुंडलू की स्थापना की है। बिलीगुंडुलू जीएंडडी स्थल मेटूर बांध के तहत लगभग 60 किलोमीटर है जहां कावेरी नदी कर्नाटक और तमिलनाडु के साथ सीमा बनाती है। कावेरी जल बंटवारा विवाद लंबे समय से कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच एक भावनात्मक मुद्दा बना हुआ है। यह विवाद सबसे पहले 1881 में शुरू हुआ था, जब तत्कालीन मैसूर राज्य (अब कर्नाटक) ने कावेरी नदी पर बांध बनाने का फैसला किया लेकिन मद्रास राज्य (अब तमिलनाडु) इस पर आपत्ति जताई। सालों तक ऐसे ही विवाद चलता रहा। फिर 1924 में ब्रिटिशर्स की मदद से एक समझौता हुआ। समझौते के तहत कर्नाटक को कावेरी नदी का 177 टीएमसी और तमिलनाडु को 556 टीएमसी पानी मिला। टीएमसी यानी, हजार मिलियन क्यूबिक फीट। इसके बाद भी विवाद पूरी तरह नहीं सुलझ सका। आजादी के बाद 1972 में केंद्र सरकार ने एक कमेटी बनाई। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर कावेरी नदी के पानी के चारों दावेदारों (तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, पुडुचेरी) के बीच 1976 में एक समझौता हुआ लेकिन इस समझौते का पालन नहीं हुआ और विवाद चलता रहा। 90 के दशक में विवाद बढ़ता चला गया। तो 2 जून 1990 को कावेरी जल विवाद ट्रिब्यूनल का गठन किया गया। कावेरी जल विवाद ट्रिब्यूनल के 2007 में दिए गए फैसले से पहले कर्नाटक 465 टीएमसी पानी मांग रहा था जबकि तमिलनाडु को 562 टीएमसी चाहिए था। ट्रिब्यूनल ने कहा कि कर्नाटक को सालाना 270 टीएमसी और तमिलनाडु को 419 टीएमसी पानी मिलेगा। केरल को 30 टीएमसी और पुडुचेरी को 7 टीएमसी पानी देने को कहा गया। जल शक्ति मंत्रालय के जलसंसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के मुताबिक, किसी विशेष महीने के संदर्भ में चार बराबर किस्तों में चार सप्ताहों में पानी छोड़ा जाना होता है। यदि किसी सप्ताह में पानी की अपेक्षित मात्रा को जारी करना संभव नहीं हो तो उस कमी को पूरा करने के लिए बाद के सप्ताह में छोड़ा जाएगा। वहीं विनियमित तरीके से तमिलनाडु द्वारा पुडुचेरी के काराइकेल क्षेत्र के लिए जल दिया जाएगा। सीडब्लूडीटी बनने के बाद भी तमिलनाडु और कर्नाटक में कई मुद्दों को लेकर विवाद जारी रहा। कोई भी राज्य खुश नहीं था। तमिलनाडु ने ट्रिब्यूनल के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। बाद में कर्नाटक सरकार भी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। फरवरी, 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कर्नाटक को जून से मई के बीच तमिलनाडु के लिए 177 टीएमसी पानी छोड़ने का आदेश दिया था। कोर्ट ने अंतिम अदालती आदेशों के ढांचे के भीतर राज्यों के बीच विवादों का निपटारा करने के लिए कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) और कावेरी जल नियामक समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के गठन का भी आदेश दिया था।

लेकिन इस बार तमिलनाडु ने कर्नाटक से 15 हजार क्यूसेक और पानी छोड़ने की मांग की। इस पर कर्नाटक के विरोध के बाद कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण ने 10 हजार क्यूसेक पानी छोड़ने के लिए कर्नाटक को कहा लेकिन तमिलनाडु का आरोप है कि कर्नाटक ने 10 हजार क्यूसेक पानी भी नहीं छोड़ा है। कर्नाटक का कहना है कि इस बार दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के कमजोर रहने के कारण कावेरी नदी क्षेत्र के जलाशयों में पर्याप्त जल भंडार नहीं है। ऐसे में कर्नाटक ने पानी छोड़ने से इनकार कर दिया। जिससे यह मुद्दा गरमा गया। दोबारा उपजे विवाद के बाद 18 सितंबर 2023 को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण ने कर्नाटक को आदेश दिया कि वह तमिलनाडु को 5,000 क्यूसेक पानी जारी करे। आदेश के तहत कर्नाटक को 28 सितंबर तक तमिलनाडु को पानी देना था। हालांकि सूखे जैसी स्थिति का सामना कर रहे कर्नाटक ने इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की, जहां से कर्नाटक सरकार को झटका लगा। सुप्रीम कोर्ट ने प्राधिकरण के आदेश में कोई भी हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने प्राधिकरण को हर 15 दिन में बैठक करने का निर्देश दिया। अब कर्नाटक के कई किसान और संगठन तमिलनाडु को पानी दिए जाने के खिलाफ खड़े हो गए हैं। कावेरी जल को लेकर कर्नाटक ब्रिटिश राज की दुहाई देते हुए कहता है कि उस वक्त तमिलनाडु ब्रिटिश शासन के अधीन था। ऐसे में 1924 में हुए समझौते के वक्त उसके साथ न्याय नहीं हुआ था।

गाँधी जयंती पर विशेष

क्यों बापू पसंद करते थे विद्यार्थियों से मिलना

आर.के.सिन्हा

महात्मा गांधी को विद्यार्थियों से मिलना-जुलना और उनसे बातें करना पसंद था। वे स्कूलों, कॉलेजों और विश्व विद्लायों में भी अक्सर जाते थे। वे एक बार मास्टर जी की भी भूमिका में आ गए थे। वे पहली बार 12 मार्च 1915 को राजधानी दिल्ली आए तो सेंट स्टीफंस कॉलेज में ठहरे। वे वहां पर छात्रों और फेक्ल्टी से भी मिले। उनके साथ सामयिक सवालों पर लंबी चर्चाएं की। दरअसल उन्हें दिल्ली प्रवास के दौरान सेंट स्टीफंस कॉलेज में रूकने का आग्रह उनके करीबी सहयोगी दीनबंधु सी.एफ.एंड्रयूज ने किया था। दीनबंध एंड्रयूज उसी दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी से जुड़े हुए थे जिसने सेंट स्टीफंस क़ॉलेज और सेंट स्टीफंस अस्पताल की स्थापना की थी। यहाँ के छात्रों पर गांधी जी और एंड्रयूज का असर न हो यह नहीं हो सकता। यहां की दीवारों पर अभी भी गांधीजी और एंड्रयूज के चित्र टंगे हैं। सेंट स्टीफंस क़ॉलेज की स्थापना दिल्ली में ब्रदरहुड ऑफ दि एसेंनडेंड क्राइस्ट ने सन 1877 में हुई थी। अब इसे दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी कहा जाता है। दिल्ली ब्रदरहु सोसायटी के फादर सोलोमन बताते हैं कि सेंट स्टीफंस क़ॉलेज को भले ही ब्रिटेन की एक मिशनरी ने शुरू किया पर इसकी भारत तथा यहां के लोगों के प्रति निष्ठा और समर्पण असंदिग्ध रहा। दीनबंधु एंड्रयूज ब्रिटिश नागरिक होते हुए भी भारत की आजादी के प्रबल पक्षधर थे। इसी से अंदाजा लग जाएगा कि सेंट स्टीफंस क़ॉलेज को खोलने वाली संस्था का मूल चरित्र किस तरह का है। गांधी जी यहां 1918 तक रहे । उन्हें यहां पर ब्रजकृष्ण चांदीवाला नाम के एक छात्र मिले जो आगे चलकर उनके पुत्रवत हो गए। उन्होंने ही गांधी जी की मृत्यु के बाद अंतिम बार स्नान करवाया था। गांधीजी का काशी से भी गहरा लगाव था। वे अपने जीवनकाल में 12 बार काशी आए। अपना पहला राजनीतिक उद्बोधन गांधीजी ने 5 फरवरी 1916 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में दिया था। सेंट्रल हिंदू कॉलेज परिसर में काशी हिंदू विश्वविद्यालय का स्थापना समारोह मनाया जा रहा था। साथ में बीएचयू के संस्थापक पं. मदन मोहन मालवीय, एनी बेसेंट, दरभंगा के महाराजा रामेश्वर सिंह के साथ कई रियासतों के राजा वहां मौजूद थे। गुजराती वेशभूषा (धोती, पगड़ी और लाठी) में आए गांधीजी ने मंच से लोगों के सामने तीन बातें रखी थीं।

गांधीजी ने कहा था- देश की जनता, छात्र और आप सभी भारत का स्वराज कैसा चाहते हैं ? कांग्रेस और मुस्लिम लीग के लोग स्वराज को लेकर क्या सोचते हैं, यह स्पष्ट होना चाहिए ? इसी बीच गांधीजी की नजर वहां मौजूद राजाओं के आभूषणों पर पड़ी। उन्होंने कहा- अब समझ में आया कि हमारा देश सोने की चिड़िया से गरीब कैसे हो गया ? आप सभी को अपने स्वर्ण जड़ित आभूषणों को बेचकर देश के जनता की गरीबी दूर करनी चाहिए। इस बीच,यह जानकारी भी कम लोगों को है कि गांधी जी मास्टर जी के भी भूमिका में रहे। राजधानी में उनकी पाठशाला चलती थी। वे अपने छात्रों को अंग्रेजी और हिन्दी पढ़ाते थे। उनकी कक्षाओं में सिर्फ बच्चे ही नहीं आते थे। उसमें बड़े-बुजुर्ग भी रहते थे। वे राजधानी के वाल्मिकि मंदिर परिसर में 214 दिन रहे। 1 अप्रैल 1946 से 10 जून,1947 तक। वे शाम के वक्त मंदिर से सटी वाल्मिकी बस्ती में रहने वाले परिवारों के बच्चों को पढ़ाते थे। उनकी पाठशाला में खासी भीड़ हो जाती थी। गांधी अपने उन विद्यार्थियों को फटकार भी लगा देते थे, जो कक्षा में साफ-सुथरे ढंग से तैयार हो कर नहीं आते थे। वे स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते थे। वे मानते थे कि स्वच्छ रहे बिना आप शुद्ध ज्ञान अर्जित नहीं कर सकते। यह संयोग ही है कि इसी मंदिर से सटी वाल्मिकी बस्ती से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्तूबर 2014को स्वच्छ भारत अभियान की भी शुरुआत की थी।

बहरहाल वह कमरा जहां पर बापू पढ़ाते थे, अब भी पहले की तरह ही बना हुआ है। इधर एक चित्र रखा है, जिसमें कुछ बच्चे

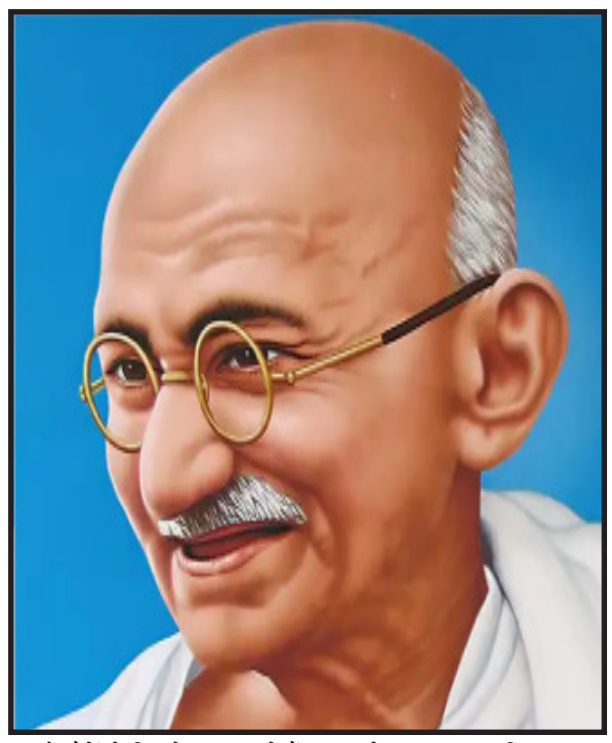

उनके पैरों से लिपटे नजर आते हैं। आपको इस तरह का चित्र शायद ही कहीं देखने को मिले। बापू की कोशिश रहती थी कि जिन्हें कतई लिखना-पढ़ना नहीं आता वे भी कुछ लिख-पढ़ सकें। इस वाल्मिकी मंदिर में बापू से विचार-विमर्श करने के लिए पंडित नेहरू से लेकर सीमांत गांधी खान अब्दुल गफ्फार खान भी आते थे। सीमांत गांधी यहां बापू के साथ कई बार ठहरे भी थे। अब भी इधर बापू के कक्ष के दर्शन करने के लिए देखने वाले आते रहते हैं। वाल्मिकी समाज की तरफ से प्रयास हो रहे हैं कि इधर गांधी शोध केन्द्र की स्थापना हो जाए। गांधी जी की संभवत: महानतम जीवनी 'दि लाइफ आफ महात्मा गांधी' के लेखक लुई फिशर भी उनसे वाल्मिकी मंदिर में ही मिलते थे। वे 25 जून,1946 को दिल्ली आए तो यहां पर बापू से मिलने पहुंचे थे। उस समय इधर प्रार्थना सभा की तैयारियां चल रही थीं। 'दि लाइफ आफ महात्मा गांधी' को आधार बनाकर ही फिल्म गांधी का निर्माण हुआ था। यही नहीं, गांधी जी के आशीर्वाद से ही जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी स्थापित हुई। वे इसके पहले करोल बाग और फिर ओखला के परिसरों में कई बार गए भी। महात्मा गांधी ने अगस्त 1920 में, असहयोग आंदोलन का ऐलान करते हुए भारतवासियों से ब्रिटिश शैक्षणिक व्यवस्था और संस्थानों का बहिष्कार करने का आह्वान किया था। गांधी जी के आह्वान पर, उस समय अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के कुछ अध्यापकों और छात्रों ने 29 अक्तूबर 1920 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया की बुनियाद रखी। बाद में जामिया, अलीगढ़ से दिल्ली स्थानांतरित हो गया। ब्रिटिश शिक्षा और व्यवस्था के विरोध में बने, जामिया मिल्लिया इस्लामिया को धन और संसाधनों की बहुत कमी रहती थी। रजवाड़े और पैसे वाले लोग, अंग्रेज़ी हुकूमत के डर से इसकी आर्थिक मदद करने से कतराते थे। इसके चलते 1925 के बाद से ही यह बड़ी आर्थिक तंगी में घिर गया। ऐसा लगने लगा कि यह बंद हो जाएगा। लेकिन गांधी जी ने कहा कि कितनी भी मुश्किल आए, स्वदेशी शिक्षा के पैरोकार, जामिया को किसी कीमत पर बंद नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''जामिया के लिए अगर मुझे भीख भी मांगनी पड़े तो मैं भीख मांगूगा।'' गांधी जी के सबसे छोटे पुत्र देवदास गांधी ने जामिया में एक शिक्षक के रूप में काम किया। गांधी जी के पोते रसिकलाल ने भी जामिया में पढ़ाई की। यह जरूरी है कि देश गांधी जी के व्यक्तित्व के इस पक्ष को भी जाने की वे छात्रों और नौजवानों के बीच में जाना पसंद करते थे।

कनाडा प्रकरण में अमेरिका की भूमिका को देखते हुए भारत को बेहद सतर्क रहने की जरूरत है

संतोष पाठक

भारत जैसे विश्वसनीय और भरोसेमंद देश के साथ इस तरह की हरकत कर अमेरिका ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया है कि वह कभी भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक भरोसेमंद देश नहीं बन सकता है और इसलिए भारत को उससे हमेशा ही सतर्क रहना पड़ेगा। कुख्यात आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा ने जिस तरह से बिना सबूत के भारत पर आरोप लगाए हैं, उसके बाद से भारत और कनाडा के संबंधों में लगातार तल्खी आती जा रही है। निज्जर हत्याकांड में कनाडा द्वारा लगाए गए बेतुके आरोप की वजह से भारत और कनाडा के रिश्तों पर तो बुरा असर पड़ ही रहा है लेकिन इस पूरे मामले में कई जानकारी के सामने आने के बाद अब अमेरिका के रुख को भी लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं।

अमेरिका ने पहले फाइव आईज के खुफिया मंच का दुरुपयोग कर जिस तरह से पहले कनाडा को गलत जानकारी देकर भारत के खिलाफ उकसाने का काम किया और बाद में जिस तरह से इस मामले में बयान देकर भारत पर दबाव बनाने का प्रयास किया, उससे यह साफ-साफ नजर आ रहा है कि अमेरिका ने भारत के खिलाफ षड्यंत्र किया, साजिश रची और दोस्त कहकर भारत की पीठ में खंजर घोंपने का काम किया। ऐसे में अब बड़ा सवाल तो यह खड़ा हो रहा है कि आखिर अमेरिका चाहता क्या है ? एक तरफ अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत और भारत के नेतृत्व की तारीफ कर रहा है, भारत को अपना सबसे करीबी दोस्त और सामरिक साझेदार बता रहा है तो दूसरी तरफ भारत के खिलाफ इस तरह से षड्यंत्र रच रहा है, यह जानते हुए भी कि यह मुद्दा भारत के लिए कितना संवेदनशील है।

चीन की आक्रामक नीति से परेशान अमेरिका एक तरफ जहां भारत को अपने एक मददगार देश के तौर पर देख रहा है, दोनों ही देश चीन की आक्रामक नीतियों के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं, संयुक्त सैन्याभ्यास कर चीन को संकेत दे रहे हैं, आर्थिक मोर्चे पर लगातार नए-नए समझौते कर आर्थिक संबंधों को मजबूत कर रहे हैं। यहां तक कि रक्षा क्षेत्र में भी कई विकल्प होने के बावजूद भारत अमेरिका के साथ रक्षा समझौते कर उसकी अर्थव्यवस्था को मदद देने का काम कर रहा है लेकिन इसके बावजूद अमेरिका की इस हरकत ने भारत को सतर्क कर दिया है। अमेरिका ने न केवल कनाडा को गलत जानकारी देकर उसे भारत के खिलाफ भड़काया है बल्कि अपने बयान के जरिए भी भारत पर दबाव बनाने का प्रयास किया है।

अमेरिका के इस दोहरे रवैये ने अब भारत को ठहर कर अमेरिका के साथ अपने संबंधों की गहराई के बारे में फिर से विचार करने का मौका दे दिया है क्योंकि अगर अमेरिका इस तरह से पीठ पीछे भारत के खिलाफ पहले षड्यंत्र करेगा और फिर बयान देकर

दबाव बनाने का प्रयास करेगा तो निश्चित तौर पर भारत सरकार के लिए अमेरिका के साथ अपने संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ना मुश्किल होता चला जाएगा क्योंकि यह तो सर्वविदित तथ्य है कि अमेरिका को लेकर भारत में और भारतीयों में हमेशा से शंका का माहौल रहा है।

अमेरिका ने जिस तरह से इतिहास में कई बार अपने करीबी दोस्तों तक को धोखा दिया है जिसका हालिया उदाहरण यूक्रेन-रूस युद्ध है, जिसमें अमेरिका ने पहले यूक्रेन को बढ़ावा दिया और जब लड़ाई यूक्रेन के घर में घुस गई है तो अमेरिका ने एक तरह से यूक्रेन से पल्ला झाड़ता हुए उसे रूस जैसी महाशक्ति के सामने अकेला ही छोड़ दिया है। लेकिन भारत जैसे विश्वसनीय और भरोसेमंद देश के साथ इस तरह की हरकत कर अमेरिका ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया है कि वह कभी भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक भरोसेमंद देश नहीं बन सकता है और इसलिए भारत को उससे हमेशा ही सतर्क रहना पड़ेगा। अमेरिका जहां एक तरफ चीन के डर के कारण भारत के साथ मजबूत सामरिक संबंध बनाना चाहता है तो वहीं दूसरी तरफ भारत की एकता और अखंडता को चुनौती देने वाले आतंकवादी तत्वों को पनाह देने वाले कनाडा का साथ देकर अपने दोहरे स्टैंड को ही एक बार फिर से उजागर कर दिया है। अमेरिका दशकों तक भारत को परेशान करने के लिए पाकिस्तान का भी इसी तरह से इस्तेमाल करता रहा है।

लेकिन भारत बदल रहा है और अब समय आ गया है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को यह साफ-साफ बता दिया जाए कि सामरिक साझेदारी, व्यापार और आर्थिक समझौता भारत के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है लेकिन यह भारत की एकता-अखंडता और संप्रभुता से बढ़कर ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है और यह बात अमेरिका और उसके सहयोगी देश जितनी जल्दी समझ ले उतना ही यह विश्व की शांति के लिए बेहतर होगा।

स्वामीनाथन ने देश को भूख से आजादी दिलाने के लिए कड़ा संघर्ष कर सफलता हासिल की थी

ललित गर्ग

स्वामीनाथन सच्चे भारतीय एवं राष्ट्रीयता से ओतप्रोत व्यक्तित्व थे। जब देश राजनीतिक आजादी के लिए संघर्षरत था, तब युवा स्वामीनाथन ने देश को भूख से आजादी दिलाने के लिए कड़ा संघर्ष किया एवं सफलता का नया इतिहास रचा। भारत में कृषि-क्रांति के जनक, विश्व खाद्य पुरस्कार पाने वाले पहले व्यक्ति, कृषि में नवाचार के ऊर्जाघर एवं कृषि विज्ञानी डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन का देह से विदेह हो जाना एक स्वर्णिम युग की समाप्ति है, एक अपूरणीय क्षति है। भारत को अन्न के अकाल से मुक्त कर अन्न का भंडार बनाने वाले इस कृषि-युगपुरुष के अवदान इतने बहुमुखी और दीर्घायुष्य है कि वे सदिया तक कृतज्ञ राष्ट्र की धमनियों एवं स्मृतियों में जीवित रहेंगे। वे अपने पीछे एक ऐसी विरासत छोड़ गये हैं कि भारतीय कृषि एवं वैश्विक खाद्य के संकट उभरने का नाम नहीं लेंगे। 'कृषि क्रांति आंदोलन' के वैज्ञानिक नेता के रूप में उनके अवदानों की शुरुआत 1943 के भीषण दुर्भिक्ष के दौरान हुई, जब चावल के एक-एक दाने के लिये लाखों लोगों ने दम तोड़ दिया था। इस घोर मानवीय त्रासदी एवं संकट ने केरल विश्वविद्यालय के इस अठारह वर्षीय युवा स्वामीनाथन में देश की भूख मिटाने की प्रतिबद्धता एवं संकल्प को जाग्रत किया और इसके लिये कृषि अनुसंधान के प्रति एक जुनून एवं जिजीविषा पैदा की। उन्होंने गेहूं एवं चावल की उच्च उपज वाली किस्मों को विकसित करने के मिशन पर काम शुरू कर भारत की कृषि में नव स्वस्तिक उकेरे। उनकी कृषि क्रांति ने भारत को दुनिया में खाद्यान्न की सर्वाधिक कमी वाले देश के कलंक से उबारकर 25 वर्ष से कम समय में आत्मनिर्भर बना दिया था। उस समय से भारत के कृषि पुनर्जागरण ने सदाबाहर कृषि क्रांति की ओर उन्मुख अवलंबनीय कृषि की वकालत ने उन्हें अवलंबनीय खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में विश्व नेता का दर्जा दिलाया।

मनकोम्बु संबासिवन स्वामिनाथन का जन्म 7 अगस्त 1925 को हुआ। उन्होंने 1966 में मैक्सिको के बीजों को पंजाब की घरेलू किस्मों के साथ मिश्रित करके उच्च उत्पादकता वाले गेहूं के संकर बीज विकसित किए। एम.एस. स्वामीनाथन को 'विज्ञान एवं अभियांत्रिकी' के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा सन् 1967 में 'पद्मश्री', 1972 में 'पद्म भूषण' और 1989 में 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया गया था। उन्हें 1971 में मैगसेसे एवं 1986 में अल्बर्ट आइंस्टीन वर्ल्ड अवार्ड भी प्रदत्त किये गये। विभिन्न पुरस्कारों और सम्मानों के साथ प्राप्त धनराशि से एम.एस. स्वामीनाथन ने वर्ष 1990 के दशक के आरंभिक वर्षों में 'अवलंबनीय कृषि तथा ग्रामीण विकास' के लिए चेन्नई में एक शोध केंद्र की स्थापना की। एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य भारतीय गांवों में प्रकृति तथा महिलाओं के अनुकूल प्रौद्योगिकी के विकास और प्रसार पर आधारित रोजग़ार उपलब्ध कराने वाली आर्थिक विकास की रणनीति को बढ़ावा देना है। स्वामीनाथन और उनके सहयोगियों द्वारा पर्यावरण, कृषि एवं खाद्यान्न प्रौद्यौगिकी के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिली है। स्वामीनाथन दक्षिण एशिया के उत्तरदायित्व के साथ पर्यावरण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में यूनेस्को में भी पदासीन रहे हैं। उनकी महान विद्वत्ता को स्वीकरते हुए इंग्लैंड की रॉयल सोसाइटी और बांग्लादेश, चीन, इटली, स्वीडन, अमरीका तथा सोवियत संघ की राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों में उन्हें शामिल किया गया है। वह 'वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंसेज़' के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं। 1999 में टाइम पत्रिका ने स्वामीनाथन को 20वीं सदी के 20 सबसे प्रभावशाली एशियाई व्यक्तियों में से एक बताया था। भारत के भाल पर अनूठा एवं विलक्षण करने वाले महान् व्यक्तियों में स्वामीनाथन एक थे। स्वामीनाथन सच्चे भारतीय एवं राष्ट्रीयता से ओतप्रोत व्यक्तित्व थे। जब देश राजनीतिक आजादी के लिए संघर्षरत था, तब युवा स्वामीनाथन ने देश को भूख से आजादी दिलाने के लिए कड़ा संघर्ष किया एवं सफलता का नया इतिहास रचा। उन्होंने आजाद भारत में अनाज की पैदावार बढ़ाने की अनूठी एवं प्रभावी तकनीक को आकार दिया। यह उन्हीं का सपना था कि भारत जैसे देश में अनाज इतना ज्यादा मात्रा में पैदा हो कि यहां किसी को भूखे न सोना पड़े बल्कि दूसरे देशों की भूख मिटाने में भी अग्रसर हो। आज आजादी के अमृतकाल में भारत कई देशों को अनाज का निर्यात करता है, यह उन्हीं की देन हैं। उन्होंने कृषि में नवाचार लाते हुए अनेक प्रयोग किये, आलू की एक ठंड-प्रतिरोधी किस्म विकसित की थी। चावल और गेहूं की उपज में क्रांति ही ला दी। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनके सुझावों एवं प्रयोगों पर बल दिया और अपने देश के अनाज भंडार भरने लगे। आज अगर हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यह बोलने की स्थिति में हैं कि भारत दुनिया को खिला सकता है, तो निस्संदेह, इसका सर्वाधिक श्रेय स्वामीनाथन को जाता है।

भारत लाखों गाँवों का देश है और यहाँ की अधिकांश जनता कृषि के साथ जुड़ी हुई है। इसके बावजूद अनेक वर्षों तक यहाँ कृषि से सम्बंधित जनता भी भुखमरी के कगार पर अपना जीवन बिताती रही। इसका कारण कुछ भी हो, पर यह भी सत्य है कि ब्रिटिश शासनकाल में भी खेती अथवा मजदूरी से जुड़े हुए अनेक लोगों को बड़ी कठिनाई से खाना प्राप्त होता था। लम्बा दौर अकाल की चपेट में रहा। भारत के सम्बंध में यह भावना बन चुकी थी कि कृषि से जुड़े होने के बावजूद भारत के लिए भुखमरी से निजात पाना कठिन है। इसका कारण यही था कि भारत में कृषि के सदियों से चले आ रहे पुरातन उपकरण और बीजों का प्रयोग होता रहा था। फसलों की उन्नति के लिए बीजों में सुधार की ओर किसी का ध्यान ही नहीं गया था। भारत की कृषि में अभिनव-क्रांति की अपेक्षा थी, जिसे स्वामीनाथन ने अंजाम दिया। गांवों की दशा एवं दिशा बदलने, किसानों के कल्याण और समाज के सबसे गरीब लोगों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध स्वामीनाथन की जितनी प्रशंसा की जाए कम होगी। उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए अपने जीवन का एक लंबा समय लगा दिया था। उन्होंने 1960 के अकाल के दौरान अमेरिकी वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग एवं अन्य वैज्ञानिकों के साथ मिलकर गेहूं की उच्च एवं उन्नत पैदावार वाली किस्म के बीज विकसित किये।

स्वामीनाथन के प्रयत्नों का ही परिणाम है कि भारत खाद्यान्नों के मामले में आत्मनिर्भर बन चुका है। उन्होंने अनेक अहम पदों पर रहते हुए भारत की कृषि को नये आयाम दिये। उन्नत कृषि के नये दरवाजों को उद्घाटित किया। कृषि नीतियां बनाने में विभिन्न सरकारों के मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्त्रोत रहे। पैदावार के न्यूनतम मूल्य निर्धारण से लेकर खेती को घाटे से उबारने के लिये उनकी कमेटी की सिफारिशें भविष्य में मार्गदर्शक एवं आधार-दृष्टि बनी रहेगी।

गांधी के सत्य, अहिंसा और शान्ति के प्रयोगों ने दुनिया को नैतिकता का नया आधार दिया

नाज़ परवीन

विनय, शांति, दया और आम-जनमानस के विचारों के प्रति आदर, लोगों को समझने की शक्ति और सत्य के प्रति भक्ति भाव से भरपूर महात्मा गांधी का जन्म 2 अक्टूबर सन् 1869 में (पिता) करमचंद गांधी और (माता) पुतलीबाई के घर हुआ था। बचपन से ही उनके कोमल मन में सत्य, अहिंसा और असमानता से जूझते कई प्रश्न उठते थे, जिनका हल वे स्वयं ही ढूंढ़ने का प्रयास करते। उनके इन्हीं प्रयासों का परिणाम था कि आगे जाकर न सिर्फ उन्होंने भारत को आजाद कराया बल्कि जीवन के हर पहलु को चाहे वह राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक हो या धार्मिक उसे नैतिकता का नया आधार दिया। सत्य का गांधी से गहरा नाता है। सत्य और गांधी एक दूसरे के पर्याय ही समझ आते हैं। गांधी की जीवनी सत्य के प्रयोग पर नजर डाले तो ऐसे कई घटनाक्रम हैं, जिनमें गांधी सत्य में और सत्य गांधी में समाया हुआ नजर आएगा। यहीं नहीं गांधी से जब कोई व्यक्ति असत्य बोलता, तो वह उस व्यक्ति से नाराज नहीं होते बल्कि स्वयं की कमियों को तलाशने में लग जाते।

सत्य की कसौटी पर अजीवन वे स्वयं को कसते रहे और सत्यनारायण के सामने सत्यस्वरूप बनकर ही अपनी प्रतिज्ञा पूरी की। सत्य पर आरूढ़ होना ही गांधी का सत्याग्रह है। महात्मा गांधी का सत्य के लिए आग्रह प्रत्येक उस व्यक्ति के लिए था, जो शोषित था, प्रताड़ित था, परेशान था।फिर वह परेशानी ब्रिटिश हुकूमत से हो या भारतीय साहूकारों और पूंजीपतियों से। गांधी अड़िग थे, अन्याय के विरूद्ध चाहे दक्षिण अफ्रीका हो या भारत हर सरजमीं पर गांधी के जीवन में सत्य को सर्वोच्च और उत्कृष्ट स्थान प्राप्त था। जो उन्हें मोहन से महात्मा बनाता है। गांधी के जीवन का एक भी क्षण ऐसा नहीं रहा जिसमें उन्होंने लोगों से घृणा का भाव रखा हो। उनके जीवन की पारदर्शिता मन के भीतर और बाहर एक समान थी। उनकी वाणी में संयम और प्रेम था। इसलिए आज भी दुनिया महात्मा गांधी के जीवन से प्रेरणा लेती है। गांधी ने जीवन के हर मोड़ पर मानवता की सेवा को ही अपना धर्म माना। अस्पृश्यता और असमानता को मिटाने के लिए मीलों यात्राएं कीं, असंख्य सभाएं कीं, लोगों से हृदय परिवर्तन की अपील की, किसानों और मजदूरों की लड़ाई लड़ी। लोगों को संगठित करके अंग्रेजी हुकूमत के विरूद्ध कई आंदोलन किए। उनकी वाणी में गजब का जादू था। जिस स्थान पर ब्रिटिश हुकूमत भी अपने लश्कर के साथ जाने में कतराती थी, वहां गांधी बे-खौफ अकेले जाते थे। भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने का उनका प्रयास निरंतक जारी रहा। उनका कहना था कि 'मैं यह चाहता हूं कि यदि मेरी मृत्यु हो तो हिंदुओं और मुसलमानों को एक करने के प्रयत्न में ही हो। मुझे अपने जीवन में दो काम करने की अति प्रबल इच्छा है- इन दोनों में एकता और सत्याग्रह।' कमाल की शख्सियत थी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की। सन् 1918 में जब दुनिया स्पेनिश फलू के खौफ से डरी-सहमी थी। गांधी खेड़ा में किसानों की बर्बाद फसल और ब्रिटिश हुकूमत के थोपे गए टैक्स को कम करने की जंग लड़ रहे थे। जबकि बीमारी का प्रकोप गुजरात में जोरों पर था। महामारी ने गुजरात के पथराड़ा गांव में सबसे ज्यादा कहर बरपाया था। जहां उनके बेटे हरिलाल की पत्नी और बडे बेटे की महामारी से मृत्यु हो गई थी। कस्तूरबा गांधी अपने तीन पोते-पोतियों को लेकर आश्रम चली आई, जहां उनका पालन-पोषण किया। गांधी जानते थे कि महामारी का प्रकोप बहुत ज्यादा है। जिससे ब्रिटिश हुकूमत के हाथ पांव फूल गए थे, लेकिन उनके लिए किसानों के शोषण को रोकना सर्वोपरी था। जिसका परिणाम यह हुआ कि अंग्रेजों को उनके आगे झुकना ही पड़ा।

महामारी का प्रकोप लगभग दो वर्षों तक रहा लेकिन इस दौरान गांधी कभी भी रूके नहीं और न ही थकें, इतिहास इस बात की गवाही देता है। उनके आंदोलन लगातार चलते ही रहे। रोलेट एक्ट, जलियावाला बाग से लेकर असहयोग आंदोलन तक उस दौरान के महात्वपूर्ण आंदोलनों में नजर डालें तो गांधी कभी रूके नहीं। साथ ही लोगों को साफ-सफाई से रहने के लिए लगातार आग्रह करते रहे। गांधी नवजीवन में कहते हैं कि 'मैं भारत को स्वतंत्र और बलवान बना देखना चाहता हूं, ताकि वह दुनिया के भले के लिए स्वेच्छापूर्वक अपनी पवित्र आहुति दे सके। शुद्ध व्यक्ति कुटुम्ब के लिए, कुटुम्ब गांव के लिए, गांव जिले के लिए, जिला प्रान्त के लिए, प्रांत राष्ट्र के लिए और राष्ट्र सारे मानव-समाज के लिए अपना बलिदान करता है।' गांधी कहते थे कि 'उन्हें भारत की हर चीज आकर्षित करती है। सर्वोच्च आकांक्षाएं रखने वाले किसी व्यक्ति को अपने विकास के लिए जो कुछ चाहिए, वह सब उसे भारत में मिल सकता है।' निसंदेह गांधी की आत्मीयता समाज के हर तबके के व्यक्ति के लिए एक समान थी। उनके सत्य अहिंसा और शान्ति के प्रयोगों ने दुनिया को नैतिकता का नया आधार दिया।

मद्रास हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला, 215 शासकीय कर्मचारियों को 1 से 10 साल तक की सजा

सनत जैन

मद्रास हाईकोर्ट के न्यायाधीश पी वेलुमुरूगन ने तमिलनाडु के धर्मपुरी मे 18 आदिवासी महिलाओं के साथ दुष्कर्म और क्रूरता के आरोप में सरकारी कर्मचा ?रियों को सजा सुनाई है। हाईकोर्ट ने 215 सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को 1 वर्ष से लेकर 10 वर्ष तक की सजा का फैसला सुनाया है। पीड़िताओं को 10 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट ने 500000 सरकार की ओर से तथा 5 लाख रुपये दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों से वसूल करने के आदेश सरकार को दिए हैं। तमिलनाडु हाईकोर्ट ने 4 आईएफएस अधिकारियों सहित वन विभाग के 126 कर्मचारियों, 84 पुलिस कर्मियों तथा 5 राजस्व विभाग के कर्मचारियों को यह सजा सुनाई है। यह प्रकरण 1992 से न्यायालय में चल रहा था। इसका निपटारा 2023 में हाईकोर्ट से हुआ है। तमिलनाडु हाईकोर्ट ने अपने आदेश में तत्कालीन जिला कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक और जिला वन अधिकारी पर कड़ी कार्रवाई करने की अनुशंसा की है। तमिलनाडु हाईकोर्ट का यह फैसला ऐतिहासिक है। इस फैसले में शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। उन्हें उपयुक्त सजा भी कानून के अनुसार दी गई है। यदि इसी तरह हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से सरकारी अधिकारी, कर्मचारी और राजनेताओं के कार्यों में उनकी जिम्मेदारी तय की जाए, तो निश्चित रूप से अपराधों में नियंत्रण तथा कानून का राज बनाने की दिशा में न्यायपालिका का यह बड़ा सफल प्रयास माना जाएगा। 1990 के दशक में चंदन लकड़ी का कुख्यात तस्कर वीरप्पन को पकड़ने के लिए तमिलनाडु सरकार द्वारा सघन अभियान चलाया गया था। इस दौरान ग्रामीणों और आदिवासियों के साथ पूछताछ के दौरान दुर्व्यवहार, शारीरिक शोषण और प्रताड़ना स्थानीय लोगों को सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा दी गई थी। 20 जून 1992 को चेन्नई से लगभग 293 किलोमीटर दूर वाचथी गांव में चंदन की कटाई करने की सूचना वन विभाग को मिली थी। सूचना मिलने के बाद बड़ी संख्या में वन विभाग और राजस्व विभाग का अमला धर्मपुरी के वाचथी गांव पहुंचा था। सरकारी अमले ने स्थानीय लोगों के साथ पूछताछ के नाम पर अभद्र व्यवहार किया।

रहती दुनिया तक प्रासंगिक रहेगा गाँधी दर्शन

गाँधी जयंती (2 अक्टूबर) हेतु विशेष

तनवीर जाफ़री

भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जन्मतिथि 2 अक्टूबर को उन्हें याद किया जाता है। पूरा विश्व गांधीवाद व गांधी दर्शन का इसीलिये क़ायल है कि उन्होंने दुनिया को सत्य व अहिंसा के साथ साथ सर्वधर्म समभाव के मार्ग पर चलते हुये विश्व की बड़ी से बड़ी शक्ति से संघर्ष करने की प्रेरणा दी थी । मार्टिन लूथर किंग से लेकर नेल्सन मंडेला और बराक ओबामा तक न जाने कितने नेता हैं जो गांधी जी को अपना आदर्श मानते रहे हैं। दुनिया के किसी भी देश में आज जब युद्ध विरोधी, शान्ति व अहिंसा की बातें होती हैं तो बड़े से बड़े नेता गांधी दर्शन को ही याद करते हैं। यही वजह है कि विश्व के 70 से भी अधिक देशों में शांति के इस महान पुजारी की एक या अनेक प्रतिमाएं स्थापित कर उन्हें सम्मान भी दिया गया है। उन देशों के लोग गांधी से प्रेरणा लेते हैं। यहाँ तक कि विश्व में जब कहीं कोई शांति मार्च निकलता है तो लोग गांधी की तस्वीरों व उनके सद्भावपूर्ण संदेशों से युक्त बैनर जुलूस के आगे लेकर चलते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह भारत का सौभाग्य है कि इतने महान विचारों वाला व्यक्ति हमारे देश में पैदा हुआ। सारी दुनिया भारत को गांधी के देश के रूप में ही जानती है।

आज जबकि विश्व का बड़ा हिस्सा युद्ध,हिंसा, परस्पर मतभेद, बेरोज़गारी, महंगाई,साम्प्रदायिकता जैसे तनावपूर्ण वातावरण के दौर से गुज़र रहा है। पूरा विश्व बाहरी व भीतरी तौर पर राजनैतिक वर्चस्व की लड़ाई लड़ रहा है, ऐसे में ख़ास तौर पर गांधी जयंती के अवसर पर हर बार चिंतकों द्वारा यह सवाल उठाया जाता है कि गांधी के सत्य व अहिंसा के सिद्धांत पर आधारित उनके दर्शन और विचारों की आज कितनी प्रासंगिकता महसूस की जा रही है ? सितम्बर, 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया था। उस समय प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि -यह अवसर इसलिये भी महत्वपूर्ण है कि इस वर्ष हम महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मना रहे हैं। उस समय प्रधानमंत्री मोदी ने जहाँ और कई मुद्दे उठाये थे वहीं उन्होंने भारत का शांति-अहिंसा का संदेश प्रमुख रूप से विश्व को दिया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा जैसे वैश्विक मंच से शांति का संदेश देते हुए उन्होंने कहा था कि - हमने दुनिया को शांति का पैग़ाम दिया। संयुक ?त राष ?ट्र के शांति अभियानों में सबसे बड़ा बलिदान अगर किसी देश ने दिया है, तो वह देश भारत है। हम उस देश के वासी हैं जिसने दुनिया को युद्ध नहीं बुद्ध दिये हैं, शांति का संदेश दिया है। गोया बुध और गांधी के शांति के संदेश ही ऐसे हैं जिनपर प्रत्येक भारतवासी गर्व करता है। परन्तु इस दुर्भाग्यपूर्ण सत्य से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि भले ही पूरा विश्व इस महात्मा के समक्ष नतमस्तक होता हो ,उन्हें अपना आदर्श व प्रेरणास्त्रोत मानता हो परन्तु गांधी व गांधीवाद का विरोध करने वालों में और किसी देश के लोग नहीं बल्कि अधिकांशतया- केवल भारतवासी ही शामिल हैं। संकीर्ण मानसिकता रखने वालों,साम्प्रदायिकता वादियों ने गांधी को व उनके के विचारों की प्रासंगिकता को तब भी महसूस नहीं किया था जबकि वे जीवित थे। गांधी से असहमति के इसी उन्माद ने उनकी हत्या तो कर दी परन्तु आज गांधी के विचारों से मतभेद रखने वाली उन्हीं शक्तियों को भली-भांति यह महसूस होने लगा है कि गांधी अपने संकीर्ण व साम्प्रदायिकतावादी विरोधियों के लिए दरअसल जीते जी उतने हानिकारक नहीं थे जितना कि अपनी हत्या के बाद साबित हो रहे हैं। और इसकी वजह केवल यही है कि जैसे-जैसे विश्व हिंसा, आर्थिक मंदी, भूख, बेरोंज़गारी और नफ़रत जैसी नकारात्मक परिस्थितियों का सामना करता जा रहा है व इनमें उलझता जा रहा है, वैसे-वैसे दुनिया को न केवल गांधी के दर्शन याद आ रहे हैं बल्कि विश्व को गांधी दर्शन को आत्मसात करने की आवश्यकता भी बड़ी शिद्दत से महसूस होने लगी है। दूसरी तरफ़ पिछले एक दशक से गाँधी के देश भारत में ही उन्हें अपमानित करने यहाँ तक कि सार्वजनिक रूप से खुलकर गालियां देने वालों की संख्या भी दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है । भारतीय संसद में ऐसे लोगों का प्रवेश हो चुका है जो गाँधी को अपमानित करते हैं और उनके हत्यारे नाथू राम गोडसे व उसके वैचारिक सहयोगियों का महिमामंडन करते हैं। ऐसा इसीलिये है कि वर्तमान सत्ता उन्हें प्रश्रय देती है। ये लोग प्रायः सत्तारूढ़ दल के ही सदस्य या समर्थक हैं। आजतक गाँधी को अपमानित करने व गोडसे का महिमामंडन करने यहां तक कि उसे राष्ट्रवादी बताने वालों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गयी। और तो और भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अधयक्ष और देश के वर्तमान गृह मंत्री अमितशाह ने भी जून 2017 में रायपुर(छत्तीसगढ़) के मेडिकल कॉलेज में आयोजित बुद्धिजीवियों की एक सभा में जब गाँधी जी को याद किया तो उनके शब्द यह थे - महात्मा गांधी बहुत चतुर बनिया था, उसको मालूम था कि आगे क्या होने वाला है। उसने आज़ादी के बाद तुरंत कहा था, कांग्रेस को बिखेर देना चाहिए। इस तरह की शब्दावली का प्रयोग करने वाले नेता की पार्टी के ही एक सांसद ने पिछले दिनों लोकसभा में जब एक मुस्लिम सांसद को घोर आपत्तिजनक बातें कहीं और उस पर साम्प्रदायिक व आपराधिक टिप्पणियां कीं तो उसी कांग्रेस पार्टी के सांसद राहुल गांधी उस पीड़ित सांसद के आंसू पोछने उनके निवास पर गये। यह कांग्रेस व गांधीवादी सोच ही थी जिसने राहुल गांधी को भेजकर सांत्वना देने को विवश किया। और वह गोडसेवादी विचार थे जो उस सांसद के मुंह से निकलते दुनिया को सुनाई दिये।

बहरहाल,पिछले दिनों महात्मा गांधी की वैश्विक स्वीकार्यता एक बार फिर पूरे विश्व ने देखी और महसूस की जबकि जी 20 देशों के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए दिल्ली आए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक,ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़,कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो,संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा, विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम, एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष मासात्सुगु असाकावा, आईएमएफ़ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा सहित लगभग सभी राष्ट्राध्यक्ष महात्मा गाँधी को श्रद्धांजलि देने के लिए उनकी समाधि स्थल राजघाट पहुंचे। इन सभी राष्ट्राध्यक्षों,सरकार के प्रमुखों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों ने वहां एक मिनट का मौन रखा और राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि व पुष्पांजलि अर्पित की। महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के बाद जी 20 नेताओं ने 'लीडर्स लाउंज' में शांति दीवार पर हस्ताक्षर भी किए। जी 20 के अगले मेज़बान ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो ने इस अवसर पर कहा कि - जब हम महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए गए उस समय मैं बहुत भावुक हो उठा था। मेरे राजनीतिक जीवन में महात्मा गांधी का बहुत महत्व है क्योंकि अहिंसा का मैंने कई दशकों तक अनुसरण किया है, जब मैं श्रमिक आंदोलन के लिए लड़ा था। यही कारण है कि जब मैंने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की तो मैं भावुक हो उठा। ऐसे तमाम उदाहरण हैं जिनसे यह प्रमाणित होता है कि सत्य-अहिंसा व सर्वधर्म समभाव को अपने आप में समाहित करने वाला गांधी दर्शन कल भी प्रासंगिक था और रहती दुनिया तक प्रासंगिक रहेगा।

मोदी युग में बापूवाद की भूमिका

आप चौंकिए नहीं। मैंने जिस बापूवाद की भूमिका की बात की है वो आपका ,हमारा ,सबका गांधीवाद ही है। लेकिन आज देश में गांधी का नहीं मोदी का युग चल रहा है। इस युग में बापूवाद की भूमिका रेखांकित किये जाने की जरूरत है ,क्योंकि आज लोगों के मुंह में गांधी लेकिन दिल में गोडसे मुस्कराते नजर आ रहे हैं। गांधी सफाई अभियान और नोटों पर छपने तक सीमित किये जा रहे है। उनके आदर्शों पर चलने में मोदी युग की जनता के पांव काँप रहे हैं। हाल ही में आपने नयी दिल्ली में जी-20 सम्मेलन के मौके पर राजघाट पर विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों को महात्मा गाँधी की समाधि पर पुष्पगुच्छ चढ़ाते हुए देखा होगा । तब लगा था कि मोदी युग में भी गांधी प्रासंगिक हैं लेकिन सम्मेलन के समापन के बाद मित्र राष्ट्रों के बीच और देश के भीतर राजनितिक दलों के मध्य जो कुछ हो रहा है उसे देखकर लगता है कि हम महात्मा गाँधी को छलने की कोशिश कर रहे है। उनकी आत्मा को दुखी कर रहे हैं। संयोग देखिये कि देश के पास ले-देकर एक ही महात्मा है लेकिन हम उसे बार-बार मारने की कोशिश कर रहे हैं ,लगातार कर रहे हैं।

महात्मा गांधी 154 साल पहले देश में अवतरित हुए थे। मै महात्मा गाँधी को इसलिए अवतार कह रहा हूँ क्योंकि आजकल तो माननीय नरेंद्र मोदी को भी अवतार कहा जाता है। महात्मा गाँधी को मैंने भी नहीं देखा क्योंकि वे मुझसे 90 साल पहले जन्मे और मेरे जन्म से 11 साल पहले मार दिए गए। लेकिन किस्मत हम लोगों कि वे मरे नही। आज भी नहीं मरे । वे देश भर में नहीं दुनिया के दो दर्जन से ज्यादा देशों में अपनी लाठी लिए खड़े हुए हैं। तनकर खड़े हुए है। कहीं चरखा चलते हुए ,कहीं पदयात्रा करते हुए। गांधी आज भी एक कौतूहल है।सवाल ये है कि गांधी मरते क्यों नहीं हैं ,जबकि उन्हें मारने की हर कोशिश की जाती है। गांधी जी के जन्मदिन पर 2 अक्टूबर को एक बार फिर ये बहस होगी की गांधी यानि बापू यानि मोहनदास करम चंद ज़िंदा क्यों हैं ? ऐसा क्या है जो गांधी को मरने नहीं देता। जबकि इन डेढ़ सौ सालों में बहुत से महान लोग आये और चले गए। उनमें से अनेक आज भी जीवित है लेकिन महात्मा गांधी की तरह नहीं। महात्मा गाँधी आज भी राजनीति में,समाज में अर्थशास्त्र में आदर्शों में ,मूल्यों में और पाठ्य पुस्तकों में जीवित हैं। साबरमती के संत महात्मा गाँधी का नामो-निशान मिटाने के लिए हमने आधुनिकता और संरक्षण के नाम पर उनके आश्रमों को फाइव स्टार बनाने की ऐतिहासिक और भयानक कोशिश की । दुनिया में गांधी और उनके जैसे तमाम महान व्यक्तियों की स्मृतियों से कोई छेड़छाड़ नहीं की जाती ,किन्तु हमने ये भी की । हमने गांधी के भक्तों के विरोध को अनदेखा किया और वो सब किया जो गांधी यानी बापू और उनके वाद के खिलाफ जाता है। ऐसा करने वाले भी साबरमती के ही आधुनिक संत हैं। दूसरे सूबे का आदमी गांधी की स्मृतियों से छेड़छाड़ के बारे में सोच भी नहीं सकता। मुझे लगता है कि साबरमती के तट पर यदि महात्मा गांधी की आत्मा कभी विचरण के लिए आती होगी तो अपने आश्रम को गिरते और नया रूप लेते देखकर विचलित अवश्य होती होगी। गांधी के सपनों का भारत आजादी के अमृतकाल में भी नहीं बन पाया । पंडित जवाहर लाल नेहरू,लाल बहादुर शास्त्री, श्रीमती इंदिरा गाँधी से लेकर डॉ मन मोहन सिंह ने भी खूब कोशिश की। गांधी के सपनों का भारत कांग्रेस के सपनों का भारत नहीं है । वो देश के आम आदमी के सपनों का भारत है । कांग्रेस ने कोशिश की ,गाँधी के सपनों में रंग भरने की। कांग्रेस की कोशिशें पूरी होने में बहुत समय जाया हो गया। दुर्भाग्य ये कि गांधी के सपनों का भारत बनने से पहले ही गांधीवादी यानि बापूवादी सत्ता से बेदखल कर दिए गए ,और ठीक बेदखल कर दिए गए। उनकी जगह गांधीवादी नहीं गौड़से और सावरकरवादी सत्ता में आ गए। उनके सपनों का भारत एक अलग तरह का भारत है । पिछले दस साल से भारत को गांधी के सपनों का नहीं मोदी के सपनों का भारत बनाया जा रहा है। मोदी जी के सपनों का भारत ऐसा भारत है जिसमें आईआईटी नहीं,जिसमें की नया राज्य नहीं बन रहा बल्कि पुराने राज्यों से उनका राज्य का दर्जा छीना गया है। आज के भारत में राम मंदिर बन रहा है । आज का भारत ऐसा भारत है जिसमें मणिपुर जल रहा है। आज का भारत ऐसा भारत है जो लगातार विश्व गुरु बनने के लिए मित्रता के बजाय अदावत को महत्व दे रहा है। मोदी के सपनों के भारत में आधुनिक भारत की नीव में रखे गए गुट निरपेक्षता ,और शर्मनिरपेक्षता के लिए कहीं कोई जगह नहीं है। हो भी नहीं सकती । आज के भारत में जब बापू के लिए जगह नहीं तब उन सिद्धांतों और मूल्यों के लिए जगह कहाँ से होगी जो बापूवाद से प्रेरित हैं। आज के भारत में न बापू के लिए कोई स्थान है और न कांग्रेस के लिए ,किन्तु अद्भुत संयोग है कि बापू जी और कांग्रेस लगातार मोदी जी के सीने पर दाल दल रहे हैं। न बापू मरते हैं और न कांग्रेस। मोदी जी के भारत में संसद में रमेश बिधूड़ी होते है। वे गाँधी और गांधीवाद को क्या जाने । उनकी मजबूरी है कि वे खादी पहनते हैं और नेहरूकट जैकेट को छोड़ नहीं पाते। बिधूड़ी की पीढ़ी को उनके स्कूल में गांधी पढ़ाये ही नहीं गया । उन्हें तो गोडसे और स्वरकार पढ़ाये गये । । उन्हें पीर पराई जाने रे ! भजन सिखाया और सुनाया ही नहीं गया । उन्हें जो पढ़या,सुनाया और सिखाया गया ,वो सब देश के सामने है।देश के सामने है कि आप ओमप्रकाश बाल्मीक की कविता इस देश में नहीं पढ़ सकते। यदि आज का भारत गांधी के सपनों का भारत होता तो कदाचित उसमें बिधूड़ी स्वर न गूंजते संसद में। मनोज झा को न धमकाया जाता। भारत के राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति सत्तारूढ़ दल के प्रचारकों की तरह इस्तेमाल न किये जा रहे होते।

हमारी पीढ़ी का सौभाग्य है कि हमने गांधी के अधूरे सपनों का भारत भी देखा है और मोदी जी के सपनों का भारत भी । मोदी जी के सपनों का भारत यदि दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों का भी भारत होता तो शायद आज के भारत से तो बेहतर होता। उसमें गांधी की छाप होते । आप उपाध्याय और मुखर्जी की तस्वीरों को देखिये उनके पहनावे में आपको गांधीवाद के दर्शन हो जायेंगे । उनकी जीवनी पढ़िए आपको उनके रहन -सहन में गांधी झलकते दिखाई देंगे। लेकिन उनके अनुयायियों के रहन-सहन में वे भी नहीं हैं। उनके अनुयायी तो जो बाइडेन से मुकाबला कर रहे है। पहनावे के मामले भी और खानपान,रहन-सहन के मामले में भी । अगर आज की सरकारी पार्टी अपने ही नेताओं के वाद पर काम करती तो संसद कलुषित न होती। गुजरात में गांधी का आश्रम न उजड़ता। सादगी प्रभुता के भौंडे प्रदर्शन का शिकार न होती। महात्मा गांधी के जन्मदिन पर मैं जो कुछ कह रहा हूँ वो सब अकेले मेरे मन की पीडा तो है ही, मुमकिन है कि आपके मन की भी हो और आप उसे व्यक्त न कर पा रहे हों। आज आप गांधी को नमन कर सकते है। उनके मार्ग पर न चल पाने के लिए, उनके सपनों का भारत न बना पाने के लिए क्षमा भी मांग सकते है। लेकिन बहुत से लोगों के लिए आज का दिन गांधी को एक बार फिर कोसने का दिन है। वे गांधी पर धूल डालने के लिए नए उपक्रमों पर विमर्श कर सकते हैं। उन्हें ये आजादी भी गांधी ने ही दी है। आज के मोदी युग में जिस तरह से मोदीवाद को आरोपित ,स्थापित करने की कोशिश कोई जा रही है ,वो वंदनीय है।

आखिर क्यों मनाया जाता है पितृ पक्ष?

पंडित कौशल पाराशर

जानिए तिथि और इसका महत्व

हिंदू धर्म में श्राद्ध एक कर्म है जो कि प्राचीन काल से किया जा रहा है। इस दौरान लोग अपने पितरों का श्राद्ध करते हैं ताकि उनकी आत्मा को शांति मिले।

हिंदू धर्म में प्रत्येक दिन का अपना एक खास महत्व होता है, उसी प्रकार पितृ पक्ष यानि श्राद्ध भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। हिंदू धर्म में श्राद्ध एक कर्म है जो कि प्राचीन काल से किया जा रहा है। मान्यता है कि जो लोग दुनिया में नहीं है व पितरों की शांति के लिए श्राद्ध कर्म अवश्य किया जाना चाहिए। इससे उनकी आत्मा को शांति मिलती है और वह अपनी आशीर्वाद देते हैं। आइए जानते हैं कि पितृ पक्ष की तिथि व इसके महत्व के बारे में।

पितृ पक्ष 2023 तिथि

हिंदू पंचांग के अनुसार भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन पितृ पक्ष की शुरुआत होती है। इस साल पूर्णिमा तिथि 29 सितंबर 2023 को शुरू होगी और इसी दिन से पितृ पक्ष की शुरुआत हो रही है। जो कि 14 अक्टूबर 2023 को समाप्त होंगे।

पितृ पक्ष का महत्व

हिंदू धर्म में किसी की मृत्यु के बाद उस व्यक्ति का श्राद्ध किया जाता है जो कि बेहद जरूरी होता है। इसलिए पितृ पक्ष का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है और इस दौरान 15 दिनों तक लोग अपने पितरों तक का श्राद्ध व तर्पण करते हैं। मान्यता है यदि विधि-विधान से पितरों का तर्पण न किया जाए तो उनको मुक्ति प्राप्त नहीं होती। श्राद्ध करने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है। कहा जाता है कि पितृ पक्ष में यमराज पितरों को अपने परिजनों से मिलने के लिए मुक्त कर देते हैं और 15 दिनों तक पितर धरती पर रहते हैं। इस दौरान यदि पितरों का श्राद्ध न किया जाए तो वह नाराज हो जाते हैं।

मोदी के चमत्कारी चेहरे पर पांच राज्यों का चुनाव लड़ेगी भाजपा

सनत कुमार जैन

इस वर्ष के अंत तक पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होना है। मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री हैं। मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के नाम पर भाजपा चुनाव नहीं लड रही है। छत्तीसगढ़ में भी लगभग 15 साल तक भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी। राजस्थान में वसुंधरा राजे सिंधिया भाजपा के मुख्यमंत्री रही हैं। इस बार भारतीय जनता पार्टी किसी भी राज्य में प्रादेशिक नेताओं को मुख्यमंत्री पद का चेहरा नहीं बना रही है। इसके स्थान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना, और मिजोरम का चुनाव भाजपा लडेगी। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा के चुनाव में किसी भी प्रदेशिक नेता को मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं बना रही है। इसके पीछे पार्टी में मुख्यमंत्री पद को लेकर आम सहमति नहीं बन रही है। प्रदेशों में भारतीय जनता पार्टी के पास कोई कद्दावर चेहरा नहीं है। चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी फैसला करेगी। मध्य प्रदेश जैसे राज्य में लगभग 18 वर्षों से भाजपा की सरकार है।शिवराज सिंह चौहान का मुख्यमंत्री का लंबा कार्यकाल रहा है। लगभग 20 वर्षों से भाजपा की सरकार होने के कारण मध्य प्रदेश में नाराजगी की लहर देखने को मिल रही है। जिसके कारण शिवराज सिंह को मुख्यमंत्री पद का चेहरा नहीं बनाया जा रहा है। उनके स्थान पर 3 केंद्रीय मंत्रियों नरेंद्र सिंह तोमर,पहलाद पटेल, फग्गन सिंह कुलस्ते और भाजपा संगठन के महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय को विधान सभा का चुनाव लड़ाया जा रहा है।उनके नाम भी मुख्यमंत्री पद के लिए समय-समय पर सामने आते रहे हैं। जिसके कारण मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री पद को लेकर अनिर्णय की स्थिति बनी हुई है। चुनाव के पहले पार्टी के सभी नेता संगठित रहें। इसको ध्यान में रखते हुए मोदी के नाम पर चुनाव लड़ने का निर्णय भाजपा ने लिया है। निश्चित रूप से हार और जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता से जोड़कर देखा जाएगा।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है। यहां भूपेश बघेल मुख्यमंत्री हैं। राजस्थान में अशोक गहलोत मुख्यमंत्री हैं। कांग्रेस इन्हीं के नाम पर चुनाव मैदान में उतर रही है। तेलंगाना में कांग्रेस और भाजपा दोनों की ही सरकार नहीं है। भाजपा इस बार तेलंगाना पार्टी के साथ मिलकर सरकार बनाने की कोशिश कर रही है। भाजपा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और राजस्थान में प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर चुनाव लड़ने से पार्टी के अंदर कहीं ना कहीं प्रादेशिक नेताओं में रोष देखने को मिल रहा है। छत्तीसगढ़ में रमन सिंह नाराज है। राजस्थान में वसुंधरा राजे सिंधिया की नाराजी स्पष्ट रूप से देखने को मिल रही है। मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान को शायद बुधनी से टिकट नहीं दी जाएगी। उन्हें संसद का चुनाव लडाने की पार्टी ने सोच बनाई है। तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष पद से बी संजय कुमार को हटाकर, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। मिजोरम में मिजो नेशनल फ्रंट की सरकार है। जोरम थांगा राज्य के मुख्यमंत्री हैं। मिजो नेशनल फ्रंट एनडीए गठबंधन का हिस्सा है। हाल ही में भाजपा के साथ रिश्तो में तल्खी आई है। ऐसी स्थिति में भाजपा की मिजोरम में कोई बेहतर स्थिति नहीं मानी जा रही है।

दिव्यता की विविधता

ईश्वर ने दुनिया की छोटी-छोटी खुशियां तो तुम्हें दे दी हैं, लेकिन सच्चा आनन्द अपने पास रख लिया है। उस परम आनन्द को पाने के लिए तुम्हें उनके ही पास जाना होगा। ईश्वर को पाने की चेष्टा में निष्कपट रहो। एक बार परम आनन्द मिल जाने पर सब-कुछ आनन्दमय है। परमानन्द के बिना संसार की खुशियां अस्थाई हैं। तुमने ईश्वर को सदैव पिता के रूप में देखा है परंतु क्या तुम ईश्वर को एक शिशु के रूप में देख सकते हो ? जब तुम ईश्वर को शिशु के रूप में देखते हो तो तुम्हारी कोई मांग नहीं होती। ईश्वर तो तुम्हारे अस्तित्व का अन्तःकरण है। ईश्वर तुम्हारा शिशु है। वे तुमसे बच्चे की तरह चिपककर रहते हैं जब तक तुम वृद्ध होकर मर नहीं जाते। संसार में उनके पोषण के लिए उन्हें तुम्हारी आवश्यकता है। साधना, सत्संग और सेवा ईश्वर के पोषक आहार हैं। ईश्वर अनेक क्यों नहीं हो सकते ? यदि ईश्वर ने मनुष्य को अपनी ही छवि के अनुसार बनाया है, तो उनकी छवि क्या है ? अफ्रीकी, मंगोलियन, कॉकेसियन, जापानी या फिलिपिनो ? मनुष्य इतने प्रकार के क्यों हैं, वृक्ष सिर्फ एक प्रकार का नहीं होता। सांप, बादल, मच्छर या सब्जी सिर्फ एक प्रकार के नहीं। तो फिर केवल ईश्वर को ही एक क्यों होना चाहिए ? जिस चेतना ने इस सम्पूर्ण सृष्टि की रचना की है और जो विविधता प्रेमी है, वह नीरस कैसे हो सकती है ? ईश्वर को विविधता पसंद है, तो वे भी अवश्य ही वैविध्यपूर्ण होंगे। ईश्वर अनेक नाम, रूप और प्रकार से अभिव्यक्त होते हैं। कुछ विचार-धारा के व्यक्ति ईश्वर को उनके विभिन्न रूपों में प्रकट होने की स्वतंत्रता नहीं देते। वे उन्हें एक ही रूप में चाहते हैं। अवसर के अनुसार जब तुम अपना रूप बदलते हो तो फिर कैसे सोच सकते हो कि चेतना में कोई विविधता न हो ? हमारे पूर्वज इस बात को समझते थे इसीलिए, उन्होंने दिव्यता के अनन्त गुणों व रूपों का ज्ञान कराया। चेतना नीरस और उबाऊ नहीं है। जो चेतना इस सृष्टि का आधार है, वह गतिमान और परिवर्तनशील है। ईश्वर एक ही नहीं, अनेक हैं। जब तुम दिव्यता की विविधता को स्वीकार करते हो, तब कट्टर और रूढ़िवादी नहीं रह जाते।

संक्षिप्त समाचार

डीआरएम ने देखा रेलवे ट्रैक, कार्यों को परखा

रायबरेली। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) डॉ. मनीष थपल्याल ने शुक्रवार को अपनी टीम के साथ लखनऊ से रायबरेली होते हुए गौरीगंज तक रेलवे ट्रैक को परखा। रास्ते में चल रहे कार्यों का जायजा भी लिया। इस बीच सीमेंट फैक्टरी में रुके और व्यापारिक नीतियों पर चर्चा की। डीआरएम ने वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (फेट) राहुल एवं वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक कंके रोरा और वाणिज्य एवं परिचालन से जुड़े कई अधिकारियों के साथ लखनऊ-रायबरेली-गौरीगंज रेल खंड का निरीक्षण किया। विंडो ट्रेलिंग करते हुए डीआरएम ने इस रेल खंड की संरक्षा को गहनता से परखा। रेल खंड पर प्रगतिशील कार्यों का अवलोकन करते हुए उनकी समीक्षा की। कार्यों में तेजी लाने को कहा। यात्री सुविधाओं और उनकी सुरक्षा का खास ख्याल रखने की बात कही। डीआरएम ने कुंदनगंज स्टेशन पहुंचकर सीमेंट प्लांट के अधिकारियों के साथ बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट के अंतर्गत आयोजित बैठक में भाग लिया। व्यापारिक नीतियों को बढ़ाने की योजनाओं पर बातचीत की। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रेखा शर्मा ने बताया कि डीआरएम ने गौरीगंज स्थित सीमेंट फैक्टरी में भी अधिकारियों के साथ व्यापार संबंधी नीतियों के प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की।

डिपो को मिलेंगी पांच नई बसें, सफर होगा सुहाना

रायबरेली। परिवहन निगम के रायबरेली डिपो के बेड़े में जल्द ही पांच नई बसें शामिल होंगी। इन बसों को दिल्ली, बरेली, बनारस सहित अन्य बड़े रूटों पर संचालित करने की तैयारी है। नई बसों के मिलने के बाद यात्रियों का सफर और सुहाना हो सकेगा। रायबरेली डिपो के पास वर्तमान समय में 155 बसें हैं। इसमें डिपो की 74 और अनुबंधित 81 बसों का संचालन विभिन्न रूटों हो रहा है। इसमें काफी बसें पुरानी हो गई हैं। मरम्मत आदि पर खर्च अधिक आ रहा है। बीती फरवरी में डिपो को 10 नई बसें मिली थीं। इन बसों को दिल्ली, लखनऊ, कानपुर सहित अन्य बड़े रूटों पर चलाया गया था। अयोध्या के लिए सीधी बस सेवा आरंभ की गई है। वर्तमान समय में लखनऊ रूट पर करीब 80 और कानपुर रूट पर 30 बसें दौड़ रही हैं। प्रयागराज रूट पर नौ, प्रतापगढ़ मार्ग पर आठ और सुल्तानपुर मार्ग पर सात बसें चल रहीं हैं। जिले के लोकल रूटों पर कई बसों का संचालन हुआ है। पांच नई बसें और मिलने के बाद विभिन्न रूटों पर बसों का और बेहतर ढंग से संचालन होगा। लखनऊ और रायबरेली के बीच लोगों का सबसे अधिक आवागमन होता है। इस रूट पर हर 20 मिनट में एक बस की सुविधा मिल रही है। नई बसों के मिलने के बाद इस रूट पर सफर और आसान होगा।

बिगड़ी जीवनशैली, कम उम्र में दिल का रोग

रायबरेली। एम्स में कॉर्डियोलॉजिस्ट डॉ. अंकित गुप्ता ने जिले के हृदय रोगी बनवारी लाल की ओपीडी में आने के बाद जांच कराई तो किडनी खराब होने से क्रैटनन बढ़ा मिला। दोनों नाड़ी भी बंद हो चुकी थीं। हालत इतनी खराब हो चुकी थी कि हार्ट की सर्जरी आसान नहीं थी। डॉक्टर ने लखनऊ से मशीन मंगवाकर सर्जरी की और मरीज अब पूरी तरह से स्वस्थ हो गया है।

हार्ट की सर्जरी के बाद मरीज स्वस्थ

बछरावां क्षेत्र के हार्ट रोगी अंबिका प्रसाद एम्स की ओपीडी में पहुंचे तो हार्ट काम करना बंद कर दिया। हार्ट काम करना बंद होने के साथ ही खतरा भी बढ़ गया था। पहले 15 दिन तक मरीज को भर्ती करके एम्स में कॉर्डियोलॉजिस्ट डॉ. अंकित गुप्ता ने परीक्षण किया। बाद में सर्जरी करके हार्ट के ब्लॉक को खोला। अब मरीज स्वस्थ है। उसे ज्यादा दिक्कत नहीं है लखनऊ से मशीन मंगवा की जटिल सर्जरी

एम्स में कॉर्डियोलॉजिस्ट डॉ. अंकित गुप्ता ने जिले के हृदय रोगी बनवारी लाल की ओपीडी में आने के बाद जांच कराई तो किडनी खराब होने से क्रैटनन बढ़ा मिला। दोनों नाड़ी भी बंद हो चुकी थीं। हालत इतनी खराब हो चुकी थी कि हार्ट की सर्जरी आसान नहीं थी। डॉक्टर ने लखनऊ से मशीन मंगवाकर सर्जरी की और मरीज अब पूरी तरह से स्वस्थ हो गया है।

हार्ट की सर्जरी के बाद मरीज स्वस्थ

बछरावां क्षेत्र के हार्ट रोगी अंबिका प्रसाद एम्स की ओपीडी में पहुंचे तो हार्ट काम करना बंद कर दिया। हार्ट काम करना बंद होने के साथ ही खतरा भी बढ़ गया था। पहले 15 दिन तक मरीज को भर्ती करके एम्स में कॉर्डियोलॉजिस्ट डॉ. अंकित गुप्ता ने परीक्षण किया।

धरने पर बैठी किन्नर, हाथों में पुलिस-प्रशासन मुर्दाबाद का बैनर, बोली- मेरी जान को है खतरा

सहारनपुर। पुलिस द्वारा कार्रवाई न करने और अपनी जान को खतरा बताते हुए किन्नर तहसील में धरने पर बैठ गई हैं। जानिए आखिर पूरा मामला क्या है। यूपी के सहारनपुर जनपद में एक किन्नर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठ गई हैं। बताया गया कि बधाई लेने को लेकर किन्नरों के दो पक्षों में विवाद चल रहा है। इसी विवाद को लेकर मंगला मुखी धरने पर बैठी है। बेहट में फतेहपुर थाना क्षेत्र के गांव भटपुरा निवासी मंगला मुखी हुमा उर्फ वासिफ खुद पर हुए हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बेहट तहसील पर धरने पर बैठ गई हैं। हुमा पुलिस-प्रशासन मुर्दाबाद का बैनर लेकर धरने पर बैठी है। हुमा का आरोप है कि रसूलपुर निवासी मंगला मुखी और उसके साथी उसकी जान लेने की फिराक में है। उन्होंने पूर्व में भी उस पर जानलेवा हमला किया था। बताया गया कि इस प्रकरण में फतेहपुर पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर प्राप्त की थी। वहां के कि 27 सितंबर को वह कुरड़ीखेड़ा गांव में बधाई लेने के लिए गई थी। वहां से लौटते समय गांव सतपुरा के पास इन लोगों ने उस पर फिर हमला किया। वह उनसे बचकर किसी तरह बिहारीगढ़ थाने पहुंची, लेकिन पुलिस ने उसकी कोई सुनवाई नहीं की। उधर, सीओ बेहट रुचि गुप्ता का कहना है कि मंगला मुखियों के बीच बधाई वसूलने के लिए क्षेत्रों को लेकर विवाद है। दूसरे पक्षों की ओर से तहरीर आई है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

राजकीय आईटीआई देवबंद में शुरू होंगी पांच नई ट्रेड, वर्कशॉप भी बनेगी

सहारनपुर। राजकीय आईटीआई देवबंद में पांच नई ट्रेड शुरू होंगी। इनमें रोबोटिक्स और इलेक्ट्रिक व्हीकल मैकेनिक आदि शामिल हैं। नई ट्रेड नए जमाने की जरूरतों को देखते हुए लागू की जा रही हैं। इसके अलावा आईटीआई परिसर में नई ट्रेड के विद्यार्थियों के लिए आधुनिक वर्कशॉप भी बनेगी, जो वातानुकूलित होगी। देवबंद में राजकीय आईटीआई की स्थापना 2006 में हुई थी। तब से यह आईटीआई लगातार नए प्रशिक्षु तैयार कर रही है। यहां कुल 12 ट्रेड संचालित हैं। इनमें कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग सहायक, बिजली मिस्त्री, मैकेनिक (रेफिजरेशन और एयर कंडीशनर), ड्राफ्ट्समैन(मैकेनिकल), मैकेनिक उपभोक्ता इलेक्ट्रिक्स उपकरण, सूचना संचार प्रौद्योगिकी प्रणाली रख रखाव, वेल्डर, प्लंबर, पेंटर जनरल, बेसिक कॉस्मेटोलॉजी, पोशाक बनाना, फैशन डिजाइनिंग एवं प्रौद्योगिकी शामिल हैं। यह 12 महीने से 24 महीने तक की ट्रेड है। 18 साल में सैकड़ों विद्यार्थी आईटीआई से पढ़ाई और प्रशिक्षण पाकर निकले हैं, लेकिन सरकार अब इस आईटीआई में पांच नई ट्रेड शुरू करने जा रही है। यह ट्रेड मौजूदा दौर में उद्योगों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए शुरू की जा रही हैं। इनके अलावा एक अल्पकालीन ट्रेड बैटरी भी शुरू होने जा रही है, जो बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल जूनियर टेक्नीशियन की है।

प्यार में अंधी इकलौती लड़की ने घर से भाग प्रेम विवाह किया, प्रेमी गर्भवती होने पर छोड़ भागा

पानीपत। प्यार में अंधी एक इकलौती लड़की को अपने माता-पिता को छोड़ आठ सौ किलोमीटर पानीपत आने पर प्रेमी ने धोखा मिला। आरोप है कि युवती को एक माह तक तो ठीक रखा और उसके साथ संबंध बनाए। गर्भवती होने के बाद मारपीट करने लगा और 26 सितंबर को मारपीट कर उसे दवा दिलाने के बहाने एक फाटक के पास छोड़कर भाग गया। युवती उसका रातभर इंतजार करती रही। वह सुबह आत्महत्या करने नहर पर पहुंच गई। वहां नहर किनारे दो दिन तक 20 किलोमीटर पैदल सफर कर समालखा पहुंची। जहां से समालखा पुलिस ने उसे वन स्टॉप सेंटर पहुंचाया। बिहार के छपरा की रहने वाली 22 वर्षीय एक युवती ने बताया कि गांव के ही रहने वाले एक युवक ने उसको अपने प्रेम जाल में फंसाया। बिहार के ही एक शिव मंदिर में अप्रैल महीने में उसके साथ शादी की। वहां से उसको पानीपत ले आया। यहां उसको किराये के कमरे में रखा। उसके साथ एक माह तक संबंध बनाए। आरोपी को उसके गर्भवती होने का पता चला तो उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

एक देसी गाय से करें तीस एकड़ की खेती

अमरोहा। दीदारगंज के खरसहन खुर्द गांव में शुक्रवार को प्राकृतिक कृषि फार्म पर उप कृषि निदेशक के मुकेश कुमार के निर्देश पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पथप्रदी डॉ. सुभाष पालेकर द्वारा बताई गई प्राकृतिक खेती की तकनीक से किसानों को अवगत कराया गया। किसानों को एक देसी गाय से तीस एकड़ भूमि पर खेती करने का तरीका बताया गया। गाय के गोबर, मूत्र, गुड़ व बेसन को पीपल के वृक्ष के नीचे की मिट्टी से बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत, आच्छादन तैयार करने की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में 60 किसानों ने भाग लिया।

व्यासजी के तहखाने मामले पर चार अक्तूबर को आएगा आदेश

वाराणसी। व्यासजी के तहखाने को डीएम की निगरानी में सौंपने संबंधी मामले में शनिवार को सुनवाई पूरी हुई। विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट की तरफ से अधिवक्ता रवि कुमार पाण्डेय ने कोई आपत्ति दर्ज नहीं की सिर्फ यह कहा कि ट्रांसफर आवेदन में मूल वाद नहीं दर्ज है।

ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यासजी के तहखाने को डीएम की निगरानी में सौंपने संबंधी मामले में दाखिल ट्रांसफर वाद में शनिवार को सुनवाई पूरी हुई। अदालत ने आदेश के लिए चार अक्तूबर की तारीख नियत कर दी है। विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट की तरफ से अधिवक्ता रवि कुमार पाण्डेय ने कोई आपत्ति दर्ज नहीं की सिर्फ यह कहा कि ट्रांसफर आवेदन में मूल वाद नहीं दर्ज है। जिसे तत्काल संसोधित कर लिया गया, वादी शैलेन्द्र व्यास के अधिवक्ता सुभाषनंदन चतुर्वेदी ने कहा कि तह खाना में दरवाजा है ही नहीं विपक्षी किसी भी समय कब्जा कर सकते है। जिसका कड़ा प्रतिवाद अंजुमन इंतजामिया के अधिवक्ता मुमताज़ अहमद ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। सर्वे हो रहा है ताला हमारी तरफ से बंद था, खोला हमने ही ऐसे में कब्जा किये जाने की दलील गलत है। अदालत ने कहा कि दोनों पक्ष कि बहस सुन ली है, ऐसे में चार अक्तूबर को कोर्ट आदेश देगी। बता दें कि मामला की सुनवाई शुक्रवार को जिला जज की अदालत में हुई। प्रकरण में एक अन्य पक्षकार काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के अधिवक्ता रवि कुमार पांडेय ने पक्ष रखने के लिए समय मांगा है। इस पर अदालत ने शनिवार को सुनवाई करने का फैसला किया। इससे पहले अदालत ने नोटिस देकर काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट को अपना पक्ष रखने के लिए कहा था। शैलेंद्र कुमार पाठक व्यास ने बीते 25 सितंबर को वाद दाखिल किया था। कहा था कि व्यासजी का तहखाना वर्षों से उनके परिवार के कब्जे में रहा है। वर्ष 1993 के पहले से पूजा-पाठ और राग-भोग होता चला आ रहा था। 1993 के बाद उस तहखाने को प्रदेश सरकार के आदेश से घेर दिया गया। साथ ही पूजा-पाठ से वंचित कर दिया गया। वर्तमान में नंदीजी के सामने स्थित व्यासजी के तहखाने का दरवाजा खुला है। उस जगह वादी और उनके परिवार को जाने से रोका जाता है।

आशंका है कि अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी तहखाने पर कब्जा कर लेगी। यह मामला लोअर कोर्ट में लंबित है। यह मामला जिला जज की अदालत में सुना जाना चाहिए। इस पर प्रतिवादी मसाजिद कमेटी के अधिवक्ता मुमताज अहमद ने आपत्ति दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि वादी का स्थानांतरण प्रार्थना पत्र सुनवाई योग्य नहीं है।

13 साल की किशोरी से 65 साल के बुजुर्ग ने की छेड़खानी

अमरोहा। कलक्ट्रेट के 65 वर्षीय रिटायर्ड कर्मचारी ने 13 साल की किशोरी के साथ छेड़खानी की। मामले की शिकायत आरोपी के बेटे से की तो उसने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र के खिलाफ केस दर्ज कर पिता को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। यह घटना देहात थानाक्षेत्र के एक कॉलोनी की है। यहां पर रिटायर्ड कर्मचारियों का परिवार रहता है। बताते हैं कि मोहल्ले के ही रहने वाले आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की किशोरी की परवरिश वही करते थे। करीब एक साल से किशोरी उन्हीं के घर रहती थी। 14 सितंबर की रात करीब 3-30 बजे कलक्ट्रेट के रिटायर्ड कर्मचारी ने किशोरी के साथ छेड़खानी की। पीड़िता ने ये बात आरोपी के बेटे को बताई तो उसने अपने पिता को समझने की बजाय उसे ही धमकाया। किसी को घटना के बारे में बताने पर चोरी करने के आरोप में जेल भिजवाने की धमकी दी। इसके बाद पीड़िता ने मोहल्ले की रहने वाली महिला को आपबीती बताई। जिसके बाद ये घटना पूरी कॉलोनी में फैल गई। मोहल्ले वालों की शिकायत पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल की।

रक्तदान कर जरूरतमंदों की जान बचाने का मौका, कल यहां लगेगा रक्तदान शिविर

वाराणसी। अस्पतालों में भर्ती ऐसे जरूरतमंद मरीजों को इलाज के दौरान खून मिल सके इसके लिए अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से हर साल की तरह इस साल भी राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर एक अक्टूबर को रक्तदान शिविर का आयोजन आईएमए और मंडलीय अस्पताल में किया गया है। रक्तदान एक ऐसा दान है जिसको कोई मोल नहीं है। अगर समय पर मरीज को खून न मिल पाए तो उसकी जान खतरे में पड़ जाती है। अस्पतालों में भर्ती ऐसे जरूरतमंद मरीजों को इलाज के दौरान खून मिल सके इसके लिए अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से हर साल की तरह इस साल भी राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर एक अक्टूबर को रक्तदान शिविर का आयोजन आईएमए और मंडलीय अस्पताल में किया गया है। जहां लोग जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्तदान कर सकते हैं। सड़क दुर्घटना के साथ ही अन्य घटनाओं में घायल मरीज हो या फिर गर्भवती महिलायें और हीमोफीलिया, थैलेसीमिया ग्रसित बच्चे। इनको खून की जरूरत होती है। सबसे ज्यादा परेशानी तब होती है जब इलाज के दौरान खून दाता के अभाव में नहीं मिल पाता है। ब्लड बैंकों की ओर से ऐसे मरीजों को बिना डोनेशन के ही खून दिया जाता है। ऐसे लोगों की ज़रूरतें पूरी हो सके इसको लेकर ही अमर उजाला फाऊंडेशन हर साल रक्तदान शिविर का आयोजन करता है। 1 अक्टूबर यानी रविवार को आई एम ए ब्लड बैंक लहुराबीर और मंडलीय अस्पताल कबीर चौरा में सुबह 9 बजे से 3 बजे तक चलने वाले शिविर पहुंच कर आप भी रक्तदान कर सकते हैं।

सिपाही ने बीए की छात्रा से किया दुष्कर्म, शिकायत पर गुपचुप तरीके से की शादी, अब हत्या की कोशिश में केस

अमरोहा। छात्रा का आरोप है कि सिपाही ने झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। शादी नहीं की तो उसने शिकायत अधिकारियों से की। इससे डरकर सिपाही ने उससे गुपचुप तरीके से शादी कर ली। इसके बाद वह लगातार मारपीट और अभद्रता कर रहा है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। ननिहाल में रहकर पढ़ने वाली बीए की छात्रा से पुलिस कांस्टेबल ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। पीड़िता ने सिपाही की शिकायत उच्चाधिकारियों से की तो आर्य समाज मंदिर में शादी कर ली। बाद में ससुराल पक्ष के लोग प्रताड़ित करने लगे। सिपाही ने जान से मारने की कोशिश की। मामले में नौगांवा सादात पुलिस ने आरोपी कांस्टेबल समेत उसके परिवार के साथ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। नौगांवा सादात थानाक्षेत्र के गांव निवासी किसान की बेटी मुरादाबाद जनपद के कांठ थानाक्षेत्र के एक गांव स्थित ननिहाल में रहकर बीए में पढ़ती थी। यहां उसकी मुलाकात विनीत कुमार से हुई। दोनों के बीच प्रेम प्रसंग हो गया। आरोप है कि विनीत शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाता रहा। इस बीच उसकी नौकरी यूपी पुलिस में कांस्टेबल के पद पर लग गई। जिसके बाद वह शादी करने से मुकर गया। छात्रा ने आरोपी सिपाही की करतूत पुलिस के उच्च अधिकारियों को बताई। विभागीय कार्रवाई के डर से विनीत कुमार ने मुरादाबाद के आर्य समाज मंदिर में उससे शादी कर ली। आरोप है कि शादी के बाद सिपाही विनीत कुमार का व्यवहार ठीक नहीं रहा। वर्तमान में विनीत कुमार की पोस्टिंग अयोध्या पुलिस लाइन में है। पीड़िता का आरोप है कि जब भी वह विनीत को फोन करती है तो गाली-गलौज करता है।

जान से मारने की धमकी देता है। इतना ही नहीं कांस्टेबल विनीत कुमार के परिजनों ने भी उसकी पिटाई की। देवर ने दुष्कर्म का प्रयास किया। पीड़िता ने इसकी शिकायत अपने ससुराल वालों से की तो उन्होंने मारपीट का घर से निकाल दिया। तभी से वह मायके में घर रहती है। कुछ दिन पहले पीड़िता अयोध्या पहुंची और पति विनीत कुमार को समझाने का प्रयास किया आरोप है कि यहां विनीत कुमार ने दुपट्टे से गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। पीड़िता ने इसकी शिकायत एसपी अयोध्या से की। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़िता ने मामले की शिकायत नौगांवा सादात पुलिस से की। सीओ अंजलि कटारिया ने बताया कि मामले में कांस्टेबल विनीत कुमार और उसके परिजनों के खिलाफ मारपीट, धमकी, गाली गलौज, छेड़खानी और हत्या की कोशिश के आरोप में केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

गमछा खींचने पर विसर्जन में हुआ था बवाल, 51 उपद्रवियों पर मुकदमा

उन्नाव। गणेश प्रतिमा विसर्जन दौरान दो पक्षों के बीच पथराव में पुलिस ने दोनों ओर से 51 लोगों के खिलाफ उपद्रव का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस की जांच में सामने आया कि गमछा खींचने को लेकर बवाल हुआ है। मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस आरोपियों को चिन्हित करने में जुटी है। किशनपुर थाना क्षेत्र के नरैनी गांव से गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए आयोजक सुदीप यादव 50 से 60 ग्रामीणों के साथ गुरुवार को लेकर नौबस्ता घाट जा रहे थे। रास्ते में कल्लू दुबे पक्ष से विवाद होने पर बवाल हो गया था। पथराव और मारपीट हुई थी। मामले में उपनिरीक्षक अखिलेश कुमार की ओर से 20 नामजद और 30 अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। उपनिरीक्षक ने एफआईआर में बताया कि नरैनी ट्रांसफार्मर ब्राम्हण टोला के सामने ट्रैक्टर रोककर आयोजक डीजे बजा रहे थे। उसी समय गांव के कल्लू दुबे बाइक से निकला। उसके कंधे से गमछा ट्रैक्टर के पास खड़े सुदीप यादव ने खींच लिया था। इसी बात पर कल्लू दुबे परिजनों के साथ पहुंचा। दोनों पक्षों के बीच मारपीट और पथराव हुआ। कई लोग चोटिल हुए। बीच-बचाव में पुलिस से भी धक्का मुक्की की गई।

पुलिस ने एक पक्ष के कल्लू दुबे, रोहित, रमाकांत मिश्रा, विजय तिवारी, बाबू तिवारी, रवि, पुच्ची, राजू दुबे, पूती तिवारी और दूसरे पक्ष के सुदीप यादव, अतुल, रवि यादव, गोलू मौर्या, नीरज यादव, श्रीराम यादव, रामबरन यादव, गोकरन यादव, रिषभ मौर्या, लल्लू यादव, हिमांशू, सोनू सिंह व 25-30 अन्य लोगों के खिलाफ बलवा, मारपीट, गाली-गलौज, धमकी, सरकारी कार्य में बाधा, सेवन सीएलए का मुकदमा दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक जेपी शाही ने बताया कि दोनों पक्षों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों पक्ष से रोहित दुबे, नीरज यादव, श्रीराम यादव, गोलू मौर्या, रामबरन और रवि को गिरफ्तार किया है। विवाद के बाद दोनों पक्ष ने भी एक दूसरे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसमें रोहित दुबे की तहरीर पर सुदीप यादव, श्रीराम यादव, अतुल यादव, गोकरन, रामबरन, रवि, गोलू मौर्य, ऋषभ मौर्य, नीरज यादव समेत 12 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट लिखी गई है। जबकि दूसरे पक्ष से श्रीराम यादव की तहरीर पर रमाकांत मिश्रा, विजय तिवारी, बाबू तिवारी, राजू दुबे, कल्लू दुबे, पूती तिवारी समेत नौ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। दोनों पक्षों ने मारपीट और बलवा समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है।

सई नदी पुल की मरम्मत को मिले 39 लाख

उन्नाव। आठ माह से बंद औरास-चकलवंशी मार्ग पर सई नदी पुल से परेशानी झेल रहे पांच हजार लोगों के लिए यह राहत की खबर है। शासन ने पुल मरम्मत के लिए बजट स्वीकृत कर दिया है। मालूम होकि संडीला से चकलवंशी-उन्नाव मार्ग पर कस्बा औरास के पास निकली सई नदी के पुल का एक हिस्सा व उसकी दीवार दो मीटर तक टूट कर पुल से अलग हो गई है। पुल की रेलिंग भी जर्जर है। करीब 58 साल पुराने पुल की स्थिति देखते हुए आठ माह पहले भारी व यात्री वाहनों के आवागमन पर रोक लगा दी गई थी। तबसे जिला मुख्यालय व बिठूर से लेकर नैमिषारण्य तक आने जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है। पुल से उन्नाव के अलावा सीतापुर, हरदोई व लखनऊ जनपदों से भारी व हल्के वाहनों का आवागमन होता है। लोगों को तीस किमी का चक्कर लगाने को मजबूर होना पड़ रहा है। पूर्व में निरीक्षण रिपोर्ट शासन को भेजी गई थी।

गांव के बाहर फंदे से लटका मिला पूर्व प्रधान के भाई का शव

उन्नाव। घर से बिना बताए निकले पूर्व प्रधान के भाई का शव गांव के बाहर पेड़ में फंदे से लटका मिला। सुबह ग्रामीणों ने देखा तो परिजन और पुलिस को सूचना दी। परिजनों ने अभी कोई आरोप नहीं लगाया है। वहीं ग्रामीणों में पारिवारिक विवाद की चर्चा है। माखी थानाक्षेत्र के पावा गांव निवासी पंकज पाठक (38) फैक्टरी में मजदूरी करता था। वह अविवाहित था। शुक्रवार सुबह गांव से लगभग 200 मीटर दूर खेत में नीम के पेड़ में रस्सी के फंदे से उसका शव लटका मिला। शव देख ग्रामीणों ने परिजनों व पुलिस को सूचना दी। मृतक के बड़े भाई व पूर्व प्रधान मनोज कुमार ने बताया कि गुरुवार को पंकज उन्नाव गणेश महोत्सव में शामिल होने गया था। शाम को लौटा और फिर करीब आठ बजे बिना बताए घर से निकला था और रात में नहीं लौटा। शुक्रवार सुबह उसका शव फंदे से लटका मिला। पावा पुलिस चौकी के दरोगा राजेश कुमार ने शुरुआती जांच के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया। मृतक तीन भाइयों में छोटा था। एक भाई नीरज की 12 साल पहले हत्या हो गई थी। थानाध्यक्ष वीर बहादुर सिंह ने बताया कि परिजनों ने कोई आरोप नहीं लगाया है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। शव का पोस्टमार्टम पहले कराने की मांग को लेकर मृतक के कुछ परिजन पोस्टमार्टम कक्ष में घुस गए। लोग सफाईकर्मी आकाश से विवाद करने लगे। इस दौरान एक शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा था। हंगामे पर फार्मासिस्ट सोहन सिंह पहुंचे तो हंगामा करने वालों में एक ने खुद को पत्रकार बताते हुए रौब गांठने की कोशिश की तो विवाद और बढ़ गया। सफाईकर्मी ने कोतवाली में तहरीर दी। कोतवाल अश्वनी कुमार मिश्रा पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और जांच की। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर मिली है। जांच चल रही है।

बिजली रहती है बाधित, एक अक्तूबर से कैसे चलेगी फैक्टरियां

बागपत। कलक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को उद्यमियों ने डीएम के सामने अपनी समस्याएं उठाई। जहां उद्यमियों ने कहा कि एक अक्तूबर से जनरेटर पर पूरी तरह पाबंदी का आदेश है और औद्योगिक क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति बाधित रहती है। ऐसे में एक अक्तूबर से फैक्टरियां कैसे चलाई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से जनरेटर का विकल्प तलाशने की मांग की। इसके अलावा भी काफी समस्याएं उठाई गई। उद्योग बंधुओं की बैठक में डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने उद्यमियों की समस्या सुनी। जहां ईएसआई डिस्पेंसरी का मामला उठाया गया तो उसको लेकर डीएम ने शासन को पत्र लिखकर स्वीकृति दिलाने की बात कहीं। उद्यमियों ने ऊर्जा निगम के अधिकारियों पर ट्रांसफार्मर खराब होने पर रुपये वसूलने का आरोप लगाया। जिस पर डीएम ने शासनादेश के अनुसार काम करने के निर्देश दिए।

बागपत औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों ने पानी की टंकी खराब होने और रास्तों से पानी निकासी की समस्या भी उठाई। साथ ही बड़ौत में अमीनगर सराय रोड पर बिजली लाइन मानकों के अनुसार ऊंची करने की मांग की। इंडस्ट्रीज एंड ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेश जिंदल ने कहा कि एक अक्तूबर से जनरेटर पर पाबंदी के आदेश है, लेकिन अभी तक उद्यमियों को जनरेटर के विकल्प के बारे में नहीं बताया।

उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में गैस लाइन भी नहीं बिछी और न ही अन्य बायोफ्यूल के बारे में स्थिति साफ की गई। जिससे उद्यमी एक अक्तूबर से फैक्टरियां चलाने को लेकर असमंजस की स्थिति में हैं। इस मौके पर अश्वनी शर्मा, लोकेश कुमार, बाबूराम शर्मा, राहुल गोयल समेत अन्य उद्यमी मौजूद रहे।

12 घंटे से बिजली की किल्लत झेल रही तीस हजार की आबादी

उन्नाव। विद्युत वितरण उपकेंद्र दुर्गागंज से नौ गांवों की 30 हजार आबादी में 12 घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रही। गर्मी से लोग परेशान रहे और पानी के लिए ग्रामीणों को भटकना पड़ा। गुरुवार रात 10 बजे से बाधित विद्युत आपूर्ति शुक्रवार सुबह 10.30 बजे चालू हो पाई। लाइनमैन शिव सागर व गोपाल शुक्ला ने बताया हटिया चौराहे के पास औंग फीडर के एचटी लाइन पर चमगादड़ टकराकर मर गया था। चमगादड़ के चपेट में आने से तार टूट कर गिर गया था। औंग फीडर में बड़ाहार, दुर्गागंज, गढ़ी, होलापुर, बीकमपुर, औंग, गोधरौली, अकबर खेड़ा गांव शामिल हैं। उधर उपकेंद्र दुर्गागंज से इंडस्ट्रियल फीडर की भी आपूर्ति बंद रही। दुर्गागंज हाईवे में अंडरग्राउंड एचटी लाइन हाईवे पार करती है। ग्रेडर व हाइड्रा से हाईवे किनारे सर्विस रोड बनाने का काम हो रहा है। प्रेशर में केबिल फॉल्ट हो गया। इसे ठीक किया जा रहा है।

होमी भाभा कैंसर अस्पताल में डेढ़ साल में 56 मरीजों का हुआ बोन मैरो ट्रांसप्लांट

वाराणसी। एक कार्यक्रम में बीएमटी यूनिट में कार्यरत डॉ. अनंत गोकर्ण और डॉ. सुमित मिर्घ ने बताया कि इसमें अत्याधुनिक तकनीक की भी जरूरत पड़ती है। लहरतारा स्थित होमी भाभा कैंसर अस्पताल में डेढ़ साल में 56 मरीजों का बोन मेरो ट्रांसप्लांट किया गया है। इसमें सभी मरीजों की स्थिति बेहतर है। कुछ मरीज तो पूरी तरह ठीक हो चुके हैं। डॉक्टर लगातार मरीज के सेहत की निगरानी कर रहे हैं और समय-समय पर उनकी जांच करने को कहा गया है। सितंबर महीने को ब्लड कैंसर जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। इसको देखते हुए कैंसर अस्पताल में आने वाले मरीजों को ब्लड कैंसर के प्रति जागरूक किया जा रहा है। शुक्रवार को एक कार्यक्रम में बीएमटी यूनिट में कार्यरत डॉ. अनंत गोकर्ण और डॉ. सुमित मिर्घ ने बताया कि इसमें अत्याधुनिक तकनीक की भी जरूरत पड़ती है। मल्टीपल माइलोमा, लिंफोमा, अक्यूट ल्यूकेमिया और खून के ऐसे कैंसर जो एक बार ठीक होने के बाद फिर से वापस आ जाए, ऐसे मरीजों को बीएमटी की जरूरत पड़ती है। होमी भाभा कैंसर अस्पताल में 2019 में बीएमटी की शुरुआत हुई थी। हालांकि 2020 में कोविड के कारण कुछ समय के लिए इसे रोक दिया गया था। दिसंबर 2021 से अब तक 56 बीएमटी किया जा चुका है। इसमें 52 ऑटोलोगस ट्रांसप्लांट, जबकि 4 एलोजेनिक ट्रांसप्लांट शामिल है। मरीज की बात करे तो ज्यादातर मरीज 18-50 साल के बीच हैं।

ट्रांसप्लांट के बाद अगले 100 दिन मरीजों के लिए बेहद संवेदनशील

डॉक्टर सुमित का कहना है कि ट्रांसप्लांट के बाद अगले 100 दिन मरीजों के लिए बेहद संवेदनशील होता है। अक्सर इसी अवधि में मरीज की स्थिति बिगड़ जाती है और कई बार उनकी मौत भी हो जाती है। बीएमटी एक खर्चीला इलाज है। हालांकि होमी भाभा कैंसर अस्पताल में बाकि अस्पतालों की तुलना में लगने वाला खर्च लगभग एक तिहाई ही होता है।

महामना पंडित मदन मोहन मालावीय कैंसर केंद्र एवं होमी भाभा कैंसर अस्पताल के निदेशक डॉ. सत्यजीत प्रधान ने कहा कि हमारा उद्देश्य अस्पताल आने वाले सभी मरीजों को बेहतर सुविधा और इलाज देना है। इस कार्य में डॉ. मालिनी गर्ग, डॉ= सुजीत कुमार, डॉ. नेहा सिंह, डॉ अविनाश गुप्ता, डॉ. सौमित्र और डॉ अक्षय बत्रा सहित अस्पताल के अन्य कर्मचारियों का सहयोग है।

एशियन गेम्स 2023-किसान पिता ने बेटे को कर्ज लेकर राइफल दिलाई, अखिल ने विदेशी धरती पर तमगों की लाइन लगाई

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद के अंगदपुर निवासी अखिल श्योराण ने वर्ष 2007 में स्कूल की राइफल से प्रैक्टिस शुरू की थी। एक राइफल होने के कारण ट्रायल छूट गया था, तब पिता ने कर्ज लेकर राइफल दिलवाई। इसके बाद अखिल ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। एशियन गेम्स में देश को स्वर्ण पदक दिलाने वाले अंगदपुर गांव के अखिल श्योराण ने उधार की राइफल से प्रैक्टिस शुरू की थी। इसलिए ही शुरूआत में अखिल का ट्रायल छूट गया था और तब किसान पिता रविंद्र श्योराण ने कर्ज लेकर बेटे को राइफल दिलाई। जिसके बाद अखिल ने सोने समेत अन्य तमगों की लाइन लगा दी। अखिल श्योराण ने मेरठ के गॉडविन स्कूल में पढ़ाई करते हुए वर्ष 2007 में वहां से मिलने वाली राइफल से प्रैक्टिस शुरू की थी।

उसके साथ पढ़ने वाला एक अन्य छात्र भी उसी राइफल से शूटिंग करता था। अखिल इंटर स्कूल के प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली शूटिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत चुका था। इस बीच ही स्कवायड ट्रायल होना था और एक ही राइफल होने के कारण वह ट्रायल नहीं दे सका। जिसके बाद दो हेक्टेयर जमीन से खेती करके परिवार का गुजारा करने वाले पेशे से किसान पिता रविंद्र ने करीब 85 हजार रुपये का कर्ज लिया और खेती से जोड़े हुए 80 हजार रुपये मिलाकर बेटे को राइफल दिलाई। जिसके बाद अखिल का ट्रायल व प्रतियोगिता नहीं छूटी और वह पदक जीतने में लगा है।

पहले वुशू खेला, चोट लगी तो शूटिंग की शुरू

अखिल के पिता रविंद्र श्योराण बताते है कि स्कूल में अखिल की खेलों में रूचि को देखते हुए वुशू खिलाना शुरू कर दिया गया। जिसमें वह अच्छा खेलने लगा, लेकिन उसकी सीनियर खिलाड़ी से भिड़ंत करा दी गई, जिससे उसको चोट लग गई। उसके बाद उसने वुशू खेलने से मना कर दिया तो उसे राइफल शूटिंग शुरू कराई गई।

अखिल ने विदेशी धरती पर पदक जीतकर लगाया अंबार

अखिल श्योराण ने वर्ष 2014 में आईएसएसएफ वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप स्पेन में कांस्य पदक, वर्ष 2015 में आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप जर्मनी में कांस्य पदक, एशियन शूटिंग चैंपियनशिप कुवैत में एक स्वर्ण, तीन रजत पदक, एयरगन शूटिंग चैंपियनशिप दिल्ली में एक रजत पदक जीता।

इसके अलावा वर्ष 2016 में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप पोलैंड में दो स्वर्ण पदक, वर्ष 2017 में अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग कंपटीशन में जर्मनी में कांस्य पदक, वर्ष 2018 में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप मेक्सिको में स्वर्ण पदक, वर्ल्ड यूनिवर्सिटी मलेशिया में एक कांस्य पदक, वर्ष 2019 में साउथ एशिया गेम्स काठमांडू नेपाल में रजत पदक, वर्ष 2022 में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में कांस्य, वर्ष 2023 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में एक स्वर्ण और एक रजत जीते हैं।

खेल के साथ पढ़ाई में अव्वल रहा अखिल

पिता रविंद्र ने बताया कि अखिल ने 12वीं में 81 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। उसके बाद वह वर्ष 2012 में दिल्ली में हंसराज कालेज में बीए की पढ़ाई करने गया और उसके बाद जामिया इस्लामिया से एमबीए किया। वह पढ़ाई में हमेशा अव्वल रहा है और उसने खेल के साथ पढ़ाई भी अच्छे से की।

पिता से किया था वादा, देश को मेडल दिलाएंगे

अखिल से पिता रविंद्र की एक दिन पहले ही बात हुई थी। तब अखिल ने पिता से वादा किया था कि वह एशियन गेम्स में देश को मेडल जरूर दिलाएंगे। अखिल ने पिता से किया वादा भी पूरा किया। अखिल के मेडल जीतने से जहां परिवार व गांव में खुशी का माहौल है, वहीं रेलवे के अधिकारी भी खुश है।

तीन बदमाशों ने गन प्वाइंट पर दवा कारोबारी से लूटे 50 हजार रुपये

पानीपत। असंध वासी एक दवा कारोबारी से पानीपत के मतलौडा क्षेत्र में तीन बदमाश गन प्वाइंट पर 50 हजार रुपये लूट ले गए। आरोपियों ने रोडवेज बस से कारोबारी को उतारा और पास खड़ी स्विफ्ट गाड़ी में बैठाया। तीन में से एक आरोपी ने पुलिस की वर्दी पहन रखी थी। जहां पर उससे दो लाख रुपये की मांग की। उसने अपने साले से अपने खाते में 50 हजार रुपये मंगाए। आरोपियों ने फोन छीनकर उन रुपयों को एक खाते में ट्रांसफर कर लिया। उन्होंने बैंक खाते की जांच कराई तो वह जींद पुलिस में तैनात पुलिसकर्मी का खाता मिला। मतलौडा थाना पुलिस ने दवा कारोबारी की शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी है। असंध स्थित विश्वकर्मा नगर निवासी संदीप ने बताया कि वह देसी दवाइयों का काम करता है। उसे कोरियर से झांसी बवासीर की दवाई भेजनी थी। कोरियर के काम से वह 19 सितंबर को दोपहर लगभग तीन बजे अपने साथी साहिल को साथ लेकर असंध से बस में बैठकर पानीपत आ रहा था। जब बस मतलौडा बस अड्डे पर पहुंची तो तीन बदमाशों ने उन दोनों को बस से उतार लिया और पास में खड़ी स्विफ्ट डिजायर गाड़ी में बैठा लिया। तीन में से एक आरोपी ने पुलिस की वर्दी पहन रखी थी।

फर्नीचर खरीद में लाखों का गड़बड़ी

उन्नाव। उन्नाव खंड शारदा नहर कार्यालय में अंधेरगर्दी के रोजाना नए मामले सामने आ रहे हैं। अब फर्नीचर खरीद में बाजार मूल्य से चार गुना अधिक मूल्य से खरीदारी की बात सामने आई है। हालांकि एक्सईएन का दावा है कि जेम पोर्टल से खरीदारी की गई है। मालूम होकि सिविल लाइन निवासी अजय वीर सिंह चंदेल ने उन्नाव खंड शारदा नहर कार्यालय में हर कदम पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए लोकायुक्त से शिकायत की है। उन्होंने आठ बिंदुओं का शिकायतीपत्र देकर लोकायुक्त से जांच कराने की मांग की है। इसमें पुल पुलियों के निर्माण, मरम्मत में फर्मों का फर्जी अनुभव पत्र लगाकर बिना सत्यापन कराए निविदाओं को कराकर अनुबंधों का गठन, सिटी जेल ड्रेन में अधोमानक कार्य कराने सहित अन्य कार्यों में गड़बड़ी करके करोड़ों की गड़बड़ी का आरोप लगाया गया है।

अब विभाग में मार्च में खरीदे गए फर्नीचर में गड़बड़झाले का मामला प्रकाश में आया है। अजय वीर सिंह चंदेल के मुताबिक, 31 मार्च को फर्नीचर खरीद का बिल भी निकाला और उसी दिन भुगतान भी कर दिया गया। सामान्य कुर्सी जो 15 सौ से दो हजार के बीच कीमत है। उनका भुगतान 10508 रुपये में किया गया। कुल 40 कुर्सियां खरीदी गई। इसी प्रकार घूमने वाली कुर्सी जो बाजार में मात्र 45 सौ से पांच हजार में उपलब्ध है उसका भुगतान 17554 रुपये का किया गया। यह छह कुर्सियां खरीदी गई। चार सात सीटर सोफा का 2.55 लाख का भुगतान किया गया। इसके अलावा चार एसी, जनरेटर सहित अन्य सामान खरीदने के नाम पर भुगतान किया गया लेकिन सामान नहीं आया। बताया कि जेम पोर्टल से खरीदारी तो की गई लेकिन फर्म मात्र एक ही रही। विभागीय मिलीभगत से इसमें भी खेल किया गया। जिन अन्य फर्मों ने आवेदन भी किया उन्हें बाद में रेट ज्यादा कराकर हटवा दिया गया। जिससे उनकी मनमाफिक फर्म को ही इसका काम मिल गया। नियमानुसार खरीद प्रक्रिया में कईयों के हस्ताक्षर होने चाहिए। सबसे पहले एसडीसी, फिर एई, आडिटर, लेखाकार और आखिर में एक्सईएन के साइन होने चाहिए लेकिन एसडीसी, आडिटर व लेखाकार ने इसमें साइन ही नहीं किए। अजय वीर सिंह चंदेल का कहना है कि इतना बड़ा घपला होने के बाद भी जिलास्तर पर किसी भी अधिकारी ने कार्यालय जाकर जांच करने की जहमत नहीं उठाई है। बताया कि वह मामले में शांत नहीं बैठेंगे। यदि जल्द जांच नहीं शुरू की गई तो वह अनशन करेंगे। एक्सईएन शैलेश कुमार सिंह का कहना है कि फर्नीचर खरीद जेम पोर्टल के माध्यम से की गई है। फर्नीचर अप्रैल से आना शुरू हो गया था। वैसे भी मामले की जांच के लिए अधीक्षण अभियंता ने टीम गठित कर दी है। जांच में सब सामने आ जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

अलीगढ़ रेंज के चारों जिलों में एक-एक और महिला इंस्पेक्टर, इन्हें मिली तैनाती

अलीगढ़। अब तक सिर्फ महिला थाने पर ही महिला इंस्पेक्टर की तैनाती रहती थी। मगर अब दो-दो थानों पर तैनाती दे दी गई है। डीआईजी रेंज शलभ माथुर ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये इसका अपडेट लिया और अनुपालन का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार रेंज के चारों जिलों में अब एक-एक और थाने पर महिला कोतवाल की तैनाती कर दी गई है। अब तक सिर्फ महिला थाने पर ही महिला इंस्पेक्टर की तैनाती रहती थी। मगर अब दो-दो थानों पर तैनाती दे दी गई है। डीआईजी रेंज शलभ माथुर ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये इसका अपडेट लिया और अनुपालन का निर्देश दिया।

नई महिला इंस्पेक्टर

डीआईजी के अनुसार जिला अलीगढ़ में महिला थाना पर अब वर्षा शर्मा, जबकि यहां से सरिता द्विवेदी को गोधा थाने का कोतवाल बनाया है। हाथरस में महिला थाना में निशा रानी और यहां तैनात सुनीता मिश्रा को चंदपा का नया कोतवाल बनाया है। एटा में नंदनी सिंह को महिला थाना और अलका को थानाध्यक्ष रिजोर बनाया गया है। इसी तरह कासगंज में सरिता तोमर को महिला थाना व नीतू यादव को सुन्नगढ़ी का नया कोतवाल बनाया है। डीआईजी ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में प्रदेश सरकार की ओर से उठाए गए इस कदम पर शासन की मंशा के अनुसार सभी महिला थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है।

अचानक निरस्त हुई बेगमपुरा एक्सप्रेस

जगदीशपुर(अमेठी)। किसान आंदोलन के चलते ट्रेन का संचालन पटरी से उतर गया है। रेलवे ने अचानक निहालगढ़ रेलवे स्टेशन से होकर गुजरने वाली बेगमपुरा एक्सप्रेस को शुक्रवार को रद्द कर दिया। उत्तर रेलवे उत्तर रेलवे की वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रेखा शर्मा ने बताया कि अंबाला एवं फिरोजपुर मंडल में किसान आंदोलन होने से बेगमपुरा एक्सप्रेस को निरस्त किया गया है। स्टेशन अधीक्षक निहालगढ़ लखन लाल मीणा ने बताया कि बेगमपुरा एक्सप्रेस के शुक्रवार को स्टेशन पर नहीं आने से जम्मूतवी को जाने वाले यात्रियों को खासी परेशानी उठानी पड़ी और उन्हें वापस जाना पड़ा।

सेना में शामिल होने के लिए छात्रों को किया जागरूक

अमेठी। भारतीय सेना में करियर चयन करने के लिए एआरओ अमेठी ने कार्यक्रम का आयोजन किया। इसके माध्यम से छात्रों को भारतीय सेना में शामिल होने के लिए जागरूक किया गया। सेना भर्ती कार्यालय अमेठी के निदेशक कर्नल सुनील कुमार ने 124 किमी. की साइकिल यात्रा अमेठी से प्रयागराज तक दुर्गम क्षेत्र के गांवों से होते हुए तय की। इस दौरान 1720 छात्रों को प्रोत्साहित किया गया। इसमें रणंजय इंटर कॉलेज (थेघा), चंडिका इंटर कॉलेज (संदवा चंडिका), प्रताप बहादुर पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज (प्रतापगढ़), ग्राम विकास इंटर कॉलेज (देलहुपुर) तथा एनसीसी कैंप, ठाकुर हर नारायणसिंह डिग्री कॉलेज (प्रयागराज) के छात्र शामिल थे।

हैंडपंप से पानी निकालकर पुलिस कर्मियों ने बुझाई आग

अमेठी। जामो थाने के पुलिस कर्मियों का एक मानवीय चेहरा सामने आया है। ईद मिलादुन्नबी के जुलूस से वापस आ रहे दो पुलिस कर्मियों ने रास्ते में एक छप्पर घर में लगी आग को देखकर हैंडपंप से पानी निकालकर बुझाया। किसी ने इसका वीडियो बनाकर शुक्रवार को वायरल कर दिया। पुलिस कर्मियों की प्रयास की लोग सराहना कर रहे हैं। जामो थाने के बलभद्रपुर गांव निवासी राजकुमार के छप्पर युक्त घर में बृहस्पतिवार को अचानक आग लग गई। आग की लपेट देख ग्रामीणों ने सूचना दमकल को देते हुए आग बुझाने की कोशिश शुरू कर दी। इसी बीच जामो थाने में तैनात सिपाही रमाकांत और अमित ईद मिलादुन्नबी जुलूस से ड्यूटी कर लौट रहे थे। दोनों सिपाही धुआं देख मौके पर पहुंचे और पास लगे हैंडपंप से बाल्टी में पानी निकाल आग पर काबू पाना शुरू कर दिया। सिपाहियों ने ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाते हुए बड़ी क्षति से राजकुमार को बचाया। किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। शुक्रवार को पूरे दिन वायरल वीडियो लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रही। एसएचओ जामो विवेक सिंह ने बताया कि पुलिस की जिम्मेदारियों को दोनों सिपाहियों को निभाया है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हर कोई पुलिसकर्मियों के प्रयास की तारीफ कर रहा है।

दीवानी कोर्ट के संचालन के लिए मांगी एनओसी

अमेठी। जिला मुख्यालय पर दीवानी न्यायालय संचालन की कवायद तेज हो गई है। पंद्रह दिन पहले हाईकोर्ट इलाहाबाद के प्रशासनिक न्यायमूर्ति ने अफसरों व अधिवक्ताओं के साथ बैठक कर दीवानी न्यायालय संचालन की बात कही। इसके बाद बार एसोसिएशन सभागार में दो कोर्ट चलाने की बात पर अधिवक्ता संगठन ने मंजूरी दी। अस्थाई कलेक्ट्रेट परिसर में दीवानी न्यायालय संचालन हो सके इसके लिए राजस्व परिषद को पत्र भेजकर अनापत्ति प्रमाण पत्र मांगा गया है।

पाइपलाइन बिछाने के बाद भरने होंगे गड्ढे

अमेठी। जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने के दौरान खोदी गई रोड या खड़ंजा को छोड़ना कार्यदायी संस्था को भारी पड़ेगा। डीएम के निर्देश कार्य पूर्ण करने के बाद तत्काल गड्ढों को भरकर ग्राम प्रधान का प्रमाण पत्र लिया जा रहा है। थर्ड पार्टी सर्वे पर मार्ग क्षतिग्रस्त होने की रिपोर्ट मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। अधिशासी अभियंता जल निगम बीपी सिंह ने बताया कि जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत जिले में 944 राजस्व ग्रामों में परियोजना पूर्ण करने के उद्देश्य से शासन स्तर से तीन फर्मों को कार्य आवंटित किया गया है। जिसमें वेलस्पन प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई को 240, मेसर्स गायत्री रैम्की प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद को 302 तथा मेसर्स विंध्या-टेलीलिंक्स गाजा प्राइवेट लि. नोएडा को 402 राजस्व ग्राम आवंटित है। आवंटित पेयजल परियोजनाओं में से 481 पर कार्य प्रारंभ हो चुका है। बताया कि योजनाओं में प्रस्तावित नलकूप उच्च जलाशय, पंप हाउस, बाउंड्रीवाल एवं पाइपलाइन का कार्य प्रगति पर है। कुल प्रस्तावित 9150.00 किलोमीटर पाइपलाइन के सापेक्ष 6225.00 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। बताया कि पाइपलाइन बिछाने के दौरान खोदी गई स्ट्रेच/रोड/खड़ंजा के गड्ढों को भरकर 401 राजस्व ग्रामों में पुर्नस्थापना का शत प्रतिशत कार्य संबंधित कार्यदायी संस्थाओं द्वारा पूर्ण कर लिया गया है। जिनका संबंधित ग्राम प्रधानों से प्रमाण पत्र भी प्राप्त किया गया है। शेष ग्राम पंचायत में पाइपलाइन बिछाने एवं तोड़ी गई रोड व खड़ंजे की पुर्नस्थापना का कार्य शीघ्र करने के निर्देश कार्यदायी संस्थाओं को दिए गए हैं।

अस्पताल का निलंबन करें निरस्त, वरना जनांदोलन

अमेठी। गौरीगंज के सपा विधायक राकेश प्रताप सिंह ने शुक्रवार को संजय गांधी अस्पताल के मामले को लेकर मोर्चा खोला। कलेक्ट्रेट में करीब तीन घंटे तक प्रदर्शन के बाद मौके पर पहुंचे डीएम को मांगों से संबंधित ज्ञापन दिया। कहा कि संजय गांधी अस्पताल मामले का निराकरण एक सप्ताह में नहीं हुआ तो जनांदोलन किया जाएगा। सपा विधायक अपने समर्थकों के साथ शुक्रवार को करीब 11:30 बजे कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां पर सबसे पहले एसडीएम गौरीगंज ज्ञापन लेने पहुंची। इसके बाद एडीएम पहुंचे। विधायक ने कहा कि ज्ञापन डीएम को ही देंगे। विधायक समर्थकों के साथ डीएम की गाड़ी के सामने बैठकर धरना लेंगे। बाद में डीएम ने पहुंचकर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन लिया। ज्ञापन में सर्जरी के दौरान हुई एक दुर्भाग्य पूर्ण घटना के शिकार पीड़ित परिजनों को आर्थिक सहायता दिलाने, संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस निलंबन के आदेश को निरस्त करने की मांग की गई।

डीएम से मिलने पहुंची किन्नर वैशाली, जानी मतदाता पहचान पत्र बनवाने की प्रक्रिया

अलीगढ़। आगामी लोकसभा चुनाव में फोटो पहचान पत्र बनवाने की जानकारी लेने के लिए किन्नर वैशाली ने कलेक्ट्रेट में जनता दर्शन के दौरान डीएम इंद्र विक्रम सिंह से जानकारी ली। अलीगढ़ में किन्नर समाज भी अपने अधिकारों एवं दायित्वों के प्रति अब जागरूक होने लगा है। सरकार मतदीकरण का प्रावधान किन्नर समाज में एक नई चेतना लेकर आया है। इसी क्रम में शनिवार को आगामी लोकसभा चुनाव में फोटो पहचान पत्र बनवाने की जानकारी लेने के लिए किन्नर वैशाली ने कलेक्ट्रेट में जनता दर्शन के दौरान डीएम इंद्र विक्रम सिंह से जानकारी ली। वैशाली ने अपने समाज से जुड़े सभी व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के संबंध में पहचान पत्र बनवाए जाने को लेकर वार्ता की। डीएम इंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि किन्नर समाज कल्याण विभाग के माध्यम से किन्नर समाज के सभी व्यक्तियों के पहचान पत्र बनाए गए हैं। इस पहचान पत्र के आधार पर भी जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा आपका मतदाता पहचान पत्र बड़ी सुगमता से बन सकता है। डीएम ने आग्रह किया कि अभी भी किन्नर समाज के जो व्यक्ति समाज कल्याण विभाग से अपना पहचान पत्र नहीं बनवा पाए हैं वह जल्द से जल्द विकास भवन स्थित जिला समाज कल्याण अधिकारी के माध्यम से बनवा लें, ताकि उनके मतदाता पहचान पत्र के साथ ही अन्य प्रपत्र आसानी से बन सकें।

पितृपक्ष पर पितरों को तर्पण-पिशाचमोचन कुंड पर पुरखों के लिए त्रिपिंडी श्राद्ध, हजारों लोगों ने किया पिंडदान

वाराणसी। पिशाचमोचन कुंड पर दो हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने पुरखों की आत्मा की शांति के लिए त्रिपिंडी श्राद्ध किया। वहीं दूसरे दिन शनिवार को भी पिशाच मोचन पर हजारों के संख्या में लोग पितृपक्ष में श्राद्ध करते नजर आए। पूर्णिमा के श्राद्ध के साथ ही मोक्ष भूमि काशी पर पुरखों को नमन और तर्पण करने का सिलसिला आरंभ हो गया। पहले ही दिन शुक्रवार को पिशाचमोचन कुंड पर दो हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने पुरखों की आत्मा की शांति के लिए त्रिपिंडी श्राद्ध किया। वहीं दूसरे दिन शनिवार को भी पिशाच मोचन पर हजारों के संख्या में लोग पितृपक्ष में श्राद्ध करते नजर आए।

पूर्वांचल के साथ ही मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, राजस्थान से श्रद्धालु पूर्णिमा के श्राद्ध के लिए पिशाचमोचन कुंड और गंगा के तट पर पहुंचे। इस साल श्राद्ध के पक्ष में 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। शुक्रवार को अस्सी से लेकर राजघाट और पिशाचमोचन कुंड पूर्णिमा का श्राद्ध करने वालों से गुलजार रहा। सबसे अधिक भीड़ का दबाव पिशाचमोचन कुंड पर रहा। पितरों के निमित्त त्रिपिंडी के अनुष्ठान के बाद श्रद्धालुओं ने दान पुण्य भी किया। वहीं गंगा के तट पर भी पूर्णिमा स्नान के साथ ही श्राद्ध करने वालों का तांता लगा रहा है। दशाश्वमेध घाट, अस्सी, राजघाट, मणिकर्णिका पर श्राद्ध और तर्पण करने वालों की भीड़ रही। वहीं दूसरी तरफ प्रतिपदा के श्राद्ध की तैयारियों को भी देर शाम तक अंतिम रूप दिया गया।

घाट की मढ़ियों और सीढ़ियों पर सज गईं चौकियां

भाद्रपद मास की पूर्णिमा से आश्विन शुक्ल पक्ष की अमावस्या तक चलने वाले पितृ पक्ष में मोक्ष नगरी काशी में दक्षिण भारत, बिहार, झारखंड, कोलकाता समेत अन्य प्रदेशों से श्रद्धालु अपने पूर्वजों का तर्पण करने आते हैं। पितृ पक्ष मास शुरू होने से पहले ही गंगा घाट से लगायत शहर की गलियों के होटल, लॉज, गेस्ट हाउस की बुकिंग फुल हो चुकी है। शुक्रवार को राजघाट, प्रह्लाद घाट, रानी घाट, गोला घाट, गाय घाट, पंचगंगा घाट और ब्रह्मा घाट तक की मढ़ियों और सीढ़ियों की चौकियां सज गईं हैं।

पितृपक्ष में पितरों की प्रसन्नता के लिए लगाएं पौधे

- पीपल, अशोक और तुलसी लगाने से खुश होते हैं पितृ।

पीपल में पानी के साथ दूध और तिल मिलाकर चढ़ाने से तृप्त होते हैं पितर। श्राद्ध पक्ष में पितरों की संतुष्टि के लिए तर्पण, पिंडदान और ब्राह्मण भोजन के साथ ही पौधे लगाए जाते हैं। पितृपक्ष के दौरान तर्पण के साथ ही पौधरोपण से भी पितरों का आशीर्वाद बरसता है। पितरों के साथ देवता भी प्रसन्न होते हैं। पीपल में देवताओं के साथ ही पितरों का भी वास होता है। इसलिए श्राद्ध पक्ष में पीपल का पेड़ लगाना चाहिए। इसके साथ बरगद, नीम, अशोक, बेलपत्र, तुलसी, आंवला और शमी का पेड़ लगाने से पर्यावरण को साफ रखने में मदद होगी।

काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सदस्य पं. दीपक मालवीय ने बताया कि पितृपक्ष के दौरान प्रयास करें कि कम से कम एक पौध अवश्य लगाएं। परिवार के मृत सदस्यों के मुताबिक भी अलग-अलग पेड़-पौधे लगाए जा सकते हैं। इसमें बच्चे के लिए अमरूद, आम या इमली का पेड़ लगाएं। कुंवारी लड़की के लिए आंवला, अनार या अंजीर का पेड़ लगाए जा सकते हैं। सौभाग्यवती स्त्री यानी शादीशुदा महिला के लिए अशोक, तुलसी या सीताफल का पेड़ लगाना चाहिए। दुर्घटना में मृत लोगों के लिए पीपल, बरगद, नीम या शमी का पेड़ लगाएं। माता, दादी और परदादी के लिए पलाश, पारस, पीपल या चंदन का पेड़ लगाया जा सकता है। पिता, दादा और परदादा के लिए बेलपत्र, पीपल, बरगद या आंवले का पेड़ लगाना चाहिए। पीपल के पेड़ पर दूध में पानी और तिल मिलाकर चढ़ाना चाहिए। इससे पितर संतुष्ट होते हैं।

बरगद- बरगद के पेड़ को ही साक्षी मानकर माता सीता ने राजा दशरथ के लिए पिंडदान किया था। बरगद पर जल चढ़ाकर इसकी परिक्रमा करने से पितर प्रसन्न होते हैं।

बेलपत्र- इस पेड़ में देवी लक्ष्मी और पत्तों में भगवान विष्णु का वास होता है। भगवान विष्णु की पूजा से पितृ प्रसन्न होते हैं। इसलिए इस पेड़ पर भी दूध में गंगाजल मिलाकर चढ़ाना चाहिए।

अशोक- अशोक के पेड़ को शुभ माना गया है। इसमें भी भगवान विष्णु का वास होता है। इस पेड़ को लगाने से पितृ देवता संतुष्ट और प्रसन्न होते हैं।

तुलसी- तुलसी का पौधा लगाने और उसकी पूजा से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं।

भगवान विष्णु के प्रसन्न होने से पितर भी संतुष्ट हो जाते हैं। इसलिए तुलसी का पौधा पितृपक्ष में लगाना चाहिए। तुलसी के पौधे में रोज जल डालने से भी पितर प्रसन्न होते हैं।

बुखार से मां-बेटी की मौत पर दो डॉक्टरों क खिलाफ केस, एसपी कार्यालय में पीड़ितों ने काटा था हंगामा

अमरोहा। परिवार के दो लोगों की मौत से भड़के लोगों ने एसपी दफ्तर पर प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल की लापरवाही से दोनों की मौत हुई है। सीओ अंजलि कटारिया ने बताया कि सोमपाल की तहरीर पर एएमएच हॉस्पिटल के चिकित्सकों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। चार दिन पहले कैलसा के एएमएच हॉस्पिटल में बुखार पीड़ित मां-बेटी की मौत के मामले में डॉ. सनी औलख और डॉ. ज्योति औलख के खिलाफ गैरइरादतन हत्या और एससी एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों पर गलत इलाज करके हत्या करने का आरोप है।

देहात थानाक्षेत्र मीरा सराय की मढैयां निवासी मजदूर सोमपाल सिंह की पत्नी निशा और बेटी छुटकी को पांच दिन पहले बुखार आया था। तबीयत बिगड़ने पर दोनों को कैलसा स्थित एएमएच हॉस्पिटल में भर्ती कराया। मंगलवार की शाम करीब सात बजे निशा की इलाज के दौरान मौत हो गई। दोपहर करीब एक बजे परिजन छुटकी की तबीयत जानने के लिए अस्पताल पहुंचे तो खुद छुटकी ने अपना स्वास्थ्य ठीक नहीं होने की बात कही। लिहाजा परिजनों ने अस्पताल संचालक, डॉक्टर और स्टाफ से छुटकी को रेफर करने के लिए कहा। आरोप है कि अस्पताल संचालक व स्टाफ ने छुटकी को रेफर करने से इन्कार कर दिया। इतना ही नहीं स्टाफ ने लोगों से अभद्रता की। अस्पताल कर्मियों का रवैया देखकर परिजनों ने पुलिस को मौके पर बुला लिया। पुलिस के सामने भी अस्पताल संचालक ने दुर्व्यवहार किया। करीब तीन घंटे तक अस्पताल में हंगामा चलता रहा। पुलिस के कहने पर अस्पताल स्टाफ ने छुटकी को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। परिजन छुटकी को लेकर जोया रोड स्थित एक निजी अस्पताल में पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया।

परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। इसके बाद परिजन छुटकी के शव को लेकर पुलिस ऑफिस पहुंचे। यहां शिकायती पत्र देकर अस्पताल संचालक, डॉक्टर व अन्य स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

परिजन एकत्र होकर एसपी कार्यालय पहुंचे और यहां अस्पताल संचालक व स्टाफ के खिलाफ प्रदर्शन किया। सीओ अंजलि कटारिया ने बताया कि मामले में पीड़ित सोमपाल की तहरीर पर एएमएच हॉस्पिटल के डॉ. सनी औलख और डॉ. ज्योति औलख के खिलाफ गैरइरादतन हत्या, धमकी, गाली गलौज और एससी एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

जल्दबाजी की इंजीनियरिंग में बिगड़ी डिजाइन, कुछ दिन और झेलना होगा जाम

वाराणसी। फुलवरिया फोरलेन का निर्माण चौथी बार निर्धारित मियाद पर नहीं पूरा हो सका। सड़क का काम 30 सितंबर तक पूरा करना था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब सेतु निगम अक्तूबर अंत तक फोरलेन का निर्माण पूरा करने का दावा कर रहा है। फुलवरिया फोरलेन पर एक महीने और जाम झेलना पड़ेगा। लहरतारा सर्विस रोड 20 अक्तूबर तक खुल सकेगी। इससे पहले लहरतारा और बौलिया सर्विस रोड के बीच बने कट के पास जाम की समस्या बनी रहेगी। सेतु निगम के इंजीनियर का कहना है कि जल्दबाजी की इंजीनियरिंग में सब गड़बड़ हुआ है। पहले फोरलेन लहरतारा चौराहा तक बननी थी, लेकिन इसे बढ़ाकर कबीर प्रकाट्य स्थली तक कर दिया गया। इससे डिजाइन बदलनी पड़ी। फोरलेन संकरी हो गई। जगह की कमी की वजह से ही इसे सिंगल लेन करके लहरतारा की तरफ सर्विस रोड बनानी पड़ी है। जल्द ही शिवपुर से आने वाले लोगों को सीधे बौलिया जाने को नहीं मिलेगा। उन्हें लहरतारा सर्विस रोड से नीचे उतरकर बौलिया की तरफ जाना पड़ेगा। शिवपुर से कबीर प्रकाट्य स्थली तक की सड़क वन-वे कर दी जाएगी। इस सड़क से मंडुवाडीह की तरफ ही जाया जा सकेगा। लहरातारा सर्विस रोड के पास से ओवर ब्रिज के ऊपर से मुड़कर बौलिया की तरफ जाने का मौका किसी को नहीं मिलेगा। इसी तरह बौलिया से ओवरब्रिज पर चढ़कर मंडुवाडीह की तरफ सीधे नहीं जाया जा सकेगा। सर्विस रोड से ही होकर जाना पड़ेगा। सभी रास्ते वन-वे हो जाएंगे। इसका साइनेज बोर्ड भी लगाए जाएंगे।

फुलवरिया फोरलेन का निर्माण चौथी बार निर्धारित मियाद पर नहीं पूरा हो सका। सड़क का काम 30 सितंबर तक पूरा करना था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब सेतु निगम अक्तूबर अंत तक फोरलेन का निर्माण पूरा करने का दावा कर रहा है। अगर ऐसा हुआ तो फोरलेन का लोकार्पण अक्तूबर में संभव नहीं होगा। नवंबर में लोकार्पण करके आधिकारिक तौर पर फोरलेन से आवागमन शुरू हो सकेगा।

वाराणसी में ओपी राजभर-अखिलेश यादव पर साधा निशाना

वाराणसी। सुभासपा सुप्रीमो ओपी राजभर शनिवार को वाराणसी पहुंचे। वाराणसी में ओपी राजभर ने अखिलेश यादव और राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला। बोले- अखिलेश यादव ने सीट बांटकर मेरा भी पेट भर दिया था। दोनों नेता झूठ बोलने में माहिर हैं। सुभासपा सुप्रीमो ओपी राजभर शनिवार को वाराणसी पहुंचे। ओपी राजभर ने वाराणसी में अपना बयान दिया। अखिलेश यादव के दलित सहभोज पर ओपी राजभर ने प्रहार किया। उन्होंने अखिलेश के दलित सहभोज को ड्रामा बताया। घोसी उपचुनाव में चाचा भतीजे की जोड़ी को लेकर भी बयान दिया। बोले- जब देश का चुनाव होता है तो जनता देश के हित के लिए वोट देती है। भ्रष्टाचार पर बड़े पैमाने पर लगाम लगी है। अखिलेश यादव के सीट बांटने वाले बयान पर भी ओपी राजभर ने अपना बयान दिया। बोले- अखिलेश यादव ने सीट बांटकर मेरा भी पेट भर दिया था।दोनों नेता झूठ बोलने में माहिर हैं। सपा में शिवपाल यादव को हमेशा शक की निगाह से देखा जा रहा है।

नसीरुद्दीन शाह की बेटी हिबा का जन्म प्रमाणपत्र हुआ जारी, तीन माह का करना पड़ा इंतजार

अलीगढ़। मुंबई निवासी फिल्म अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने अपनी बेटी हिबा का जन्म प्रमाणपत्र बनवाने के लिए एक रिश्तेदार के माध्यम से आवेदन नगर निगम में जुलाई 2023 में भेजा था। मगर आवेदन में कुछ कमियां थीं और वह गलत जोन में भी गया था। इस पर उसे वापस कर दिया गया। इसके बाद फिर से आवेदन किया गया। आखिरकार तीन माह के इंतजार और जांच पड़ताल के बाद फिल्म अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की बेटी हिबा नसीरुद्दीन शाह का जन्म प्रमाणपत्र नगर निगम ने जारी कर दिया। नगर निगम ने सीएमओ कार्यालय और मजिस्ट्रेट से रिपोर्ट मिलने के बाद प्रमाणपत्र जारी करने पर निर्णय लिया। फिल्म अभिनेता के रिश्तेदार आवेदक को प्रमाणपत्र सौंप दिया गया है। बता दें कि पासपोर्ट से जुड़ी जरूरत के लिए जन्म के 53 वर्ष बाद हिबा को इस प्रमाणपत्र की जरूरत हुई है। मुंबई निवासी फिल्म अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने अपनी बेटी हिबा का जन्म प्रमाणपत्र बनवाने के लिए एक रिश्तेदार के माध्यम से आवेदन नगर निगम में जुलाई 2023 में भेजा था। मगर आवेदन में कुछ कमियां थीं और वह गलत जोन में भी गया था। इस पर उसे वापस कर दिया गया। इसके बाद फिर से आवेदन किया गया। जिसे जोन अधिकारी ने सुरपरवाइर को जांच के लिए भेजा गया। सुपरवाइजर ने रिपोर्ट देकर सीएमओ कार्यालय से उस टीकाराम नर्सिंग होम के विषय में रिपोर्ट लेने को कहा, जिसमें जन्म होना बताया गया। क्योंकि सेंटर प्वाइंट का वह अस्पताल बंद हो गया है। इस पर सीएमओ कार्यालय व मजिस्ट्रेट के यहां आवेदन भेजकर उस पर रिपोर्ट मांगी गई। सीएमओ कार्यालय ने भी उस अस्पताल की जानकारी देते हुए नियमानुसार जन्म प्रमाण पत्र जारी करने का आदेश कर दिया। एसडीएम ने भी सभी रिपोर्ट का अवलोकन करने के बाद जन्म प्रमाण पत्र जारी करने को संस्तुति कर दी। इसके बाद जन्म प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। जिसमें नसीरुद्दीन शाह की बेटी का जन्म 1970 में सेंटर प्वाइंट के नर्सिंग होम में होने का उल्लेख है। उस समय नसीरुद्दीन शाह अपनी पहली पत्नी के साथ यहां रहते थे। बता दें कि वैसे जन्म प्रमाणपत्र पंद्रह से बीस दिन में जारी होने का नियम है। यह भी बता दें कि जन्म प्रमाण पत्र का आवेदन अगर जन्म के एक वर्ष के बाद होता, है तो उसमें मजिस्ट्रेट से रिपोर्ट ली जाती है। नसीरुद्दीन शाह की बेटी हिबा के जन्म प्रमाणपत्र आवेदन पर मजिस्ट्रेट व सीएमओ कार्यालय की रिपोर्ट मिलने के बाद प्रमाण पत्र जारी कर दिया है। जिस रिश्तेदार के द्वारा आवेदन किया गया था, उसे प्रमाण पत्र सौंप दिया गया है।-अशोक कुमार सिंह, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी/जोन अधिकारी

लूटकांड का तीसरा आरोपी भी पुलिस के हत्थे चढ़ा

उन्नाव। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर लकड़ी कारोबारी के मुनीम से हुई 14.98 लाख की लूट में शामिल मुख्य साजिशकर्ता के साथी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कानपुर के रामादेवी चौराहे के पास बस से उतरते ही पुलिस ने उसे दबोच लिया। लुटेरे की पहचान के लिए पुलिस टीम उसके पिता को साथ लेकर गई थी। लकड़ी कारोबारी अशोक पाल और उनके साझेदार सैफी का मुनीम शोभित मिश्रा को लखनऊ से व्यापारी से बकाया 14.98 लाख रुपये लेकर आते समय मंगलवार को उसके ही ममेरे भाई ने साजिश रचकर लूट लिया था। पुलिस ने बुधवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर और लूट के 10.50 लाख रुपये व घटना में प्रयोग की गई एसयूवी बरामद करते हुए घटना का खुलासा किया था।

पीड़ित शोभित के ममेरे भाई और घटना की साजिश रचने वाले बेहटामुजावर थाना के रसूलपुर रूरी गांव निवासी नवीन बाजपेयी के साथ लूट की योजना बनाने और उसे अंजाम देने वाले कानपुर बिधनू के गांव जामू निवासी कुलदीप सिंह पुलिस ने गुरुवार देर रात कानपुर के रामादेवी चौराहे से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से लूट की रकम के 3.50 लाख रुपये और तमंचा-कारतूस भी बरामद हुआ है। हसनगंज कोतवाली प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि लूट के आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया है। घटना के बाद से ही मोबाइल फोन की लोकेशन के आधार पर उसका पीछा कर रही पुलिस टीम ने कुलदीप का मध्य प्रदेश के सतना तक पीछा किया लेकिन वह हाथ नहीं लगा। उसने बांदा में नया सिमकार्ड लेकर उसे अपने मोबाइल में डाला था। उसे लगता था कि सिमकार्ड बदलने के बाद पुलिस उसकी लोकेशन ट्रेस नहीं कर पाएगी। लेकिन पुलिस ने उसके मोबाइल को ट्रैक कर लिया था और उसमें जैसे ही नया सिम डाला उसकी भी लोकेशन पता कर ली। हालांकि कुलदीप ने अपना मोबाइल फोन ही बंद ही रखा, इससे पुलिस उसे पकड़ नहीं पाई। बस से लौटते समय कुलदीप ने किसी से व्हाट्सएप कॉल करने के लिए घाटमपुर के पास मोबाइल का स्विच ऑन किया और पुलिस को उसकी नई लोकेशन मिल गई और पुलिस उस तक पहुंच गई।

एक्सप्रेसवे पर हुई लूट की घटना का 24 घंटे में खुलासा करने पर व्यापार मंडल के अध्यक्ष राम धीरज यादव, संतोष विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष अयूब अली, हर्ष श्रीवास्तव, मनोज सोनी, मनीष सिंह, शोभित गुप्ता, विजय कश्यप, विजय यादव आदि ने सीओ संतोष सिंह को राम दरबार का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

रेल संरक्षा व सुरक्षा नियमों के पालन में न बरतें कोताही

अमेठी। गौरीगंज रेलवे स्टेशन का शुक्रवार को उत्तर रेलवे लखनऊ के मंडल रेल प्रबंधक डॉ. मनीष थपल्याल ने औचक निरीक्षण किया। स्टेशन पर साफ-सफाई के साथ सुरक्षा व संरक्षा की हकीकत देखने के बाद एसीसी फैक्टरी में व्यापारियों व अन्य लोगों से वार्ता की।

मंडल रेल प्रबंधक शुक्रवार मंडल के अन्य अधिकारियों के साथ लखनऊ-रायबरेली-गौरीगंज रेलखंड का निरीक्षण किया। गौरीगंज स्टेशन के प्लेटफार्म पर मौजूद सुविधाओं की जांच करने के साथ परिचालन व्यवस्था की जांच की। एसीसी सीमेंट फैक्टरी पहुंच बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट के अंतर्गत अधिकारियों के साथ रेलवे के साथ व्यापार संबंधी नीतियों के प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने गौरीगंज स्टेशन का निरीक्षण किया एवं स्टेशन पर उपलब्ध सुविधाओं को बढ़ाने को कहा। व्यापारी नेता अजय अग्रवाल ने डीआरएम से रेलवे साइडिंग पर सुविधा बढ़ोत्तरी करने सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की।

नाराज पत्नी को लेने ससुराल पहुंचे युवक का शव फंदे से लटका मिला

अमरोहा। क्षेत्र के गांव झुंडी माफी में बृहस्पतिवार की शाम नाराज पत्नी को लेने गए सकतपुर करनपुर निवासी परम सिंह (35) पुत्र श्याम सिंह का शव शुक्रवार की सुबह ससुर के खेत में फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजने के बाद मृतक के पिता की तहरीर पर पत्नी चंद्रवती समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सैदनगली थाना क्षेत्र के गांव सकतपुर करनपुर निवासी परम सिंह पुत्र श्याम सिंह की शादी करीब 10 वर्ष पूर्व थाना क्षेत्र के ही गांव झुंडी माफी निवासी चंद्रवती के साथ हुई थी। शादी के डेढ़ वर्ष बाद चंद्रवती ने एक बेटे को जन्म दिया। इसके बाद दंपती में अनबन शुरू हो गई। जिसके चलते पांच वर्ष पहले चंद्रवती मायके चली गई और तब से वहीं रह रही है। इस बीच रिश्तेदारों और गांव के लोगों ने कई बार पंचायत के माध्यम से दोनों पक्षों में समझौता करने का भी प्रयास किया था लेकिन बात नहीं बन सकी। बृहस्पतिवार की शाम को परम सिंह अपनी पत्नी को बुलाने के लिए ससुराल गया था। लेकिन शुक्रवार की सुबह को परम सिंह का शव अपने ससुर के खेत में पॉपलर के पेड़ से फंदे पर लटका मिला। उसके पैर जमीन से सटे हुए थे। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए और ससुराल वालों पर हत्या कर शव पेड़ पर लटकाने का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और शव नीचे उतरवाया।

सीओ के अलावा विधायक महेंद्र खड़गवंशी भी पहुंच गए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने पिता की तहरीर पर पत्नी चंद्रवती, ससुर लालमन, साला ओमपाल, चचिया ससुर सुभाष व सास त्रिवेणी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

सात लाख का 14 लाख दिया, फिर भी बना रहा कर्जदार

आजमगढ़। रेलवे में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी ने सूद पर सात लाख रुपये कर्ज लिया था और दो गुना से अधिक अदा भी कर दिया फिर भी कर्जदार बना रहा। हद तो तब हो गई जब सूदखोर ने 14 लाख से अधिक रुपये वसूलने के बाद भी पैसे के लिए उसकी पिटाई कर दी और जान से मारने की धमकी दी। थाने पर सुनवाई न होने पर पीड़ित ने एसपी से गुहार लगाई। एसपी के निर्देश पर एक नामजद और दो अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

महराजगंज थाना क्षेत्र के रग्घूपुर गांव निवासी मुखराम नाई रेलवे में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी था। जनवरी 2013 में उसने गांव के ही बाबूराम पांडेय से सात लाख रुपये मकान बनवाने के लिए सूद पर लिया था। पांच प्रतिशत प्रतिमाह की दर से वह नौ माह तक 3.15 लाख बतौर सूद देता रहा। अक्टूबर 2013 में वह सेवानिवृत्त हुआ तो फिर एक मुश्त सात लाख रुपये अपने खाते से निकाल कर मूल भी चुकता कर दिया। आरोप है कि जनवरी 2019 में सूदखोर बाबूराम पांडेय ने उसे बुलाया और कहा कि अभी सूद कर चार लाख बाकी है, दे दो नहीं तो जान से मार कर दफन कर देंगे। सूदखोर के भय के चलते मुखराम नाई ने अपने उस मकान को भी बेच दिया, जिसे उसने सूद पर सात लाख रुपये लेकर बनवाया था। इसके बाद चार लाख रुपये पुत्र प्रदीप के साथ ले जाकर बाबूराम को दे दिया। फिर बाबूराम शांत हो गया। कुछ दिन बाद बाबूराम ने उसे फिर बुलाया और कहा कि सूद का अभी दो लाख रुपये बकाया है। 10-10 हजार रुपये दे दो। पीड़ित मुखराम नाई एक बार फिर 10-10 हजार रुपये का भुगतान बाबूराम को प्रतिमाह करने लगा। छह सितंबर को शाम चार बजे वह बाबूराम के घर गया और कहा कि वह सारा पैसा दे चुका है और अब उससे जबरन वसूली की जा रही है। इस बात पर बाबूराम भड़क गया और गालियां देते हुए मौके पर मौजूद दो अन्य अज्ञात लोगों के साथ मिल कर उसकी पिटाई कर दी। स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप कर उसे बचाया। पीड़ित ने थाने पर शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। परेशान होकर उसने एसपी कार्यालय पर शिकायती पत्र दिया।

एसपी के निर्देश पर 25 सितंबर को मुकदमा दर्ज पुलिस जांच पड़ताल की कवायद में जुट गई है।

स्कॉर्पियो और ट्रैक्टर में भिड़ंत, सात लोग हुए घायल

अलीगढ़। गोंडा थाना क्षेत्र के भोज नगरिया मजूपुर सुबकरा निवासी स्कॉर्पियो कार चालक रंजीत सिंह पुत्र हरपाल सिंह अपने परिवार के लोगों को लेकर राजघाट गंगा स्नान करने गये थे। वापस आते वक्त स्कॉर्पियो ल्होसरा के पास के निकट अमरपुर गांव पर बने कट के सामने तेज रफ्तार ट्रैक्टर से भिड़ गई। टक्कर लगते ही कार में सवार लोगों में चीख पुकार मच गई। अलीगढ पलवल हाईवे पर शुक्रवार शाम स्कॉर्पियो और ट्रैक्टर की टक्कर में सात लोग घायल हो गये। स्कॉर्पियो सवार चार लोगों की हालात गंभीर होने पर उन्हें एएमयू के जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। क्षतिग्रस्त हुई स्कॉर्पियो व ट्रैक्टर को लोधा पुलिस ने थाना परिसर में खड़ा करा दिया है। पुलिस के अनुसार गोंडा थाना क्षेत्र के भोज नगरिया मजूपुर सुबकरा निवासी स्कॉर्पियो कार चालक रंजीत सिंह पुत्र हरपाल सिंह अपने परिवार के लोगों को लेकर राजघाट गंगा स्नान करने गये थे। वापस आते वक्त स्कॉर्पियो ल्होसरा के पास के निकट अमरपुर गांव पर बने कट के सामने तेज रफ्तार ट्रैक्टर से भिड़ गई। टक्कर लगते ही कार में सवार लोगों में चीख पुकार मच गई। आवाज सुनकर स्थानीय लोग दौड़े और पुलिस को सूचना दी।

दो धर्म-दो नाम से जीवन जी रहा था लूट में गिरफ्तार मैनेजर, सभी आरोपी भेजे जेल

अलीगढ़। घटना देर शाम की है, जब अवंतिका आर्यनगर के पास लोहा कारोबारी गौरव गोदानी के कर्मचारी अभिषेक से 40 हजार रुपये लूट लिए गए थे। घटना की जांच में उजागर हुआ कि उनके ही दूसरे कर्मचारी ने यह रुपये अपने साथियों से मिलकर लुटवाए थे। पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से जांच की तो सच सामने आ गया।

अलीगढ़ के क्वार्सी इलाके में लोहा व्यापारी गौरव गोदानी के कर्मचारी से लूट कराने में शामिल मैनेजर दो नाम और दो धर्मों से जीवन जी रहा है। उसके पास दो अलग-अलग नाम व धर्मों के आधार कार्ड मिले हैं। पुलिस ने इसकी जांच शुरू कर दी है। इधर, गिरफ्तार किए गए आरोपी मैनेजर व उसके अन्य साथियों को शुक्रवार को जेल भेज दिया गया है। घटना बुधवार देर शाम की है, जब अवंतिका आर्यनगर के पास लोहा कारोबारी गौरव गोदानी के कर्मचारी अभिषेक से 40 हजार रुपये लूट लिए गए थे। घटना की जांच में उजागर हुआ कि उनके ही दूसरे कर्मचारी ने यह रुपये अपने साथियों से मिलकर लुटवाए थे। पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से जांच की तो सच सामने आ गया।

पुलिस ने गौरव गोदानी के मैनेजर सुमित निवासी आंबेडकर नगर, क्वार्सी को गिरफ्तार किया। साथ ही उसके साथी निशात बाग चिलकौरा के महबूब, शाहिद व रजा नगर के सूफियान को गिरफ्तार कर किया। इनसे लूटी गई रकम, पल्सर बाइक व तमंचा आदि बरामद हुआ। मुख्य आरोपी सुमित ने स्वीकार किया कि उस पर कुछ कर्ज हो गया था। इसी के चलते उसने इस लूट को अंजाम दिलाया था। इधर, शुक्रवार को लोहा व्यापारी के सहयोग से पुलिस को सुमित के दो नाम, पते वाले दस्तावेज मिले हैं। एक आधार कार्ड, जो गिरफ्तारी के समय मिला, उसमें उसका नाम पता सुमित के नाम से है। अब एक पैनकार्ड मिला है, जिसमें उसका नाम पता सुमित के नाम से है। इसके अलावा, एक और आधार कार्ड हाल ही का बना हुआ मिला है, जिसमें उसका नाम अयान मिर्जा केयर ऑफ अख्तर मिर्जा निवासी हमदर्द नगर, जमालपुर लिखा है। इस आधार कार्ड पर सुमित का ही फोटो लगा है। सीओ तृतीय एके सिंह के अनुसार, फिलहाल चारों आरोपियों को जेल भेज दिया है। सुमित के पास से मिले दो नाम व धर्म से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसों में बाइक सवार सहित दो की मौत

अमेठी। जिले में दो अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में बाइक सवार सहित दो की मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जामो थानाक्षेत्र के गांव सम्भई निवासी दयाराम साहू(58) शुक्रवार की अलसुबह बाइक से गंगा स्नान के लिए डलमऊ जा रहे थे। रायबरेली अयोध्या राजमार्ग पर कस्बे के पास अपना धर्मकांटा के सामने पहुंचे थे कि तभी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। वह घायल हो गए। लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को देते हुए दयाराम को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने दयाराम को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दयाराम के मौत की सूचना परिजनों को दी। मृतक के पुत्र सोमनाम की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। एसएचओ धीरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि दुर्घटना के समय दयाराम ने हेलमेट नहीं लगाया था। जल्द ही वाहन को चालक समेत गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, जगदीशपुर थानाक्षेत्र के वारिसगंज निवासी जमील अहमद (75) साइकिल से नमाज पढ़ने मस्जिद गए थे। देर शाम लौटते समय कस्बे में ई-रिक्शा से साइकिल की टक्कर हो गई। दुर्घटना में जमील अहमद गंभीर रूप से घायल हो गए।

अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को अपना कर रह सकते है निरोगी-अविनाश किशोर

बड़ौदा स्वरोजगर ग्रामीण विकास संस्थान ने स्वच्छता ही सेवा के तहत की साफ सफाई

बलराम मौर्य

अयोध्या। बड़ौदा स्वरोजगर ग्रामीण विकास संस्थान RSETI और बैंक ऑफ बड़ौदा अयोध्या ने संयुक्त रूप से स्वच्छता दिवस पर सरयू जी के घाट की सफाई किया RSETI संस्था के डारेक्टर श्री अविनाश किशोर और बैंक ऑफ बड़ौदा के आरएम अनिल झा जी ने अयोध्या सरयू नदी घाट पर हरी झंडी दिखाकर स्वच्छता दिवस मिशन की शुरुआत की और संस्था के द्वारा घाट की सफाई में प्रयोग होने वाले उपकरणों को सभी को वितरित करके सभी से घाटों की सफाई करने के लिए आवाहन किया RSETI के डायरेक्टर श्री अविनाश किशोर ने सभी पर्यटन गाइड को स्वच्छता पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि संस्था ने आप लोगों को देश-विदेश से पर्यटन के क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों को गाइड के रूप में सभी ऐतिहासिक व पुरातात्विक अवशेषों और मंदिरों को दिखाते हुए उनसे प्रेम का व्यवहार करते हुए साफ सफाई का भी ध्यान रखें संस्था के संजय कुमार यादव सर जी और अजीत सर जी ने कहा कि आज हम घाटों की सफाई कर रहे हैं इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि आप लोग राह चलते हुए कूड़ा करकट ,पान मसाला खा करके गंदगी करें आज आप सभी को यह प्रण लेना होगा की हम जहां भी रहेंगे हमेशा स्वच्छता पर ध्यान देंगे घाट की सफाई के बाद बैंक ऑफ़ बरोदा के तरफ से जलपान कराया गया और साथ ही साथ सभी का धन्यवाद किया उक्त कार्यक्रम में बैंक ऑफ़ बड़ौदा संस्था के नीरज मछुआर , आरएम अनिल झा , आदेश प्रजापति व आरसेटी संस्था के डारेयक्टर श्री अविनाश किशोर संजय यादव , अजीत मौर्य , अमित श्रीवास्तव , देश दीपक , नागेन्द्र तिवारी प्रमोद मिश्रा व सभी छात्र गाइड विकास मौर्य , बब्बन यादव , सुशील कुमार मौर्य , राजेंद्र पाल , अंकुर मौर्य , कृपा शंकर मौर्य , रवि प्रकाश पाण्डेय, लक्ष्मी कांत मौर्य , अशीष मौर्य , ज्ञानेंद्र मौर्य , अमरजीत पाल , अजीत वर्मा , सूर्य प्रकाश , दुर्गेश सिंह , शैलेंद्र कुमार , रवि सोनकर , विजय , सन्तोष मिश्रा , विनीत तिवारी , ऋषभ कुमार , अवधेश यादव , रोहित गुप्ता , प्रिंस मोदनवाल , संजय यादव , सभाजीत यादव , मनीष जायसवाल , विकास कुमार,आदि सैकड़ों लोग सफाई अभियान मे भाग लिए।

154वें गांधी जयन्ती समारोह को सम्मानपूर्वक आयोजित किया जायेगा-जिलाधिकारी

अयोध्या। शासन के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार ने समस्त कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित किया है कि पूर्व की भांति इस वर्ष भी 02 अक्टूबर, 2023 को 154वीं गांधी जयन्ती समारोह को सम्मानपूर्वक आयोजित किया जायेगा। जिसके अंतर्गत सभी राजकीय भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाये, कार्यालयों, विद्यालयों और दूसरी संस्थाओं के किसी बड़े कक्ष या हाल में किसी वरिष्ठ अधिकारी, प्रधानाचार्य या अध्यक्ष द्वारा प्रातः 09ः30 बजे महात्मा गांधी जी के एक चित्र का अनावरण व माल्यार्पण किया जाये और उसके बाद गांधी जी के जीवन-संघर्ष उनकी देश-सेवा, उनके जीवन-मूल्यों पर प्रकाश डाला जाये। विशेष रूप से निर्बलों एवं कमजोरों के कल्याण सम्बन्धी अन्त्योदय की उनकी अवधारणा, भावनात्मक एकता, राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता के सम्बन्ध में उनके विचारों को संक्षेप में परिचय दिया जाये। स्कूलों और कॉलेजों में गांधीवादी जीवन-दृष्टि का प्रचार तथा गांधी जी के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर विद्यार्थियों की वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं गोष्ठी आयोजित की जाये। प्रदेश सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, महिला हेल्प लाइन, निराश्रित महिला पेंशन, मिशन शक्ति, महिला समूहों, बी0सी0 सखी, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह आदि योजनाओं के माध्यम से उन्हें लाभान्वित कर आत्मनिर्भर बनाये जाने हेतु प्रचार-प्रसार किया जाय।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस के अवसर पर शतायु मतदाताओं को अंगवस्त्र, पुष्प एवम् मिष्ठान प्रदान कर किया सम्मानित

त्रिगुट संवाददाता

अयोध्या। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नितीश कुमार ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस के अवसर पर तहसील सदर के शतायु मतदाताओं को अंगवस्त्र, पुष्प एवम् मिष्ठान प्रदान कर किया सम्मानित।

जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नितीश कुमार ने जिलाधिकारी कार्यालय में 01 अक्टूबर को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस के अवसर पर शतायु (100 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके) मतदाताओं को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सम्मानित किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने तहसील सदर के शतायु मतदाताओं यथा- प्यारे लाल, श्याम लाल, विद्यादेवी सेठ, कैफरिन, जहरूल्निशा आदि को अंगवस्त्र, पुष्प एवम् मिष्ठान प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित बूथ लेवल ऑफिसर्स (बी0एल0ओ) को अपने-अपने क्षेत्र में शत प्रतिशत पात्र मतदाताओं का मतदाता सूची में नाम जोड़ने तथा मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित करने को कहा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन/उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अमित सिंह, उपजिलाधिकारी सदर श्री राज कुमार पांडेय, तहसीलदार सदर भी उपस्थित रहे। वर्तमान में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 271-रुदौली में 146, 273-मिल्कीपुर में 79, 274-बीकापुर में 108, 275-अयोध्या में 63 तथा 276-गोसाईगंज में 81 शतायु मतदाता हैं। इस प्रकार जनपद में कुल 477 शतायु मतदाता हैं। इसी के साथ ही जनपद के अन्य समस्त तहसीलों में शतायु मतदाताओं को सम्मानित किया गया।

पीएम ने 13,500 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं राष्ट्र को कीं समर्पित

तेलंगाना में भाजपा ने फूंका चुनावी बिगुल, कार्यक्रम में सीएम केसीआर नहीं हुए शामिल

महबूबनगर (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना में 13,500 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं आज राष्ट्र के नाम समर्पित करते हुए राज्य के विकास का वादा किया। इस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी के लिए चुनावी बिगुल बजा दिया है। पीएम मोदी ने दोपहर में महबूबनगर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस एवं सत्तारूढ़ बीआरएस दोनों के खिलाफ हमला बोला। बता दें कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव राज्य में पीएम मोदी के कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए और उनके मंत्री एवं बीआरएस नेता तलसानी श्रीनिवास यादव ने प्रधानमंत्री के आगमन पर उनका स्वागत किया। बाद में यादव ने पीएम के आधिकारिक कार्यक्रमों में भी हिस्सा ?लिया। इस बीच, केंद्रीय पर्यटन मंत्री और भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की आलोचना करते हुए कहा कि सीएम राव विभिन्न विकास गतिविधियों के मद्देनजर प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों में शामिल होने से बच रहे हैं। पीएम ने रविवार को तेलंगाना में 13,500 करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया व कुछ परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी।

प्रधानमंत्री ने महबूबनगर जिले में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान नागपुर-विजयवाड़ा आर्थिक गलियारे से संबंधित महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखी, भारतमाला परियोजना के तहत विकसित हैदराबाद-विशाखापत्तनम गलियारे से संबंधित सड़क परियोजना का लोकार्पण किया, प्रमुख तेल और गैस पाइपलाइन परियोजनाओं की आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित की और साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हैदराबाद (काचीगुडा)-रायचूर ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरानलोगों को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड स्थापित करने के केंद्र के फैसले की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारत हल्दी का प्रमुख उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक है और तेलंगाना के किसान भारी मात्रा में हल्दी का उत्पादन करते हैं। पीएम मोदी ने एक और घोषणा करते हुए कहा कि भारत सरकार मुलुगु जिले में एक सेंट्रल ट्राइबल यूनिवर्सिटी की स्थापना करने जा रहा है। इसका नाम आदिवासी देवियां सम्मक्का-सारक्का के नाम पर रखा जाएगा। गौरतलब है ?कि तेलंगाना में आगामी कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। गौरतलब है ?कि पीएम मोदी का तीन अक्टूबर को निजामाबाद में एक जनसभा को संबोधित करने और परियोजनाओं का शिलान्यास करने का भी कार्यक्रम है।

हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा होना चाहिए साफ सफाई-अमित कुमार राव

स्वच्छता ही सेवा के तहत मांझा काजीपुर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय की हुई साफ सफाई

त्रिगुट संवाददाता

मया बाजार (अयोध्या)। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आवाहन पर गाँधी जी के जन्म दिन को स्वच्छता ही सेवा के तहत ग्राम पंचायत विकास अधिकारी मांझा काजीपुर अमित कुमार राव ने स्वच्छता ही सेवा 2023 के राष्ट्रीय अभियान के तहत पूर्व माध्यमिक विद्यालय मांझा काजीपुर परिसर में सफाई करने के बाद अपने संदेश में कहा कि स्वच्छता का हमारे जीवन में अहम योगदान है। यह हमारे स्वस्थ जीवन का हिस्सा है। इसे अपना कर हम लोगों को सफाई अभियान में योगदान प्रदान करना चाहिये।अपने पास पड़ोस की सफाई बहुत ही जरुरी है, इसके बिना जीवन की कल्पना अधूरी है। हमें अपने घर व परिसर के साथ ही आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रतिदिन श्रमदान करना चाहिए।

श्री राव ने कहा कि वहीं अपने परिवार व समाज के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए , अपने घर के साथ ही अपने कार्य स्थल की सफाई करना हमारी भी जिम्मेदारी है। इसको हमें अपने प्रति दिन के व्यवहार में शामिल करना चाहिए द्य ग्राम प्रधान धर्मेंद्र चौहान ने कहा कि साफ सफाई का कार्य केवल एक दिन करने की जरूरत नही है बल्कि अपने रोज के कार्यो में शामिल होना चाहिए तभी महात्मा गाँधी के जंमदिवस की सच्ची श्रद्धांजलि होगी । इस अवसर पर ग्राम पंचायत सचिव अमित कुमार राव , धर्मेंद्र चौहान ग्राम प्रधान मांझा काजीपुर , संजीव तिवारी जगदीश, शिव प्रसाद सहित कई अन्य ग्रामीण लोग मौजूद रहे।

कोरोना की तरह डेंगू के आंकड़े भी छिपा रहा स्वास्थ्य महकमा, सेहत से खिलवाड़ क्यों ?

वाराणसी। वाराणसी के सरकारी व गैर सरकारी पैथालॉजी में खून की जांच कराने और ब्लड बैंकों से प्लेटलेट्स लेने वालों की लाइन लंबी है। जांच कराने वालों में डेंगू के लक्षण हैं, लेकिन स्वास्थ्य महकमे की तरफ से पीड़ितों की संख्या कम करके जारी की जा रही है। कोरोना की तरह ही डेंगू के आंकड़े भी स्वास्थ्य महकमा छिपा रहा है। सरकारी व गैर सरकारी अस्पताल बुखार पीड़ितों से भरे हैं। डेंगू के लक्षण हैं, फिर भी महकमा मानने को तैयार नहीं है। वाराणसी के साथ ही मिर्जापुर और आजमगढ़ मंडल के ज्यादातर जिलों में डेंगू फैला है। सबसे बड़ा सवाल है कि स्वास्थ्य महकमा शहरवासियों के सेहत से खिलवाड़ क्यों कर रहा है ? कोरोना काल में भी ऐसे ही हुआ था ।वाराणसी के सरकारी व गैर सरकारी पैथालॉजी में खून की जांच कराने और ब्लड बैंकों से प्लेटलेट्स लेने वालों की लाइन लंबी है। जांच कराने वालों में डेंगू के लक्षण हैं, लेकिन स्वास्थ्य महकमे की तरफ से पीड़ितों की संख्या कम करके जारी की जा रही है। ब्लड बैंकों से रोजाना 200 से 250 यूनिट प्लेटलेट्स दिए जा रहे हैं, जबकि स्वास्थ्य महकमा रोजाना डेंगू पीड़ितों की संख्या दस से कम ही बता रहा है। महकमे का तर्क है कि केवल एलाइजा पॉजिटिव को ही डेंगू पीड़ित माना जाता है। हालांकि, कोरोना काल में एंटीजन किट से जांच के बाद ही सतर्कता बरती जाती थी। आरटीपीसीआर जांच के बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जाती थी, लेकिन डेंगू व चिकनगुनिया के मामले में ऐसा नहीं किया जा रहा।

खटारा बसों से छुटकारा फिलहाल मुश्किल

बदायूं। यहां के रोडवेज डिपो में शामिल 106 बसों में से ज्यादातर की हालत खराब है।शुक्रवार को प्रदेशसरकार की कैबिनेट ने एक हजार नई बसें खरीदने का फैसला लिया, मगर इस फैसले से बदायूं को बहुत ज्यादा लाभ मिलना मुश्किल ही होगा ।कारण यह है कि इन एक हजार बसों में से ज्यादातर लंबी दूरी वाले रास्तों के लिएदी जाएंगी या धार्मिक स्थल वाले जिलों के लिए।? कुछराहत मिलने के बावजूद यात्रियों को जाड़ों में टूटे हुएशीशों वाली बसों में ही सफर करना होगा तो टूटी हुईसीटों पर ही बैठना होगा। ?इन बसों के वाइपर भी सलामत नहीं हैं। जिससे हादसा होने का भी डर रहता है। परिवहन निगम के पास वैसे तो 106 सरकारी के अलावा 43 अनुबंधित बसें भी हैं, लेकिन उनकी हालत भी बेहद खराब है। रोडवेज बसों की कई साल से ढंग से मरम्मत तक नहीं हुई है। एक पुर्जा खराब होता है तो उसे बदलकर बस को चालू कर दिया जाता है। फिर दूसरी बार मरम्मत कराने की भी जरूरत नहीं समझी जाती। कई बसों को तो पुराने घिसे-पिटे टायरों पर ही दौड़ाया जा रहा है। वे रास्ते में कब पंक्चर हो जाएं, यह किसी को नहीं पता।

स्वच्छान्जलि दी गई

अयोध्या ।स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत 1 तारीख 1 घंटा स्वच्छता के लिए कार्यक्रम के तहत गांव एवं शहर को स्वच्छ बनाने हेतु सार्वजनिक कार्यों को प्रेरित करने के लिए नोडल अधिकारी श्री अनिल गर्ग प्रमुख सचिव सिंचाई एवं जल संसाधन, जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार, माननीय सांसद श्री लल्लू सिंह, माननीय विधायक श्री वेद प्रकाश गुप्ता, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारी आदि द्वारा सामूहिक रूप से राम की पैड़ी, लता मंगेशकर चौक आदि स्थलों पर स्वच्छान्जलि दी गई। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर सहित जनपद के समस्त विभागीय कार्यालय सार्वजनिक स्थलों पर विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों एवं नागरिकों द्वारा सामूहिक रूप से श्रमदान किया गया तथा स्वच्छता पर स्वच्छान्जलि दी गई।

कमला प्रसाद यादव ने किया विधायक से शिष्टाचार भेंट

मयाबाजार (अयोध्या)। 276 विधानसभा गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह को पुष्पगुच्छ भेंट कर नवनिर्वाचित जिला मंत्री पंचायती राज विभाग ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ जनपद अयोध्या ने शिष्टाचार मुलाकात की जिसमें उनके समर्थक राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिला मंत्री रामप्रकाश सिंह ने माननीय विधायक जी को अंग वस्त्र भेंट कर एवं सभी समर्थक साथियों ने जिसमें प्रमुख रूप से रामकिशोर वर्मा , राम सुधार यादव , वीरेंद्र वर्मा शंकर ठाकुर , अनिल पांडे , राधेश्याम यादव , श्री राम मौर्य , सुजीत कुमार ,विजय यादव ने माननीय विधायक जी को माला पहनाकर सम्मानित किया गया !

माननीय विधायक जी ने नवनिर्वाचित जिला मंत्री कमला प्रसाद यादव पंचायती राज विभाग ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ जनपद अयोध्या को रिकॉर्ड मतों से विजई होने के लिए बधाई दी एवं आश्वासन दिया कि संगठन को उनकी जब भी कोई आवश्यकता पड़ेगी वह उसके लिए सदैव तत्पर रहेंगेरहेंगे।

एनसीसी कैडेट्स ने चलाया स्वच्छता अभियान

बदायूं। आवास विकास स्थित राजकीय महाविद्यालय में एनसीसी की ओर से चलाए जा रहे 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय खाद्य अपशिष्ट जागरूकता दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें एनसीसी के कैडेट्स के साथ एनएसएस के स्वयंसेवी भी शामिल हुए। स्वयंसेवियों को शपथ दिलाते हुए एनसीसी प्रभारी एवं प्राचार्य डॉ. श्रद्धा गुप्ता ने कहा कि पूरे विश्व में भोज्य पदार्थ का 17त्न फसल उगाने से लेकर चूल्हे तक जाने के मध्य अपव्यय होता है। खेत-खलिहान से होकर अनाज के गोदाम और फिर खुदरा दुकानों तक खाद्य पदार्थ बर्बाद होते हैं। उन्होंने कहा कि चिंता का विषय यह है कि लगातार पके हुए भोजन को फेंकने की संस्कृति विकसित होती जा रही है। जिसे समाप्त करना हम सभी का कर्तव्य है।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस के अवसर पर जनपद के वृद्धजनों, वृद्ध मतदाताओं को सम्मानित किया गया

निज संवाददाता

गोण्डा। रविवार को अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस के अवसर पर तहसील सदर गोण्डा के सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपर जिलाधिकारी सुरेश कुमार सोनी, मुख्य राजस्व अधिकारी महेश प्रकाश तथा सहायक निर्वाचन अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने जनपद के वृद्धजनों को अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस के उपलक्ष्य में वृद्ध व्यक्तियों / वृद्ध मतदाताओं को सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही जनपद में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्ध आश्रम में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैम्प लगाकर सभी वृद्धजनों स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया, तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी व जिला विकास अधिकारी के द्वारा आश्रम में रह रहे सभी वृद्ध पुरुष व महिलाओं को सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर बच्चों ने महापुरुषों को किया याद

बड़ौत। जेपी पब्लिक स्कूल व सेंट आरवी कान्वेट स्कूल में शनिवार को राष्ट्रीय पिता महात्मा गांधी एवं देश के द्वितीय प्रधानमन्त्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती पर कार्यक्रम हुआ। इसमें बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उन्हें याद किया। साथ ही उनके जीवन से सीख लेकर उनके पदचिह्नों पर चलने का संकल्प दोहराया।

जेपी पब्लिक स्कूल में निर्देशिका शरण शर्मा, निदेशक गौरव शर्मा, अभिषेक शर्मा, उपप्रधानाचार्य अरुण शर्मा ने कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित करके की। कार्यक्रम में कक्षा 10 की छात्राओं ने भाषण व कविता के माध्यम से महात्मा गांधी के जीवन की घटना से जुड़े सभी पहलुओं को प्रस्तुत किया। कक्षा 6 व 7वीं की छात्राओं ने श्री गणेश की सुंदर वंदना, महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के लिए सामूहिक गान प्रस्तुत किया। उधर, सेंट आरवी कान्वेट स्कूल में कार्यक्रम का शुभारंभ अनुराग जैन, विद्यालय की निदेशिका चारु जैन, प्रधानाचार्य पंकज शर्मा और शिक्षा निदेशक निर्दोष शर्मा ने भारत माता, महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर फूल माला अर्पित करते हुए किया द्य इस दौरान छात्र-छात्राओं ने वाद-विवाद, भाषण और निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के साथ-साथ रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मिनी, सीमा शर्मा, प्रीति जैन, कशिश, तृप्ति, वैशाली, वर्णिका, दीपा, बेबी आदि का सहयोग रहा।

समाजसेवी श्रद्धेय संगमदेई व श्रद्धेय बाबू रामसेवक जी को श्रद्धेय अशर्फीलाल चैरिटेबल ट्रस्ट ने किया सम्मानित

त्रिगुट संवाददाता

अलावल देवरिया (गोंडा)। झंझरी ब्लॉक के ग्राम सभा नौबरा(सुहेलवा) मोतीगंज निवासी बड़े भैया प्रशासनिक अधिकारी श्री राम दास प्रबुद्ध, श्रद्धेय हरिओम राजस्व निरीक्षक तहसील मनकापुर व परम मित्र डा प्रेमनाथ जी की पूज्य माता जी श्रद्धेय संगमदेई जी व पूज्य पिता जी 75 वर्षीय श्रद्धेय बाबू राम सेवक जी के 77 वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित वृद्धजन सम्मान समारोह में शामिल होने का अवसर मिला। जिसमें काफी कुछ सीखने का अवसर मिला।

इस अवसर पर श्रद्धेय अशर्फीलाल चेरिटेबल ट्रस्ट पंडितपुर मनकापुर गोंडा के सदस्य बलजीत सिंह कनौजिया ने पूज्य माता जी श्रद्धेय संगमदेई व पूज्य पिता जी श्रद्धेय बाबू रामसेवक (भूतपूर्वक कामदार) को अंग वस्त्र भेंट कर उनका स्वागत किया व आशीर्वाद प्राप्त किया।

स्वच्छता अभियान पर केन्द्र और राज्य के नेताओं ने लगाई झाड़ू

नई दिल्ली (ईएमएस)। देशभर में आज स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। महात्मा गांधी की 154वीं जयंती से पहले केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने अभियान का आगाज किया। इस अवसर पर केन्द्र और राज्य के अनेक केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री सतह पर उतरकर स्वच्छता अभियान में अपना सहयोग दे रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी समेत कई नेताओं ने झाड़ू उठा लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के अहमदाबाद में स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया वहीं गृह मंत्री कई भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ नजर आए। इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी एक साथ अंबेडकर नगर बस्ती में अभियान का आगाज करते नजर आए। जेपी नड्डा ने कहा, कि भारतीय जनता पार्टी स्वच्छता पखवाड़ा के तहत स्वच्छता अभियान चला रही है। देश भर के कार्यकर्ता स्वच्छता अभियान में जुटे हुए हैं। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी के साथ स्वच्छता अभियान में हिस्सा लेने पहुंचे नड्डा ने महात्मा गांधी के स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाने का आह्वान किया उन्होंने कहा कि आइये संकल्प लें कि इस जन आंदोलन से जुड़कर जीवन में सदैव स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए जीवनशैली अपनायेंगे ।उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि महात्मा गांधी ने स्वच्छता का जो सपना देखा और मोदी जी ने जिस सपने को साकार किया है, हम उसे और मजबूती से आगे ले जाए।

स्वच्छता की जिम्मेदारी थोड़ी आपकी थोड़ी हमारी

जनक राम वर्मा

अलावल देवरिया (गोंडा)। शिक्षा क्षेत्र मनकापुर के कम्पोजिट विद्यालय सोनबरसा बक्सरा आज्ञाराम मनकापुर में स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत के अंतर्गत सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्म दिवस दो अक्टूबर की पूर्व संध्या पर पूरा स्कूल स्टाफ व उपस्थित बच्चे साथ ही आंगनबाड़ी स्टाफ ने मिलकर स्कूल परिसर व की साफ सफाई कर लोगों स्वच्छता के लिए प्रेरित किया। शिक्षक बलजीत सिंह कनौजिया, आंगनवाड़ी कार्यकत्री दिनेश कुमारी बच्चे अमन कुमार,ताज मोहम्मद, साक़िरा बानो, मनीषा मौर्य, अंशिका मौर्य, मनीष मौर्य, रिया शर्मा,महिमा, सुषमा, अर्चना, सेजल मालती,रुमा, संगीता, सूरज,अमन,अजय, भूमिका मौर्य, अनुराग मौर्य,अंतिमा, रवीन्द्र कुमार, मुनिया तिवारी, सानिया तिवारी आदि उपस्थित रहे।

श्राद्ध कर्म में कौओं को भोजन क्यूं परोसा जाता हैं -ज्योतिष गुरू पंडित अतुल शास्त्री

कौए को भोजन कराने से सभी तरह का पितृदोष और कालसर्प दोष दूर हो जाता है

निज संवाददाता

गोण्डा। वाल्मीकि रामायण में भी इनका कई स्थानों पर उल्लेख हुआ है। वही रामचरितमानस में पैर में प्रहार करने का वर्णन आता। जिस समय रावण के पुत्र मेघनाद से इन्द्र का युद्ध हुआ और मेघनाद ने सब ओर अंधकार फैला दिया, तब जयंत का नाना पुलोमा उसे युद्ध भूमि से उठाकर समुद्र में ले गया। एक कोए का वेश में जयंत ने मांस की इच्छा से सीता के स्तन पर भी प्रहार किया था, जिस कारण उसे श्री राम के क्रोध का सामना करना पड़ा। चित्रकूट पर्वत के वनों में विचरण करते हुए राम और सीता थककर विश्राम कर रहे थे। सीता और राम दोनों ही सो रहे थे ।मांस-भक्षण की इच्छा से एक कौए ने जाकर सीता के स्तन पर प्रहार किया। सीता के स्तन से रक्त गिरने लगा ।खून के स्पर्श से राम की नींद खुली तो उन्होंने संपूर्ण घटना को जाना तथा क्रुद्ध होकर राम ने ब्रह्मास्त्र के मंत्र से आमंत्रित करके एक कुशा को धनुष से छोड़ा। वह कौए के वेश में इंद्र का पुत्र जयंत था ।कौआ विविध लोकों में रक्षा की कामना से गया, किंतु कुशा ने उसका पीछा नहीं छोड़ा ।अंत में वह पुनः राम की शरण में पहुँचा और राम ने उसे क्षमा कर दिया, किंतु ब्रह्मास्त्र के मंत्रों से पूत कुशा व्यर्थ नहीं जा सकती थी, अतः उसने कौए की दाहिनी आँख फोड़ दी, किंतु उसके प्राण बच गए। जयंत ने अपने कृत्य के लिए क्षमा मांगी, तब राम ने उसे यह वरदान दिया कि तुम्हें अर्पित किया गया भोजन पितरों को मिलेगा ।मेघनाद और इंद्र के युद्ध में भयंकर माया का विस्तार हुआ ।श्राद्ध कर्म विधि - हिन्दू धर्म में पितरों की आत्मिक शांति के लिए श्राद्ध करने का रिवाज है ।जब यह श्राद कार्य पूरे विधि से किया जाता है, तभी पितृ की आत्मा शांत होती है. श्राद्ध कर्म विधि में कौवे को भोजन परोसा जाता है। श्राद्ध कर्म विधि अनुसार कौवे को थाली में भोजन परोसा जाता है लेकिन यह भोजन किस उद्देश्य से परोसा जाता है, यह बात बहुत कम लोग जानते है। आइये जानते है श्राद्ध कर्म विधि में कौवे को भोजन क्यों परोसते है। पुराणों व ग्रंथो में कौवे को एक विशेष पक्षी के रूप में बताया गया है। प्राचीन ग्रंथो और महाकाव्यों में इस कौवे से जुड़ी कई रोचक कथाएँ और मान्यताएं भी लिखी हुई है. पुराणों में भी कौवों का बहुत महत्व बताया गया है. पुराणों के अनुसार कौवों की मौत कभी बिमारी से या वृद्ध होकर नहीं होती है. कौवे की मौत हमेशा आकस्मिक ही होती है और जब एक कौआ मरता है, तो उस दिन उस कौवे के साथी खाना नहीं खाते है। कौवे की खासियत है कि वह कभी भी अकेले भोजन नहीं करते है. वह हमेशा अपने साथी के संग मिल बांटकर ही भोजन करता है। इस पक्षी का श्राद्ध कर्म विधि में भी विशेष महत्व होता है. श्राद्ध में घर में बने सारे भोजन और पकवान निकाल कर एक थाली में रखकर इस कौवे को परोसे जाते है। मान्यतानुसार यह पक्षी यमराज का दूत होता है, जो श्राद्ध में आकर अन्न की थाली देखकर यम लोक जाकर हमारे पितृ को श्राद में परोसे गए भोजन की मात्रा और खाने की वस्तु को देखकर हमारे जीवन की आर्थिक स्थिति और सम्पन्नता को बतलाता है। जिसको जानकार पितृ को संतुष्टि होती है और उनकी आत्मा को शान्ति मिलती है।

अपने वंशज के खानपान देखकर पितृ को वर्तमान पीढ़ी के सुखी जीवन का आभास होता है. जिसको सुनकर पितृ संतुष्ट और खुश होते है. इसलिए श्राद्ध कर्म विधि में कौवें भोजन दिया जाता है। कौए को अतिथि-आगमन का सूचक और पितरों का आश्रम स्थल माना जाता है। पुराणों की एक कथा के अनुसार इस पक्षी ने अमृत का स्वाद चख लिया था इसलिए मान्यता के अनुसार इस पक्षी की कभी स्वाभाविक मृत्यु नहीं होती। कोई बीमारी एवं वृद्धावस्था से भी इसकी मौत नहीं होती है।

इसकी मृत्यु आकस्मिक रूप से ही होती है। जिस दिन किसी कौए की मृत्यु हो जाती है उस दिन उसका कोई साथी भोजन नहीं करता है। कौआ अकेले में भी भोजन कभी नहीं खाता, वह किसी साथी के साथ ही मिल-बांटकर भोजन ग्रहण करता है।

कौए की योग्यता कौआ लगभग 20 इंच लंबा, गहरे काले रंग का पक्षी है जिसके नर और मादा एक ही जैसे होते हैं। कौआ बगैर थके मीलों उड़ सकता है। कौए को भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पहले से ही आभास हो जाताहै। पितरों का आश्रय स्थल श्राद्ध पक्ष में कौओं का बहुत महत्व माना गया है। इस पक्ष में कौओं को भोजन कराना अर्थात अपने पितरों को भोजन कराना माना गया है। शास्त्रों के अनुसार कोई भी क्षमतावान आत्मा कौए के शरीर में स्थित होकर विचरण कर सकती है।

कौए को भोजन कराने का लाभ

अश्विनी महीने के 16 दिन कौआ हर घर की छत का मेहमान बनता है। ये 16 दिन श्राद्ध पक्ष के दिन माने जाते हैं। कौए एवं पीपल को पितृ प्रतीक माना जाता है। इन दिनों कौए को खाना खिलाकर एवं पीपल को पानी पिलाकर पितरों को तृप्त किया जाता है।

विष्णु पुराण में श्राद्ध पक्ष में भक्ति और विनम्रता से यथाशक्ति भोजन कराने की बात कही गई है। कौए को पितरों का प्रतीक मानकर श्राद्ध पक्ष के 16 दिनों तक भोजन कराया जाता है। माना जाता है कि कौए के रूप में हमारे पूर्वज ही भोजन करते हैं। कौए को भोजन कराने से सभी तरह का पितृ और कालसर्प दोष दूर हो जाता है।

ज्योतिष गुरू पंडित अतुल शास्त्री

RNI No. 46071/85
स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक टी.रजा रिज़वी ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।
गोण्डा कार्यालय
फोन/फैक्स-05262-230683
मो0- 09415120085
लखनऊ कार्यालय-
फोन- 0522-4028445
मो0- 09415249085
:- E-mail :-
trigutdainik@gmail.com